www.hindmatamirror.com ●वर्षः 12 ●अंकः 256 ●ठाणे, गुरुवार 18 जून, 2026 ●पेजः 8 ●मूल्यः 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

दैनिक
हिंदमाता मिरर
RNI. NO. MAHHIN/2011/43060
पैनी नजर, पुख्ता खबर

कंगना शर्मा का कातिलाना अंदाज

पेज 8

शुभमन गिल ने बतौर कप्तान ठोका पहला वनडे शतक

8 पेज

सुप्रभात

मेरी राय मानो, अपनी नाक के आगे न देखा करो। तुम्हें हमेशा मालूम होता रहेगा कि उससे आगे भी कुछ है और वह ज्ञान तुम्हें आशा और आनंद से मस्त रखेगा।
- बर्नार्ड शॉ

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (18 जून) 7:17 बजे, सूर्योदय (19 जून) 6:02बजे, **तापमानः 33 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

शॉर्ट स्टोरी

देश की वास्तविक विकास दर सिर्फ 2.7%

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

देश की अर्थव्यवस्था का सही आकलन और प्रभावी नीतियों का निर्माण तभी संभव है, जब वास्तविक आर्थिक आंकड़े पारदर्शी तरीके से सामने आएं। वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा जारी किए जा रहे आंकड़े पूरी तरह भ्रामक हैं। देश की वास्तविक विकास दर इस समय 7.7 प्रतिशत नहीं, बल्कि केवल 2.7 प्रतिशत के आसपास है। यह सनसनीखेज दावा भारत के पूर्व वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने पुणे शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा पत्रकार भवन में आयोजित एक विशेष परिसंवाद में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकारी आंकड़ों और वास्तविक जमीनी स्थिति में 4 से 5 प्रतिशत का भारी अंतर है।

ये गाली नहीं, महाराष्ट्र की भाषा है

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बागी होने की आशंका वाले सांसदों को गाली देने के आरोपों पर घिरे शिवसेना ठाकरे गुट के दिग्गज नेता संजय राऊत ने अब अपना बचाव करते हुए तर्क दिया कि यह कोई गाली-गलौज नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र और मराठी संस्कृति में इसी तरह की भाषा का आम बोलचाल में उपयोग किया जाता है। उन्होंने मीडिया से कहा, कोई अभद्र भाषा नहीं है। महाराष्ट्र में इसी तरह बोला जाता है। यह हमारी नियमित भाषा है। उन्होंने खुद को सामना का संपादक बताते हुए यह स्पष्ट किया कि वे शब्दों के चयन में माहिर हैं और उन्हें पता है कि कब कौन सी भाषा समझ में आएगी और किसे किस लहजे में जवाब देना है।

कंस्ट्रक्शन साइट्स पर पानी सप्लाई बंद

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

नए नियमों के मुताबिक, अब शहर में किसी भी स्विमिंग पूल और नए या चल रहे कंस्ट्रक्शन साइट्स को पीने के पानी की सप्लाई नहीं की जाएगी। बीएमसी ने साफ कहा है कि अगले आदेश तक किसी भी नई कंस्ट्रक्शन साइट को पानी का कनेक्शन नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही मुंबई के औद्योगिक, कमर्शियल और स्पोर्ट्स क्लबों को की जाने वाली पानी की सप्लाई में 20 प्रतिशत की कटौती कर दी गई है। मुंबई को रोजाना लगभग 4664 मिलियन लीटर पानी की जरूरत होती है, जबकि फिलहाल सिर्फ 4100 मिलियन लीटर की सप्लाई हो पा रही है। शहर में 15 मई से ही पहले ही 10 प्रतिशत की पानी कटौती लागू है।

एआई की आवाज से ठग लिए 10 करोड़!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई स्थित एक निजी कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर की आवाज को एआई तकनीक के जरिए कॉपी किया गया। इसके बाद उसी आवाज में कंपनी के डीजीएमओ को फोन किया गया। कॉल करने वाले ने खुद को कंपनी का मैनेजिंग डायरेक्टर बताया और अलग-अलग खातों में पैसे ट्रांसफर करने के निर्देश दिए। डीजीएमओ ने बताए गए खातों में रकम ट्रांसफर कर दी। इस तरीके से कुल 63 अलग-अलग बैंक खातों में 10 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि भेजी गई। मामला सामने आने के बाद मुंबई में कंपनी की तरफ से शिकायत दर्ज कराई गई । पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

भाजपा को पार्टियां तोड़ने की लत लग गई है : संजय राऊत

कुछ बड़ा करने की तैयारी में है ठाकरे गुट!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई/ नई दिल्ली

महाराष्ट्र की राजनीति में इन दिनों एक बड़ा बदलाव देखने के मिल रहा है। उद्धव ठाकरे की पार्टी के छह सांसदों ने पार्टी छोड़ दी है और अलग हो गए हैं। बताया जा रहा है कि इन सांसदों ने एक अलग गुट बना लिया है और इस बात की पूरी संभावना है कि यह गुट जल्द ही एकनाथ शिंदे की पार्टी में शामिल हो जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी के सांसद और नेता संजय राऊत अभी दिल्ली में हैं और इस संभावित बंटवारे को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। इसी बीच उन्होंने एक अहम बयान दिया। संजय राऊत ने पार्टी के भविष्य के रुख के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि फंड की कमी के कारण पार्टी छोड़ने का दावा गलत है। राऊत ने कहा, जब हम विपक्ष में होते हैं, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमें विकास कार्यों के लिए फंड नहीं मिलेगा। फंड से जुड़े मुद्दे सिर्फ बहाने हैं। यह सच है कि विकास के लिए फंड नहीं मिल रहा है और यह भी सच है कि फंड की जरूरत है, लेकिन अगर फंड बिल्कुल भी उपलब्ध न हो तो हम क्या करें? आपको इस सच्चाई को स्वीकार करना होगा।

हम उन्हें सबक सिखाएंगे

संजय राऊत ने कहा, पहले जब हमारी पार्टी में बंटवारा हुआ था, तो वह अलग बात थी। लेकिन अब ये लोग हमारी पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हुए चुने गए थे; इसलिए बागी नेताओं को माफ नहीं किया जा सकता। हम अब अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की जान जोखिम में नहीं डालेंगे। जो लोग बगावत कर रहे हैं, हम उन्हें सबक सिखाएंगे। इन लोगों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया जाएगा। इस बीच, हमारी पार्टी ने सभी सांसदों को मौजूद रहने का आदेश देते हुए व्हिप जारी किया है। अब यह देखना अहम होगा कि इसके बाद क्या कानूनी कार्रवाई होती है।

बेइमानी उनके खून में है

बागी सांसदों को खूब खरी-खोटी सुनाने और उन्हें 'बेईमान' (धोखेबाज) बताने के बाद, मीडिया से बात करते हुए राउत ने पत्रकारों से कहा कि वे उनके अपशब्दों को 'बीप' न करें। न ही उनके बयान को काटें। संजय राऊत ने कहा कि ये लोग बेइमान लोग हैं और बेइमानी उनके खून में है। ऐसा अब लगने लगा है। संजय राऊत ने कहा कि वे किसी पार्टी या किसी व्यक्ति का नाम नहीं ले रहे हैं।

बीजेपी ने जनतंत्र को बाजार बना दिया

प्रेस कॉन्फ्रेंस में राऊत ने ये भी कहा कि बीती रात महाराष्ट्र के साथ धोखा हुआ। सांसदों की खरीद-फरोख्त हुई। बीजेपी बताए क्या रेट तय हुए। उन्होंने कहा कि बीजेपी टीएमसी की तरह शिवसेना को तोड़ रही है। महाराष्ट्र में जो हो रहा है वो जनादेश के खिलाफ है। बीजेपी ने जनतंत्र को बाजार बना दिया है।

बहुमत के बावजूद नशे जैसी लत

संजय राऊत ने भाजपा की विस्तारवादी नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके पास संसद में पहले से ही पर्याप्त बहुमत है, फिर भी अन्य दलों को तोड़ने की उनकी भूख शांत नहीं हो रही है। उन्होंने भाजपा की इस कार्यशैली की तुलना एक नशे से की। राऊत ने तंज कसते हुए पूछा कि क्या भाजपा को अब राजनीतिक पार्टियां फोड़ने की लत लग गई है? उनके अनुसार, सत्ता पक्ष का यह व्यवहार लोकतंत्र के लिए एक खतरनाक संकेत है।

इन नेताओं ने छोड़ी पार्टी

हिंगोली से नागेश पाटिल अष्टिकर, शिरडी से भाऊसाहेब वाघचौरे, उत्तर पूर्वी मुंबई से संजय दीना पाटील, वाशिम से संजय देशमुख, धाराशिव से ओमराजे निंबालकर और परभणी से संजय जाधव ने उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ दिया है।

● बगावत की खबरों के बीच संजय देशमुख को चेतावनी

गाड़ी समेत जला देंगे!

महाराष्ट्र की राजनीति में ऑपरेशन टाइगर की सुगबुगाहट ने अब एक हिंसक और बेहद आक्रामक मोड़ ले लिया है। उद्धव ठाकरे गुट के सांसदों के दलबदल की चचाओं के बीच कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा है। ताजा मामला वाशिम-यवतमाल लोकसभा क्षेत्र का है, जहां सांसद संजय देशमुख के शिंदे गुट में शामिल होने की अटकलों पर शिवसेना (यूबीटी) के स्थानीय पदाधिकारियों ने उन्हें जान से मारने और दहन करने जैसी गंभीर धमकियां दी हैं। शिवसेना ठाकरे गुट के उप तहसील प्रमुख विजय शेंडगे ने इस पूरे घटनाक्रम पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए अत्यंत कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि संजय देशमुख को पार्टी छोड़नी है, तो उन्हें सबसे पहले अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए और उसके बाद ही वे शिंदे गुट में शामिल होने का विचार करें। उन्होंने चेतावनी दी कि जनादेश का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

खौफनाक धमकी : गाड़ी समेत जला देंगे

विजय शेंडगे का गुस्सा यहीं शांत नहीं हुआ। उन्होंने मीडिया के सामने बेहद आपत्तिजनक और डराने वाली भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा कि यदि संजय देशमुख गद्दारी करते हैं और शिंदे गुट में प्रवेश करते हैं, तो उन्हें उनकी गाड़ी के साथ ही जला दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनके कार्यालय को भी आग के हवाले कर दिया जाएगा। यह बयान उस आक्रोश को दर्शाता है जो इस समय ठाकरे गुट के जमीनी कार्यकर्ताओं के भीतर उबल रहा है।

अलग गुट को मान्यता नहीं देने का आग्रह

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) में बगावत की अटकलों के बीच पार्टी सांसद अरविंद सावंत ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से अनुरोध किया है कि पार्टी का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले किसी भी बागी गुट को मान्यता नहीं दी जाए। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि यदि इस तरह का कोई प्रस्ताव आता है तो शिवसेना (उबाठा) को अपना पक्ष रखने का अवसर दिए बिना कोई निर्णय नहीं लिया जाए।

सांसदों को 50 करोड़ रुपए का प्रलोभन दिए जाने का आरोप

संजय राऊत ने बुधवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के कुछ सांसदों को पाला बदलने के लिए 50 करोड़ रुपए की पेशकश की जा रही है और उन्होंने बागी सांसदों को पार्टी छोड़ने से पहले इस्तीफा देने की चुनौती भी दी। राऊत ने कहा कि एक महत्वपूर्ण व्यक्ति ने मंगलवार देर रात उन्हें बताया कि महाराष्ट्र के सांसदों को खरीदने की कोशिश की जा रही है। राज्यसभा सदस्य ने कहा, मुझे बताया गया कि कीमत 50 करोड़ रुपए है और रात तक प्रत्येक सांसद को 15-15 करोड़ रुपए पहुंचाए जाने थे। वे धन मिले बिना विमान में सवार होने को कथित रूप से तैयार नहीं थे। इस बीच संजय दीना पाटील और ओमराजे निंबालकर अब भी ऑपरेशन टाइगर से अनभिज्ञता जता रहे हैं। शायद वे अपनी बार्गेनिंग पॉवर बढ़ा रहे हैं, जबकि तय हो चुका है कि यूबीटी के छह सांसद अब पाला बदल चुके हैं।

भाजपा ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व पर उठाए सवाल

भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के उपाध्यक्ष केशव उपाध्ये ने बुधवार को विपक्षी दल शिवसेना (उबाठा) में संभावित विभाजन का संकेत देते हुए उसके नेतृत्व पर जनादेश को खारिज करने और पार्टी को राजनीतिक पतन की ओर ले जाने का आरोप लगाया। उपाध्ये ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, शिवसेना (उबाठा) में कथित फूट के बारे में इतना ही कहा जा सकता है कि पार्टी को एक और विभाजन का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवसेना (उबाठा) का नेतृत्व जनादेश को नकार रहा है और आलोचना की राजनीति में लगा हुआ है।

भाजपा का कोई लेना-देना नहीं : बावनकुले

भाजपा के नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने बुधवार को कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेताओं में दलबदल कराने की किसी कथित कोशिश से उनकी पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। बावनकुले ने शिवसेना (उबाठा) के कुछ सांसदों के पार्टी से अलग होकर नया गुट बनाने की अटकलों के बीच यह टिप्पणी की। बावनकुले ने नागपुर में संवाददाताओं से कहा, इससे भाजपा का क्या संबंध है? हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है। हम नहीं जानते कि ऑपरेशन टाइगर क्या है, इसे कौन लेकर आया और क्यों लेकर आया ? भाजपा का इससे कोई संबंध नहीं है।

डिलिमिटेशन के लिए डिमोलिशन... महाराष्ट्र और बंगाल के बाद निशाने पर यूपी

सेंधमारी की सियासत!

● सपा के 25-26 सांसद पाला बदलने को तैयार: केशव मौर्य

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

एमपी, एमएलए चाहे जिस किसी भी पार्टी के हों, उनके लिए सत्ताशाहों ने तिजोरी खोल दी है। विभिन्न पार्टियों के एमपी, एमएलए भी जनादेश को खूंटी पर टांगकर 'विकास की जुगाली' करते एनडीए को समर्थन देने को बेकरार नजर आ रहे हैं। दरअसल यह रिश्वतखोरी का ऐसा खुला खेल फर्रुखाबादी है जिसके बारे में सबको पता है, लेकिन कोई भी आवाज उठाने को तैयार नहीं है। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट भी विधायकों-सांसदों के इस रेडिमेड बाजार में खुलेआम कुचले जा रहे लोकतंत्र की दुर्दशा पर दो शब्द कहने तक की हिम्मत नहीं जुटा रहा है। फिलहाल महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के बाद अब उत्तर प्रदेश में 'सेंधमारी की सियासत' जोर पकड़ती नजर आ रही है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कानपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए दावा किया कि समाजवादी पार्टी के 25 से 26 सांसद वर्तमान में पाला बदलने और पार्टी तोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार बैठे हैं। टीएमसी और शिवसेना में हुई टूट का उदाहरण देते हुए भाजपा नेताओं द्वारा सपा में दरार की बातें कही जा रही हैं। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि भाजपा फिलहाल उनकी पार्टी को खुद नहीं तोड़ रही है बल्कि साल 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव तक ये नेता अपने आप ही टूटकर चले जाएंगे। इस सियासी घमासान के बीच राम मंदिर मामले पर भी बयानबाजी हुई है।

सपना देखना बंद करें : सपा

सुभासपा के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने बड़ा दावा करते हुए कहा था कि जल्द समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट होने जा रही है। राजभर के इस दावे पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने करारा जवाब दिया है। ओपी राजभर के दावे को खारिज करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पूरी मजबूती के साथ एकजुट है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि दूसरी पार्टियों में सेंध लगाना और नेताओं को तोड़ना बीजेपी की पुरानी आदत है। बुधवार को लखनऊ में एक प्रेस वार्ता के दौरान जब अखिलेश यादव से सपा में नाराजगी को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने पुरानी बातें याद दिलाईं। अखिलेश यादव ने कहा कि इससे पहली भी कई विधायक, एमएलसी और राज्यसभा सांसद पार्टी बदलकर भाजपा में गए थे। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए हुआ कि किसी को लालच, स्वार्थ या फिर किसी पर जबरदस्ती दबाव बनाया गया। अखिलेश ने यह भी कहा कि जो लगो डर जाते हैं, वह अपनी पार्टी छोड़ देते हैं।

पार्टी छोड़ने के लिए मिला 150 करोड़ का ऑफर

● सांसद राजाभाऊ के पिता प्रकाश वाजे का सनसनीखेज खुलासा

नाशिक। महाराष्ट्र में चल रहे कथित ऑपरेशन टाइगर के बीच नाशिक से उद्धव ठाकरे गुट के सांसद राजाभाऊ वाजे के पिता प्रकाश वाजे ने एक सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया कि ठाकरे की पार्टी छोड़ने के लिए उनके बेट के 150 करोड़ का ऑफर मिला था। नाशिक से शिवसेना (यूबीटी) के सांसद राजाभाऊ वाजे के पिता प्रकाश वाजे ने दावा करते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे की पार्टी छोड़ने के बदले उनके बेटे को 50 करोड़ रुपए नकद और उनके संसदीय क्षेत्र के लिए 100 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की पेशकश की गई थी। प्रकाश वाजे के अनुसार, पिछले तीन-चार महीनों से उद्धव गुट के सांसदों को तोड़ने की कोशिशें की जा रही हैं। 14 अप्रैल को कुछ लोग राजाभाऊ वाजे के घर आए थे। उस दौरान उन्होंने प्रस्ताव दिया कि यदि राजाभाऊ पार्टी छोड़ देते हैं, तो उन्हें 50 करोड़ रुपए नकद दिए जाएंगे और उनके क्षेत्र में 100 करोड़ रुपए के विकास कार्यों को मंजूरी दी जाएगी। हालांकि उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव को उन्होंने और राजाभाऊ ने सख्ती से ठुकरा दिया।

शादी किसी के साथ, फिर भागना किसी और के साथ

● दलबदल की राजनीति पर भड़के रोहित पवार, बताया हर सांसद का रेट

महाराष्ट्र की राजनीति में ऑपरेशन टाइगर की सुगबुगाहट ने विपक्षी खेमे में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। शिवसेना ठाकरे गुट के नेताओं के बाद अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के युवा और फायरब्रांड नेता रोहित पवार ने दलबदल की इस राजनीति पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने दलबदलुओं की तुलना एक ऐसे व्यक्ति से की है जो शादी तो किसी और से करता है, लेकिन भाग किसी और के साथ जाता है। रोहित पवार का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और सियासी गलियारों में नई बहस छेड़ दी है।

राजनीतिक व्यभिचार और तानाशाही का संकेत

रोहित पवार ने इस पूरे घटनाक्रम को अत्यंत घृणित करार देते हुए कहा कि यह राजनीतिक व्यभिचार के अलावा और कुछ नहीं है। उन्होंने एक तीखी उपमा देते हुए कहा, शादी किसी एक के साथ करना और फिर किसी और का हाथ पकड़कर भाग जाना... यह इस बात का स्पष्ट लक्षण है कि देश में संविधान और लोकतंत्र को मरोड़कर अब तानाशाही की ओर कदम बढ़ाए जा रहे हैं। जनता के विश्वास के साथ इस तरह का खिलवाड़ करना लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर रहा है।

ऑपरेशन टाइगर नहीं, यह ऑपरेशन बाजार है

पवार ने इसके लिए इस्तेमाल किए जा रहे नाम ऑपरेशन टाइगर पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इसे टाइगर नहीं बल्कि ऑपरेशन बाजार कहना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यह बाजार आखिर किस चीज का है औकात का, इंसानों का या फिर विचारों का? यह फैसला अब जनता को ही करना होगा। इतना ही नहीं, रोहित पवार ने एक चौंकाने वाला दावा करते हुए पूछा कि क्या एक-एक सांसद का रेट 85 करोड़ रुपए है? उन्होंने सत्ता पक्ष की ओर इशारा करते हुए पूछा कि आखिर संबंधित पार्टियों के पास सांसदों को खरीदने के लिए इतना पैसा आता कहां से है?। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों को तोड़ने का यह सिलसिला यूं ही चलता रहा, तो एक दिन जनता सड़कों पर उतरेगी और भागने वालों के साथ-साथ भगा ले जाने वालों को भी सबक सिखाएगी।

फिर चुनाव ही क्यों हों?

उद्धव सेना में टूट पर दिग्गज वकील कपिल सिब्बल ने उठाए बड़े कानूनी सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर के तहत शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के 6 लोकसभा सांसदों के पाला बदलने की खबरों ने अब देश के शीर्ष कानूनी गलियारों में भी हलचल तेज कर दी है। इस महा-विभाजन पर देश के जाने-माने वरिष्ठ अधिवक्ता और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। सिब्बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए देश की मौजूदा चुनावी और संवैधानिक व्यवस्था पर बेहद गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने साफ कहा कि जनता द्वारा एक निश्चित चुनाव चिह्न पर चुने जाने के बाद सांसदों का इस तरह दूसरी पार्टी में चले जाना पूरी तरह से लोकतंत्र का मखौल उड़ाना है। कपिल सिब्बल के इस कड़े स्टैंड के बाद यह साफ हो गया है कि सांसदों की अयोग्यता का यह मामला एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर बेहद आक्रामक रूप से लड़ा जाएगा।

सिब्बल ने दलबदल को बताया पूरी तरह असंवैधानिक

मौजूदा सियासी स्थिति पर कड़ा ऐतराज जताते हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने ट्वीट किया, आखिर देश में चुनाव क्यों हों? अगर किसी मूल राजनीतिक दल का सिंबल (चुनाव चिह्न) आपको संसद में भेजता है, तो आप जीतने के बाद कैसे किसी दूसरे चुनाव चिह्न वाली पार्टी में शामिल हो सकते हैं? आप उस विरोधी पार्टी के सिंबल पर जनता द्वारा नहीं चुने गए हैं! सिब्बल ने आगे लिखा कि संवैधानिक कानून का कोई भी बुनियादी सिद्धांत इसकी अनुमति कतई नहीं दे सकता। यह पूरा घटनाक्रम पूरी तरह से अनैतिक, गैर-कानूनी और असंवैधानिक है। अब यह पूरा मामला देश की अदालत के हवाले है।

लोकसभा में महज तीन सांसदों पर सिमटा उद्धव गुट

राजनीतिक सूत्रों और दावों के मुताबिक, लोकसभा में उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी के कुल 9 सांसदों में से 6 सांसदों ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ जाने का मन बना लिया है। इस बड़े झटके के बाद संसद के निचले सदन में उद्धव ठाकरे के पास अब केवल 3 वफादार सांसद ही बचे हैं। इस बीच, राजनीतिक हलकों में 7वें सांसद के रूप में नाशिक से सांसद राजाभाऊ वाजे के टूटने की भी अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि वाजे ने तुरंत मीडिया के सामने आकर इन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी अटूट आस्था केवल और केवल उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में है और वे पार्टी के साथ मजबूती से खड़े हैं। फिलहाल गुरुवार को इस बात से पर्दा उठेगा कि ऑपरेशन टाइगर का खेल कैसे खेला गया? कौन इसकी अदृश्य महाशक्ति है?

138 करोड़ का अखरोट आयात घोटाला उजागर

मास्टरमाइंड समेत 5 गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ नवी मुंबई

जवाहरलाल नेहरू कस्टम हाउस की केंद्रीय खुफिया इकाई ने एक अंतरराष्ट्रीय रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह चीन और अमेरिका से आने वाले अखरोट को अफगानिस्तान का बताकर भारत में आयात कर रहा था, ताकि भारी टैक्स चोरी की जा सके। इस मामले में अब तक मुख्य आरोपी सहित पांच लोगों को सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। इस धोखाधड़ी के कारण सरकार को 138.84 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ है। इस मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है।

फर्जी दस्तावेजों से 110% टैक्स को किया सिर्फ 5%

अधिकारियों ने बताया कि चीन, अमेरिका और चिली से आने वाली अखरोट की खेपों को संयुक्त अरब अमीरात के जेबेल अली के रास्ते भेजा जा रहा था। दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र के तहत गलत तरीके से तरजीही शुल्क (प्रिफरेंशियल टैरिफ) लाभ का दावा करने के लिए इन खेपों को झूठे तौर पर अफगानिस्तान का दिखाया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि इस तरह अखरोट पर लगने वाले प्रभावी सीमा शुल्क को लगभग 110 प्रतिशत से घटाकर मात्र 5 प्रतिशत कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि तस्करों ने जाली पारगमन रिकॉर्ड तैयार करने और मूल देश के झूठे दावों को साबित करने के लिए बंदर अब्बास (ईरान) से जेबेल अली (यूएई) तक आवाजाही दर्शाने वाले माल लादने के फर्जी बिल तैयार किए थे।

छापेमारी में डिजिटल और दस्तावेजी सबूत बरामद

सीआईयू के अधिकारी ने कहा कि मुंबई में कई स्थानों पर समन्वित छापेमारी में भारी मात्रा में डिजिटल और दस्तावेजी सबूत बरामद हुए हैं, जिसके बाद अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि 12 जून को सीआईयू अधिकारियों ने सूरत के व्यवसायी दीपकभाई काकड़िया के बेटे स्नेह दीपकभाई काकड़िया को गिरफ्तार किया। एजेंसियों का आरोप है कि वह इस गिरोह का सरगना है, जो आर्थिक लाभ के लिए फर्जी आयातकों के माध्यम से माल की खरीद, निकासी और बिक्री को नियंत्रित कर रहा था।

कैसे हुआ घोटाले का खुलासा?

जेएनसीएच में अखरोट के देशवार आयात रुझान के विश्लेषण से पता चला कि जांच की अवधि के दौरान अफगानिस्तान की घोषणाओं में असामान्य उछाल आया, जिसके बाद इसमें अचानक गिरावट देखी गई। यह रिकॉर्ड सामान्य व्यावसायिक उतार-चढ़ाव से मेल नहीं खाता था और इससे देश के मूल संबंधी फर्जी दावों के आरोप पुख्ता हुए। अधिकारी ने बताया कि इस धोखाधड़ी के कारण कम कीमत पर आयातित अखरोट बाजार में उतारे गए, जिससे बाजार की प्रतिस्पर्धा प्रभावित हुई। सरकार के राजस्व को भी भारी क्षति पहुंची।

विधान परिषद चुनाव आज

6 सीटों पर महायुति निर्विरोध जीत चुकी, 11 सीटों पर होगा मुकाबला

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद की 17 स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्रों की सीटों पर सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने 17 में से 6 सीटों पर पहले ही निर्विरोध जीत हासिल कर अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया है, जबकि शेष 11 सीटों पर 18 जून यानी आज मतदान होगा। चुनाव आयोग के कार्यक्रम के अनुसार मतगणना 22 जून को होगी। निर्विरोध छह सीटों में भाजपा को दो, शिवसेना को दो और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को दो सीटें मिली हैं। महायुति के सीट बंटवारे के तहत भाजपा 11 सीटों, शिवसेना 4 सीटों और एनसीपी 2 सीटों पर चुनाव लड़ रही थी।

महायुति के निर्विरोध विजयी उम्मीदवार

1- वर्धा-गडचिरोली-चंद्रपुर : अरुण लखानी (भाजपा), 2 - अहिल्यानगर : प्राजक्त तनपुरे (भाजपा), 3 - ठाणे : रवींद्र फाटक (शिवसेना), 4 - यवतमाल : दुष्यंत चतुर्वेदी (शिवसेना), 5 - रायगढ़-रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग : अनिकेत तटकरे (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी), 6 - पुणे : विक्रम काकड़े (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी)।

एनसीपी का शत-प्रतिशत प्रदर्शन

महायुति में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को सीट बंटवारे में केवल दो सीटें मिली थीं—पुणे और रायगढ़-रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग । पार्टी ने दोनों सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल कर 100 प्रतिशत सफलता दर्ज की है। इससे उपमुख्यमंत्री और एनसीपी नेतृत्व को राजनीतिक मजबूती मिली है।

बार और हुक्का पार्लरों पर शिकंजा

ऑर्केस्ट्रा बार और हुक्का पार्लर ठाणे पुलिस के रडार पर

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

शहर में नियमों का उल्लंघन कर संचालित किए जा रहे ऑर्केस्ट्रा बार और हुक्का पार्लरों के खिलाफ ठाणे पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। हाल ही में पुलिस ने तलावपाली क्षेत्र स्थित एक बार और उथलसर इलाके के एक हुक्का पार्लर पर छापेमारी की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आने वाले दिनों में नियम तोड़ने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ अभियान और तेज किया जाएगा।

नियमों की हो रही अनदेखी

राज्य सरकार ने ऑर्केस्ट्रा बारों के संचालन के लिए कई नियम निर्धारित किए हैं। इनमें संचालन का समय, ध्वनि की सीमा और महिला कर्मचारियों की आयु 18 वर्ष से अधिक होना जैसे प्रावधान शामिल हैं। इसके बावजूद कई बारों में इन नियमों का खुलेआम उल्लंघन किए जाने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। वहीं शहर के कुछ इलाकों में बड़ी संख्या में हुक्का पार्लर संचालित होने की भी शिकायतें सामने आई थीं।

शिकायतों के बाद कार्रवाई

हुक्का पार्लरों के खिलाफ विधायक संजय केलकर ने भी आंदोलन चलाया था। कुछ समय तक बंद रहने के बाद इन पार्लरों के गुप्त रूप से दोबारा शुरू होने की शिकायतें पुलिस को प्राप्त हुई थीं। इसके बाद पुलिस ने बार और हुक्का पार्लरों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया।

छापेमारी में मामला दर्ज

कुछ दिन पहले पुलिस ने तलावपाली क्षेत्र के आम्रपाली बार पर छापा मारकर नियमों के उल्लंघन का मामला उजागर किया था। इसके बाद उथलसर स्थित 'लाउड लाउंज 9' हुक्का पार्लर पर भी कार्रवाई की गई। इस मामले में मालिक समेत 14 लोगों के खिलाफ राबोडी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले बार और हुक्का पार्लरों के खिलाफ आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

वसई में एसआईआर पर मंथन

किरीट सोमैया और विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने बैठक के बाद क्षेत्र का किया दौरा

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश एसआईआर प्रमुख किरीट सोमैया तथा वसई विधानसभा की विधायक स्नेहा दुबे पंडित की उपस्थिति में वसई तहसीलदार कार्यालय में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता पंजीकरण, नागरिकों की शिकायतों और विभिन्न प्रशासनिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

समन्वय पर जोर

बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। जनप्रतिनिधियों ने मतदाता प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी बनाने पर भी जोर दिया। बैठक के बाद किरीट सोमैया और विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने पाचूबंदर, गास टोकपाड़ा, कोळीवाड़ा और एकचोटी गांव का दौरा कर स्थानीय स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और क्षेत्र की विभिन्न चुनौतियों की जानकारी ली।

विभिन्न मुद्दों की समीक्षा

दौरे के दौरान अनधिकृत निर्माण, अवैध झोपड़ियों तथा संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों के निवास संबंधी मुद्दों की भी समीक्षा की गई। जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। बैठक और दौरे में उपविभागीय अधिकारी शेखर घाडगे, उपायुक्त अजित मुठे, सहायक आयुक्त संगीता घाडीगांवकर, नायब तहसीलदार राजाराम देवकाते, पुलिस निरीक्षक सौरभी पवार, विशाल वाळवी सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मामूली विवाद ने ली 22 वर्षीय युवक की जान

चाकू मारकर हत्या

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

शहर के पूर्व स्थित पेल्हार पुलिस थाना क्षेत्र में एक मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जिसमें 22 वर्षीय युवक की जान चली गई। यह सनसनीखेज घटना वनोठापाडा स्थित 22 एकड़ इलाके में सोमवार देर रात घटी। मृतक की पहचान नितेश मिश्रा उर्फ छोटू (22) के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार रात करीब 12 बजे किसी बात को लेकर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। इसी दौरान नितेश पर धारदार चाकू से हमला कर दिया गया। हमले में गंभीर रूप से घायल नितेश ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन कांबले अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और घटना के पीछे के कारणों की भी जांच की जा रही है। इस वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल है, जबकि स्थानीय नागरिकों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पुणे से शिर्डी एक्सप्रेस रवाना

• रेल मंत्री ने 600 करोड़ रुपए की रेलवे परियोजनाओं की रखी आधारशिला

• अमृत भारत एक्सप्रेस को भी दिखाई हरी झंडी, नई ट्रेन सेवा की शुरूआत

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को पुणे रेलवे स्टेशन से पुणे-साईनगर शिर्डी एक्सप्रेस की पहली यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पुणे यार्ड के पुनर्निर्माण और अन्य महत्वपूर्ण रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी गई।

600 करोड़ की परियोजनाएं

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पुणे की बढ़ती आबादी और यात्री संख्या को देखते हुए इसे मेगा टर्मिनल के रूप में विकसित किया जा रहा है। लगभग 600 करोड़ रुपए की लागत से पुणे स्टेशन पर छह नए प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे, जिससे कुल प्लेटफॉर्मों की संख्या 12 हो जाएगी। इसके अलावा नया प्रवेश द्वार, आलंदी टर्मिनल और घोरपड़ी में कोचिंग डिपो का निर्माण भी किया जाएगा। इन परियोजनाओं से 20 अतिरिक्त ट्रेनें शुरू करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

गणमान्य रहे मौजूद

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, विधान परिषद अध्यक्ष राम शिंदे, मंत्री चंद्रकांत पाटिल, विधान परिषद सदस्य विवेक कोल्हे सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया।

नई सेवाओं की घोषणा

वैष्णव ने बताया कि महाराष्ट्र के 132 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने पुणे-नासिक रेल मार्ग के निर्धारण, मुंबई-नांदेड़ नई रेल सेवा तथा राज्य में जल्द वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करने की घोषणा भी की।

अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी

बाद में हडपसर में आयोजित कार्यक्रम में रेल मंत्री ने पुणे-दानापुर अमृत भारत एक्सप्रेस का निरीक्षण किया और यात्रियों व स्कूली बच्चों से संवाद किया। इसके बाद विधायक चेतन तुपे तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में मध्य रेल के महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पानी चोरी का भंडाफोड़

भिवंडी में तीन सर्विस सेंटरों पर एफआईआर

मनपा को करीब तीन लाख रुपए की क्षति

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका ने जल चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए पद्मानगर क्षेत्र में तीन अवैध जल कनेक्शनों का पदार्फाश किया है। मामले में तीन लोगों के खिलाफ भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

निरीक्षण में खुलासा

जलापूर्ति विभाग की टीम ने मोटूमल कंपाउंड के सामने वहाळदेवी रोड स्थित क्षेत्र का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि महानगरपालिका की मुख्य जलवाहिनी में अवैध रूप से छेद कर ऑटो गैरेज और सर्विस सेंटरों तक पानी पहुंचाया जा रहा था। संबंधित प्रतिष्ठानों ने बिना अनुमति सीधे पाइपलाइन से जलापूर्ति की व्यवस्था कर रखी थी।

तीन लोगों पर मामला

मनपा के अनुसार सुरेश गलीपेल्ली द्वारा श्री बालाजी ऑटो गैरेज, भास्कर बिटला द्वारा ओम साई ऑटो पाट्र्स एंड सर्विस सेंटर तथा प्रकाश करी द्वारा जयेश सर्विस सेंटर के लिए अवैध कनेक्शन लिया गया था। सभी मामलों में आधा इंच व्यास के अवैध नल कनेक्शन पाए गए।

करीब तीन लाख का नुकसान

प्राथमिक जांच में अनुमान लगाया गया कि पिछले लगभग चार वर्षों से पानी की चोरी की जा रही थी। दंडात्मक शुल्क और अन्य प्रभारों सहित प्रत्येक मामले में करीब 99,400 रुपए की क्षति आंकी गई है। इस प्रकार मनपा को कुल लगभग 2.98 लाख रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ है।

जांच शुरू

भिवंडी शहर पुलिस ने एफआईआर क्रमांक 0415/2026 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मनपा प्रशासन ने चेतावनी दी है कि जल चोरी और अवैध कनेक्शनों के खिलाफ विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चोर ने नोजल खुला छोड़ दिया! सोते रहे कर्मचारी

300 लीटर पेट्रोल जमीन पर बहा

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

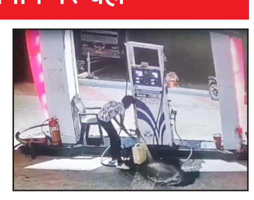

वाशिम जिले के केनवड गांव स्थित साईजी पेट्रोल पंप पर चोरी की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। देर रात एक अज्ञात युवक ने पेट्रोल पंप के कर्मचारियों के सोते समय पंप की मशीन खुद चालू कर पेट्रोल चोरी कर लिया। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, रात के समय पेट्रोल पंप के कर्मचारी आराम कर रहे थे। इसी दौरान एक युवक पंप पर पहुंचा और बिना किसी कर्मचारी की मदद के मशीन संचालित कर अपने कैन में पेट्रोल भर लिया। पेट्रोल भरने के बाद वह नोजल को बंद किए बिना वहां से फरार हो गया।

पेट्रोल पंप संचालक को भारी नुकसान

वीडियो में दिख रहा है कि आरोपी जाते समय पेट्रोल नोजल को सही तरीके से बंद नहीं कर पाया। इसके कारण करीब 200 से 300 लीटर पेट्रोल जमीन पर बह गया, जिससे पेट्रोल पंप संचालक को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। घटना का पता चलने के बाद पेट्रोल पंप प्रबंधन ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और शिरपुर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पेट्रोल चोरी का वीडियो वायरल

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि संदिग्ध पेट्रोल पंप पर आराम से घूम रहा था। उसने इसी सहजता का फायदा उठाकर पेट्रोल चोरी कर लिया और तुरंत मौके से फरार हो गया। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को देखकर लोग हैरान हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। क्षेत्र के कई अन्य सीसीटीवी कैमरों में भी उसकी तस्वीरें कैद हुई हैं। पुलिस की टीमें फुटेज और हुलिए के आधार पर चोर की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही हैं।

कल्याण में दहेज के लिए क्रूरता गर्भवती बहू को भूखा रखा जलाए हाथ

जुएं होने का बहाना बनाकर सिर मुंडवाया

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण के वालधुनी क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना का एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। आरोप है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर ससुराल वालों ने गर्भवती महिला को लंबे समय तक मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया तथा क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए उसका सिर जबरन मुंडवा दिया। पीड़िता को उपचार के लिए उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़िता अफसाना अंसारी उल्हासनगर की निवासी हैं। उनकी शादी नवंबर 2025 में वालधुनी निवासी समीर अंसारी से हुई थी। अफसाना के अनुसार, विवाह के समय ही उनके मायके वालों ने आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण दहेज देने में असमर्थता जताई थी। इसके बावजूद शादी के करीब एक महीने बाद से ही उन्हें दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। अफसाना ने आरोप लगाया कि गर्भवती होने के बावजूद उन्हें पर्याप्त भोजन नहीं दिया जाता था। घर में रखा खाना फ्रिज में बंद कर दिया जाता था ताकि वह भोजन न कर सकें। इसके अलावा उनके साथ मारपीट की जाती थी और उन्हें शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि खौलते गर्म पानी से उनके हाथ जलाए गए और घर खर्च के लिए भी पैसे नहीं दिए जाते थे।

मायका कमजोर, सहती रही यातनाएं

पीड़िता का कहना है कि मायके की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह लंबे समय तक यह अत्याचार सहती रहीं। 7 जून को ससुराल वालों ने सिर में जुएं होने का बहाना बनाकर उसका सिर जबरन मुंडवा दिया। इस घटना के बाद वह पूरी तरह टूट गईं और अत्याचार से तंग आकर घर से भागकर अपनी बहन के पास पहुंचीं। अफसाना ने अपने भाई नूर हसन अंसारी को पूरी घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले की शिकायत मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मुंबई पुलिस ने पीड़िता के पति समीर अंसारी, सास शहनाज अंसारी, ननद हीना अंसारी तथा सास की बड़ी बहन सहित चार लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच जारी है और आरोपों की सत्यता के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह घटना दहेज प्रताड़ना और महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा की गंभीर समस्या को एक बार फिर उजागर करती है।

होटल में देह व्यापार का भंडाफोड़

विदेशी युवती सहित तीन महिलाओं को हिरासत में लिया

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

शिवाजीनगर क्षेत्र के एक होटल में चल रहे कथित देह व्यापार के धंधे का अपराध शाखा ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस की अनैतिक मानव तस्करी प्रतिबंधक इकाई (एएचटीयू) ने छापेमारी कर एक विदेशी युवती समेत तीन महिलाओं को हिरासत में लिया। मामले में दो दलालों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

गुप्त सूचना पर कार्रवाई

पुलिस को सूचना मिली थी कि शिवाजीनगर एसटी बस स्टैंड परिसर स्थित एक होटल में देह व्यापार संचालित किया जा रहा है। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस ने एक फर्जी ग्राहक भेजकर जांच की। जानकारी सही पाए जाने के बाद पुलिस टीम ने होटल पर छापा मारकर एक युवती को हिरासत में लिया। प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि सेनापति बापट रोड स्थित एक अन्य होटल में दलालों द्वारा विदेशी युवती सहित दो महिलाओं को लाया गया है। इसके बाद पुलिस ने वहां भी छापेमारी की और विदेशी युवती सहित दो महिलाओं को हिरासत में ले लिया।

दलालों पर मामला दर्ज

इस मामले में संबंधित दलालों के खिलाफ शिवाजीनगर पुलिस थाने में अनैतिक मानव तस्करी (प्रतिबंध) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जारी है। यह कार्रवाई अपराध शाखा की अतिरिक्त पुलिस आयुक्त तेजस्वी सातपुते, पुलिस उपायुक्त गौहर हसन तथा सहायक पुलिस आयुक्त विजय कुंभार के मार्गदर्शन में की गई। अभियान में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कुंभार सहित एएचटीयू की टीम और महिला पुलिसकर्मियों ने भाग लिया।

शॉर्ट स्टोरी

बिड़ला कॉलेज का पोलैंड यूनिवर्सिटी से करार, छात्रों को मिलेगा अध्ययन का अवसर

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण ने पोलैंड की विस्तुला यूनिवर्सिटी के साथ शैक्षणिक सहयोग कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की। एक भव्य समारोह में दोनों संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के तहत दो अंतरराष्ट्रीय पोस्ट-ग्रेजुएट कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जिनमें फाइनेंस एवं अकाउंटिंग (एसीसीए इंटीग्रेटेड) तथा कंप्यूटर इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री शामिल है। योजना के अनुसार छात्र प्रथम वर्ष की पढ़ाई बी. के. बिड़ला महाविद्यालय में तथा द्वितीय वर्ष विस्तुला यूनिवर्सिटी, पोलैंड में पूरा करेंगे। सफल छात्रों को विस्तुला यूनिवर्सिटी की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त डिग्री प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में विस्तुला यूनिवर्सिटी के रेक्टर वावरज़िनिएक कोनार्स्की, डिप्टी रेक्टर दावुत हान असलन तथा इंटरनेशनल मार्केटिंग एवं रिक्रूटमेंट डायरेक्टर लियोनिद मार्कुसिक उपस्थित रहे। महाविद्यालय के अध्यक्ष ओ.आर. चितलांगे, उपाध्यक्ष सुबोध दवे, शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चंद्र और प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने इस सहयोग को छात्रों के लिए वैश्विक अवसरों का नया द्वार बताया। इस पहल से भारत और यूरोप के बीच शैक्षणिक संबंधों को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

नागरिकों को मिलेगा स्थिर विद्युत आपूर्ति

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

वसार गांव के शेलार चौक क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या से नागरिक परेशान थे। इस गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए महेश गायकवाड़ ने स्थानीय नागरिकों की मांग पर नई बिजली केबल प्रणाली का काम पूरा करने के लिए अथक प्रयास किया , जिसका आज महेश गायकवाड़ के हांथो उद्घाटन किया गया। गुरुनाथ भोईर के माध्यम से इस कार्य को अमल में लाया गया, जिससे अब क्षेत्र में बिजली कटौती की समस्या में काफी हद तक सुधार होने की उम्मीद है। नई केबल व्यवस्था के चलते नागरिकों को अधिक स्थिर और सुचारू बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। स्थानीय नागरिकों ने इस कार्य के लिए संबंधित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया है। साथ ही, नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए भविष्य में भी ऐसे विकास कार्यों को जारी रखने की अपेक्षा जताई गई है।

विद्यार्थियों को बुक वितरण

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

शिवसेना के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने कल्याण लोकसभा क्षेत्र के विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दस लाख कॉपियों के वितरण का संकल्प लिया है। इसी पहल के अंतर्गत शिवसेना के नगरसेवक नवीन गवली के कार्यालय में सैकड़ों विद्यार्थियों को कॉपियों का वितरण किया गया। इस अवसर पर केडीएमसी के प्रभाग क्रमांक 18 के जरूरतमंद परिवारों के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। नए शैक्षणिक वर्ष की पृष्ठभूमि में सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस उपक्रम से लोकसभा क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में शिवसेना के शहर प्रमुख एवं नगरसेवक निलेश शिंदे, नगरसेवक नवीन गवली, शाखा प्रमुख राजू उजगरे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।

भाजपा दक्षिण मध्य मुंबई जिला के सचिव बने जयप्रकाश अग्रवाल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दक्षिण मध्य मुंबई जिला के सचिव पद पर जयप्रकाश अग्रवाल को नियुक्त किया है। अग्रवाल की नियुक्ति भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आशीर्वाद के साथ-साथ मुंबई अध्यक्ष अमित साटम के मार्गदर्शन और दक्षिण मध्य मुंबई जिले के तेजतर्रार जिला अध्यक्ष नीरज उबारे के विश्वास और नेतृत्व में दक्षिण मध्य मुंबई जिला सचिव के रूप में की गई है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से श्रीनिवास शुक्ला, नगरसेवक बबलू पांचाल, महासचिव संदीप धाम, उपाध्यक्ष कौशिक कनाडिया और आनंद भंडारे उपस्थित थे। सचिव पद पर हुई अपनी नियुक्ति पर जयप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि मैं लगातार लोगों का विश्वास जीतने की कोशिश करूंगा। जो जिम्मेदारी मुझे मिली है, उससे मेरा विश्वास बहुत बढ़ गया है, मैं पार्टी के लिए दिन-रात हमेशा तैयार रहूंगा। कार्यकताओं के प्यार और नेताओं के आशीर्वाद के साथ, मैं दिल और दिमाग से संगठन को मजबूत करने का नया संकल्प लूंगा। पद सिर्फ.सम्मान नहीं है, यह सेवा का एक तरीका है। मैं ज़िंदगी भर भारतीय जनता पार्टी के विचारों का समर्थन करूंगा।

एसआईआर प्रक्रिया पर कांग्रेस का ज्ञापन

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं को आ रही समस्याओं के समाधान और किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित न किए जाने की मांग को लेकर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष रानीताई अग्रवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भिवंडी तहसील कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। तहसीलदार की अनुपस्थिति में नायब तहसीलदार आदेश म्हात्रे ने ज्ञापन स्वीकार कर संबंधित मांगों को शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। ज्ञापन में कहा गया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान अनेक नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज जमा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से वर्ष 2002 और उससे पूर्व से मतदान कर रहे कई मतदाताओं के नाम पुरानी मतदाता सूचियों में उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। रानीताई अग्रवाल ने कहा कि मतदान प्रत्येक नागरिक का मूल लोकतांत्रिक अधिकार है और किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से गलत तरीके से नहीं हटाया जाना चाहिए। उन्होंने मतदाता सत्यापन प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया। प्रतिनिधिमंडल ने बीएलओ के नियमित क्षेत्रीय दौरे, गांव-वार्ड स्तर पर सहायता केंद्र, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों एवं महिलाओं के लिए विशेष सुविधाएं तथा शिकायतों के त्वरित निवारण हेतु नियंत्रण कक्ष स्थापित करने की मांग की। साथ ही 2002 से पूर्व की मतदाता सूचियां उपलब्ध कराने और व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी बताई।

देवताओं के वेश में मनसे का अनोखा प्रदर्शन

हिंदमाता संवाददाता @ भायंदर

मीरा-भायंदर में लगातार गहराते जल संकट के विरोध में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय पर अनोखा प्रदर्शन किया। मनसे कार्यकर्ता विभिन्न देवी-देवताओं के वेश में नगर निगम आयुक्त से मिलने पहुंचे और शहर में नियमित एवं पर्याप्त जलापूर्ति की मांग की। मनसे के शहर अध्यक्ष संदीप राणे के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर कहा कि शहर के कई हिस्सों में पानी की गंभीर कमी से नागरिक परेशान हैं, जबकि इस मुद्दे पर पहले भी कई बार आंदोलन और निवेदन किए जा चुके हैं। संदीप राणे ने कहा कि पानी नागरिकों का बुनियादी अधिकार है, लेकिन प्रशासन इस गंभीर समस्या की अनदेखी कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ठोस और स्थायी समाधान नहीं निकाला गया तो मनसे और तीव्र आंदोलन शुरू करेगी। इस अनोखे प्रदर्शन की पूरे शहर में चर्चा रही।

हिंदमाता एंकर: सड़कों की मरम्मत और क्लस्टर पुनर्विकास के निर्देश, गड्ढों को तत्काल भरा जाए

मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर एकनाथ शिंदे सख्त

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने निर्देश दिया है कि मानसून को देखते हुए। ठाणे जिले में सड़क का काम तेजी से पूरा किया जाए। इस बैठक में शिंदे ने निर्देश दिया कि ठाणे जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सार्वजनिक निर्माण विभाग, एमएसआरडीसी और एमएमआरडीए को समन्वय बनाकर इन कार्यों में तेजी लानी चाहिए। यह भी कहा कि सड़कों पर बने। गड्ढों को तत्काल भरा जाए, निमार्णाधीन सड़कों को बरसात से पहले अच्छी स्थिति में लाया जाए, जिले में खतरनाक पुलों का स्ट्रक्चरल ऑडिट तुरंत कराया जाए। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री ने सभी मनपाओं को क्लस्टर के पुनर्विकास को प्राथमिकता देने की बात कही है। बैठक में पिछले साल ठाणे जिले के मुरबाड और मुंब्रा में हुए भूस्खलन हादसों के मद्देनजर घाट में चल रहे सुरक्षा कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान शिंदे ने निर्देश दिए कि इन दोनों जगहों पर 70 फीसदी काम पूरा हो चुका है और इसे जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी एजेंसियों को एक-दूसरे के साथ समन्वय में काम करना चाहिए और सतर्क रहना चाहिए ताकि इस वर्ष के मानसून के दौरान कोई जनहानि न हो।

सभी मनपा क्लस्टर सेल बना कर बढ़ाएं रफ्तार

इस बैठक में मुख्य रूप से ठाणे जिले में खतरनाक इमारतों के मुद्दे पर चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सुझाव दिया कि हर साल उन्हीं इमारतों को खतरनाक घोषित करने की बजाय उनकी मरम्मत की जानी चाहिए। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने संबंधित नगर पालिकाओं के आयुक्तों को क्लस्टर योजना के माध्यम से भिवंडी, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर, मुंब्रा क्षेत्र में खतरनाक इमारतों के पुनर्विकास के लिए ठाणे नगर पालिका की तर्ज पर एक क्लस्टर सैल स्थापित करके इन परियोजनाओं को गति देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, तभी खतरनाक इमारतों में रहने वाले लोगों को स्थायी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा इस साल मानसून लंबा खिंचने के कारण नालों की सफाई के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है और इसलिए नालों की बाकी सफाई भी जल्द पूरी की जानी चाहिए, उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे सीमा के अंदर नालों की तेजी से सफाई कराई जाए और उनके निरीक्षण के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए।

बैठक में शामिल हुए सांसद, डीएम, डीसीएम एवं अन्य

ठाणे जिले में मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा के लिए आज मुंबई में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सांसद सुरेश म्हात्रे, विधायक किसन कथोरे, विधायक रविंद्र फाटक, ठाणे के कलेक्टर श्रीकृष्ण पांचाल, डिप्टी कलेक्टर संदीप माने, उपमुख्यमंत्री कार्यालय के अतिरिक्त मुख्य सचिव नवीन सोना, ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव और ठाणे जिले के सभी मनपा के आयुक्त, महापौर, पुलिस आयुक्त और अन्य प्रशासनिक अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

होर्डिंग्स संरचना का हो ऑडिट

जिले में होर्डिंग्स को गिरने से रोकने के लिए उनका संरचनात्मक ऑडिट किया जाना चाहिए, पेड़ों की छंटाई की जानी चाहिए। आपातकालीन स्थिति में रेल सेवा बंद होने पर यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने का सुझाव दिया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निचले इलाकों में पानी निकालने के लिए लगाए गए पंप काम कर रहे हैं या नहीं, बरसात के मौसम से पहले महामारी जैसी बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए सावधानी बरतें, शहरी और ग्रामीण अस्पतालों में दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखें। जिससे लोगों को परेशानी न हो।

मानसून सत्र से पहले बड़ा फेरबदल

12 आईएएस अधिकारियों का तबादला

मानसून सत्र से पहले महाराष्ट्र सरकार ने कई महत्वपूर्ण विभागों में प्रशासनिक फेरबदल किया

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र में 22 जून से शुरू होने वाले राज्य विधानसभा के मानसून सत्र से पहले मंगलवार को सरकार ने 12 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है। जिन अधिकारियों का तबदला किया गया है, उसमें कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शामिल हैं। 1997 बैच के आईएएस अधिकारी विजय सिंघल (उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, मुंबई) को धारावी पुनर्विकास परियोजना, मुंबई में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

प्राजक्ता वर्मा की नियुक्ति

2001 बैच की आईएएस अधिकारी प्राजक्ता वर्मा को अतिरिक्त नगर आयुक्त, बृहन्मुंबई महानगरपालिका, मुंबई के पद पर नियुक्त किया गया है।

पी. वेलरासु को नई जिम्मेदारी

2002 बैच की आईएएस अधिकारी पी. वेलरासु को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम मुंबई से सचिव (वन), राजस्व एवं वन विभाग, मंत्रालय, मुंबई के पद पर भेजा गया है।

अश्विनी जोशी एमएमआरडीए में

अश्विनी जोशी (आईएएस 2006) को मुंबई में मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण, अतिरिक्त महानगर आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया है। वह अभी तक अतिरिक्त नगर आयुक्त, बीएमसी के तौर पर कार्यरत थे।

कुशवाह बने एमआईडीसी प्रमुख

दीपेंद्र सिंह कुशवाह (आईएएस 2006), विकास आयुक्त (उद्योग), उद्योग निदेशालय, मुंबई को महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम, मुंबई का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया गया है।

सिडको की कमान अश्विन मुद्गल को

अश्विन मुद्गल (आईएएस 2007), अतिरिक्त महानगर आयुक्त, एमएमआरडीए, मुंबई को सिडको, मुंबई का उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है।

कादंबरी बलकवाड़े का तबादला

कादंबरी बलकवाड़े (आईएएस 2010), आयुक्त (परिवार कल्याण) एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक, मुंबई को विकास आयुक्त (उद्योग), उद्योग निदेशालय, मुंबई भेजा गया है।

संजय कटकर को स्वास्थ्य विभाग

संजय कटकर (आईएएस 2014), प्रबंध निदेशक, महाराष्ट्र सूचना प्रौद्योगिकी निगम, मुंबई को आयुक्त (परिवार कल्याण) एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशक बनाया गया है।

गोंदिया जिला परिषद में नियुक्ति

जेनिथ चंद्रा दोन्थुला (आईएएस 2022), परियोजना अधिकारी, एकीकृत जनजातीय विकास कार्यक्रम, किनवट और सहायक कलेक्टर, किनवट उपखंड, नांदेड़ को जिला परिषद, गोंदिया का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

अकोला जिला परिषद की जिम्मेदारी

अनय नवंदर (आईएएस 2022), परियोजना अधिकारी, आईटीडीपी, तलोदा और सहायक कलेक्टर, तलोदा उपखंड, नंदुरबार को जिला परिषद, अकोला का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया गया है।

बी. सरवनन को नई पोस्टिंग

बी. सरवनन (आईएएस 2023), सहायक कलेक्टर, भोकरदन उपखंड, जालना को आईटीडीपी किनवट के परियोजना अधिकारी और सहायक कलेक्टर, किनवट उपखंड, नांदेड़ के पद पर भेजा गया है।

लगिमा तिवारी को नई जिम्मेदारी

लगिमा तिवारी (आईएएस 2023), सहायक कलेक्टर, गोंदपिपरी उपखंड, चंद्रपुर को आईटीडीपी तलोदा की परियोजना अधिकारी और सहायक कलेक्टर, तलोदा उपखंड, नंदुरबार नियुक्त किया गया है।

साहब, गद्दारी मत करो

● दिल्ली पहुंचे ओमराजे निंबालकर की फेसबुक पोस्ट पर शिवसैनिकों के कमेंट्स की बारिश

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में 'ऑपरेशन टाइगर' की आंधी के बीच शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) का एक और मजबूत किला ढहने के कगार पर पहुंच गया है। उद्धव ठाकरे के सबसे कट्टर और वफादार सिपहसालारों में शुमार धाराशिव के सांसद ओमराजे निंबालकर आखिरकार मंगलवार तड़के 1 बजे विशेष विमान से दिल्ली पहुंच गए हैं। ओमराजे की इस गुप्त दिल्ली यात्रा की खबर फैलते ही महाराष्ट्र के शिवसैनिकों और कार्यकर्ताओं में भारी बेचैनी और हलचल पैदा हो गई है। इसी बीच, सांसद ओमराजे निंबालकर द्वारा अपने फेसबुक अकाउंट पर साझा किए गए एक ताजा वीडियो पर शिवसैनिकों के भावुक और तीखे कमेंट्स की बाढ़ आ गई है, जिसमें लोग उनसे पार्टी न छोड़ने की गुहार लगा रहे हैं।

साहब, वफादारी बेचनी नहीं चाहिए

पार्टी में संभावित बगावत और दिल्ली पहुंचने की खबरों के बीच ओमराजे निंबालकर ने आज सुबह अपने फेसबुक पेज पर एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो के सामने आते ही कमेंट बॉक्स में शिवसैनिकों का दर्द और आक्रोश साफ देखने को मिला। उद्धव ठाकरे के प्रति निष्ठा रखने वाले कार्यकर्ताओं ने कमेंट करते हुए लिखा, 'साहब, कुछ भी हो जाए लेकिन गद्दारी मत करो।' वहीं कई अन्य समर्थकों ने बेहद भावुक लहजे में लिखा कि 'वफादारी हमेशा कायम रहनी चाहिए, इसे चंद फायदों के लिए बेचा नहीं जाना चाहिए। हमें उम्मीद है कि आप उद्धव साहब को धोखा नहीं देंगे।' हालांकि, इन हजारों कमेंट्स पर खुद ओमराजे ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पवन राजे केस की तारीख टलने के बाद अचानक बदले हालात

दरअसल, ओमराजे निंबालकर चर्चित पवन राजे हत्याकांड के अदालती फैसले के सिलसिले में मुंबई आए थे। लेकिन अदालत द्वारा फैसले की तारीख आगे बढ़ाए जाने के बाद वे तुरंत पुणे लौट गए। जैसे ही मीडिया में 'ऑपरेशन टाइगर' और सांसदों की बगावत की चर्चाएं तेज हुईं, ओमराजे निंबालकर समेत कई संदिग्ध सांसदों ने अचानक अपने मोबाइल फोन बंद कर लिए थे, जिससे उनके ठिकाने को लेकर सस्पेंस गहरा गया था। कल दिन भर भूमिगत रहने के बाद अचानक देर रात उनके दिल्ली पहुंचने की पुख्ता जानकारी सामने आई।

सांसद श्रीकांत शिंदे के नाम पर बुक थे दो विशेष विमान

सूत्रों से मिली बेहद सनसनीखेज और पुख्ता जानकारी के अनुसार, ओमराजे निंबालकर को पुणे से दिल्ली ले जाने की पूरी योजना को बेहद गुप्त रखा गया था। पुणे हवाई अड्डे पर सांसदों को ले जाने के लिए एकनाथ शिंदे के बेटे और सांसद श्रीकांत शिंदे के नाम पर दो निजी चार्टर्ड विमान तैयार रखे गए थे। गोपनीयता बनाए रखने के लिए कल दिन भर में इन विमानों के उड़ान भरने के समय (फ्लाइट टाइमिंग) में तीन से चार बार बदलाव किया गया। आखिरकार रात के सन्नाटे में इस विशेष विमान ने उड़ान भरी, जिसमें ओमराजे निंबालकर के साथ महायुति के कद्दावर नेता व पूर्व मंत्री तानाजी सावंत और जय राजे निंबालकर भी दिल्ली के लिए रवाना हुए, जो इस बात का साफ संकेत है कि उद्धव सेना में अब एक बहुत बड़ी टूट तय हो चुकी है।

स्थायी पद है खाली फिर भी बीएमसी ने निकाली कॉन्ट्रैक्ट भर्ती

कितनी मिलेगी सैलरी और कब तक कर सकेंगे आवेदन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई मनपा के राजावाड़ी अस्पताल में विभिन्न पदों पर ठेका भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अस्पताल में फार्मासिस्ट, ब्लड बैंक तकनीशियन, जूनियर लाइब्रेरियन और स्टाफ नर्स के कुल चार पद संविदा आधार पर भरे जाएंगे। चयनित उम्मीदवारों को 20-30 हजार रुपए तक मासिक मानदेय दिया जाएगा। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार 18 जून तक आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, स्थायी पदों के रिक्त रहने के बीच मनपा द्वारा ठेका भर्ती का सहारा लिए जाने से भर्ती नीति को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े होने लगे हैं। बीएमसी के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले राजावाड़ी अस्पताल में विभिन्न पदों पर कॉन्ट्रैक्ट आधार पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। अस्पताल प्रशासन ने फार्मासिस्ट, ब्लड बैंक तकनीशियन, कनिष्ठ ग्रंथपाल और स्टाफ नर्स के कुल पांच रिक्त पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार 18 जून तक आवेदन कर सकते हैं। मनपा प्रशासन की ओर से जारी विज्ञापन के अनुसार ये नियुक्तियां 31 मार्च 2027 तक अस्थायी रूप से संविदा आधार पर की जाएंगी। चयनित उम्मीदवारों को पद के अनुसार 20 हजार से लेकर 30 हजार रुपए तक मासिक मानदेय दिया जाएगा। आवेदन प्रक्रिया 8 जून से शुरू हो चुकी है और आवेदन पत्रों की बिक्री तथा जमा करने की अंतिम तिथि 18 जून निर्धारित की गई है। आवेदन राजावाड़ी अस्पताल, घाटकोपर स्थित प्रशासनिक अधिकारी कार्यालय में स्वीकार किए जा रहे हैं। भर्ती के तहत एक फार्मासिस्ट, दो ब्लड बैंक तकनीशियन, एक कनिष्ठ ग्रंथपाल तथा एक स्टाफ नर्स के पद भरे जाएंगे। फार्मासिस्ट और ब्लड बैंक तकनीशियन को 20 हजार रुपए, कनिष्ठ ग्रंथपाल को 25 हजार रुपए और स्टाफ नर्स को 30 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा।

यह होनी चाहिए योग्यता

उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष और अधिकतम 38 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट दी गई है, जिसके तहत वे 43 वर्ष तक आवेदन कर सकते हैं। फार्मासिस्ट पद के लिए फार्मेसी में डिप्लोमा अथवा डिग्री के साथ महाराष्ट्र राज्य फार्मेसी परिषद में पंजीकरण अनिवार्य रखा गया है। साथ ही अभ्यर्थियों के पास एमएस-सीआईटी या समकक्ष कंप्यूटर योग्यता प्रमाणपत्र होना भी आवश्यक है।

मनपा ठेका व्यवस्था को दे रही बढ़ावा

हालांकि, मुंबई मनपा के अस्पतालों में बड़ी संख्या में स्थायी पद रिक्त होने के बावजूद संविदा भर्ती का सहारा लिए जाने से भर्ती नीति को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं में लंबे समय से रिक्त पड़े पदों पर नियमित भर्ती की जानी चाहिए, जबकि मनपा लगातार ठेका व्यवस्था को बढ़ावा दे रही है।

ये ऑपरेशन टाइगर नहीं, ऑपरेशन ट्रेटर है

बागी सांसदों की अटकलों पर भड़कीं प्रियंका चतुर्वेदी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की सियासत में इस समय ऑपरेशन टाइगर को लेकर दावों और प्रतिदावों का दौर जारी है। उद्धव ठाकरे गुट के भीतर मची इस हलचल ने दिल्ली से लेकर मुंबई तक सियासी पारा चढ़ा दिया है। जहां एक ओर सांसद राजाभाऊ वाजे की आंखों से छलकते आंसुओं ने शिवसैनिकों को भावुक कर दिया और संजय राऊत ने भाजपा को पार्टी तोड़ने का नशा होने की बात कही, वहीं अब शिवसेना की फायरब्रांड नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने इस पूरे मामले पर बेहद आक्रामक रुख अख्तियार किया है। उन्होंने इस तथाकथित ऑपरेशन को टाइगर का नाम दिए जाने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे ऑपरेशन ट्रेटर करार दिया है।

तथ्यों के बिना बुनी जा रही कहानियां

मुंबई में मीडिया से बात करते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया जिनमें छह सांसदों के टूटने की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा कि अब तक पार्टी के किसी भी सांसद ने सामने आकर यह नहीं कहा है कि वे दूसरी पार्टी में शामिल होना चाहते हैं। यह तथाकथित ऑपरेशन टाइगर, जिसे मैं टाइगर नहीं बल्कि ट्रेटर कहूंगी, बिना किसी तथ्यात्मक आधार के चर्चा में बना हुआ है। उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि जिन सांसदों के नाम लिए जा रहे हैं, उनमें से किसी ने भी ऐसा कोई बयान नहीं दिया है।

मीडिया की रिपोर्टिंग पर उठाए सवाल

प्रियंका चतुर्वेदी ने मीडिया में चल रही खबरों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक सांसद दिल्ली में किसी से मुलाकात कर रहे हैं, जबकि हकीकत में वह सांसद उस वक्त मुंबई में ही मौजूद थे। प्रियंका ने कहा, जब इन खबरों में कोई सच्चाई या तथ्यात्मक आधार ही नहीं है, तो मैं इस पर क्या टिप्पणी कर सकती हूं? मुझे आश्चर्य है कि इस तरह की कहानियां गढ़ी जा रही हैं।

मुंबई लोकल में हादसों का सिलसिला जारी

पांच माह में 706 लोगों की मौत

रोजाना औसतन चार से अधिक यात्रियों की जा रही जान, सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की उपनगरीय रेल सेवा लाखों यात्रियों की जीवनरेखा मानी जाती है, लेकिन रेल हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रेलवे प्रशासन द्वारा दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समय-समय पर कई उपायों की घोषणा की जाती है, लेकिन उनका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं दे रहा है। जनवरी से मई 2026 के बीच केवल पांच महीनों में विभिन्न रेल दुर्घटनाओं में 706 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 575 लोग घायल हुए हैं। इन आंकड़ों ने एक बार फिर मुंबई की लोकल ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रोज चार से अधिक मौतें

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मुंबई उपनगरीय रेल नेटवर्क पर हर दिन औसतन चार से अधिक यात्रियों की जान जा रही है। अधिकांश हादसे रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान या फिर चलती लोकल ट्रेन से गिरने की वजह से हुए हैं। लगातार बढ़ती दुर्घटनाएं यह संकेत देती हैं कि सुरक्षा संबंधी उपाय अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहे हैं।

विलंब से बढ़ रही भीड़

मुंबई की लोकल ट्रेनें अक्सर निर्धारित समय से देरी से चलती हैं। ट्रेन लेट होने पर रेलवे प्रशासन यात्रियों से खेद व्यक्त कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है, लेकिन सेवा को समयबद्ध बनाए रखने में अब तक सफलता नहीं मिल सकी है। लोकल ट्रेनों के अनियमित संचालन के कारण एक ही ट्रेन में दो से तीन ट्रेनों के बराबर भीड़ जमा हो जाती है। इसी अत्यधिक भीड़ के कारण यात्रियों के ट्रेन से गिरने की घटनाएं बढ़ रही हैं और कई बार ये हादसे जानलेवा साबित होते हैं।

शॉर्टकट बना जानलेवा

समय बचाने की कोशिश में बड़ी संख्या में यात्री रेलवे ट्रैक पार करने के लिए शॉर्टकट का सहारा लेते हैं। रेलवे प्रशासन लगातार जागरूकता अभियान चलाने और सुरक्षा उपाय लागू करने का दावा करता है, लेकिन इसके बावजूद ट्रैक पार करते समय दुर्घटनाएं लगातार हो रही हैं। इससे न केवल यात्रियों की जान जा रही है, बल्कि कई लोग गंभीर रूप से घायल भी हो रहे हैं।

ट्रैक पार करते समय सबसे ज्यादा हादसे

जनवरी से मई 2026 के बीच रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं में सबसे अधिक जानमाल का नुकसान हुआ है। इस अवधि में कुल 448 लोगों की मौत हुई, जिनमें 411 पुरुष और 37 महिलाएं शामिल हैं। वहीं 90 लोग घायल हुए, जिनमें 83 पुरुष और 7 महिलाएं हैं। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि रेलवे नियमों की अनदेखी और ट्रैक पार करने की बढ़ती प्रवृत्ति गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है।

प्रभावी कदमों की जरूरत

विशेषज्ञों का मानना है कि केवल घोषणाओं और अभियानों से समस्या का समाधान नहीं होगा। ट्रेनों की समयबद्धता सुनिश्चित करने, भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त सेवाएं चलाने, ट्रैक पार करने पर सख्त रोक लगाने तथा सुरक्षा अवसंरचना को मजबूत करने की आवश्यकता है। जब तक इन उपायों को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जाता, तब तक मुंबई लोकल में हादसों का यह सिलसिला थमना मुश्किल नजर आता है।

फ्यूल टैंकरों की सील तोड़कर निकाला जा रहा था पेट्रोल-डीजल और एटीएफ

वडाला में करोड़ों की ईंधन चोरी का पदार्फाश

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

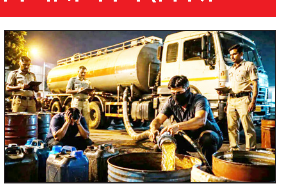

मुंबई के वडाला इलाके में सरकारी विजिलेंस स्क्वाड ने एक बड़े ईंधन चोरी रैकेट का पर्दाफाश किया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने टैंकरों से अवैध रूप से पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल निकालते हुए एक आरोपी को दबोचा। इस दौरान करोड़ों रुपए मूल्य का ईंधन और वाहन जब्त किए गए हैं।

1.31 करोड़ का सामान जब्त

खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग के विजिलेंस स्क्वाड ने मुंबई के वडाला में छापा मारकर पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल की चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया। इस ऑपरेशन के दौरान लगभग 1.31 करोड़ का सामान जब्त किया गया। एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है और संबंधित पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

फ्यूल टैंकरों की सील तोड़कर निकाला जा रहा था ईंधन

खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग राशनिंग कंट्रोलर चंद्रकांत डांगे के निर्देशन में विजिलेंस स्क्वाड ने 16 जून 2026 को वडाला इलाके में छापा मारा। ऑपरेशन के दौरान पता चला कि दो फ्यूल टैंकरों की सील तोड़कर प्लास्टिक के डिब्बों में ईंधन निकाला जा रहा था।

लाखों लीटर पेट्रोल, डीजल और एटीएफ जब्त

जांच टीम ने जब मौके पर खड़े दोनों टैंकरों (एमएच-04 केयू-1826 और एमएच-04 एलवाई-6388) की तलाशी के दौरान उसमें भारी मात्रा में ईंधन पाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, एक टैंकर से 10,000 लीटर पेट्रोल और 14,000 लीटर डीजल बरामद हुआ। वहीं, दूसरे टैंकर से हवाई जहाजों में इस्तेमाल होने वाला 29,000 लीटर कीमती एविएशन टर्बाइन फ्यूल जब्त किया गया। जब्त किए गए इस कुल ईंधन, दोनों टैंकरों और अन्य चोरी के उपकरणों की कुल बाजार कीमत लगभग 1.31 करोड़ रुपए आंकी गई है।

मुंबई में अवैध स्कूलों पर बीएमसी का मेगा ऑपरेशन

36 फर्जी स्कूलों पर एफआईआर, 129 अन्य भी रडार पर

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

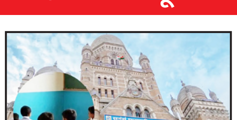

मुंबई में मासूम बच्चों के भविष्य और अभिभावकों की गाढ़ी कमाई से खिलवाड़ करने वाले, 'शिक्षा माफिया' के खिलाफ बीएमसी ने अब तक की सबसे बड़ी और निर्णायक जंग छेड़ दी है। शहर में फैले 164 अवैध स्कूलों के मकड़जाल को पूरी तरह खत्म करने के लिए, बीएमसी के शिक्षा विभाग ने एक 'मेगा ऑपरेशन' शुरू किया है। इस ताबड़तोड़ कार्रवाई की पहली और सबसे जोरदार गाज शिवाजी नगर इलाके पर गिरी है। जहां बिना किसी सरकारी मंजूरी के 'दुकान' की तरह चलाए जा रहे 36 प्राथमिक स्कूलों के प्रबंधकों, प्राचार्यों और सचिवों के खिलाफ सीधे पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है। बीएमसी के इस कड़े रुख से अवैध स्कूल संचालकों में हड़कंप मच गया है।

स्कूल का नाम

वी. के. इंग्लिश स्कूल, जौहर आइडियल इंग्लिश स्कूल, अंजुमन बहरुल उलूम उर्दू प्राइमरी स्कूल, रीगल इंग्लिश प्राइमरी स्कूल, सिटीजन इंग्लिश प्राइमरी स्कूल, होली अली इंग्लिश स्कूल, अल अमन इंग्लिश प्राइमरी स्कूल, श्री शिवाजीराव साल्वे विद्यालय, नोवेल इंग्लिश प्राइमरी स्कूल, स्प्रिंग फील्ड इंग्लिश स्कूल, प्रजासत्ताक विद्यालय इंग्लिश स्कूल, मोमिना फाउंडेशन ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल, सेंट मैरी प्राइमरी स्कूल, रॉयल प्राइमरी इंग्लिश स्कूल, पर्ल्स इंग्लिश स्कूल, एस. एन. पी. लिटिल स्टार प्राइमरी स्कूल, प्रिंस अली इंग्लिश स्कूल, अल रहमान इंग्लिश स्कूल, कसमिया उर्दू प्राइमरी स्कूल, अल मिस्बाह इंग्लिश स्कूल, भारत नगर उर्दू प्राइमरी स्कूल, अल जैद इंग्लिश स्कूल, अल मेहदी उर्दू प्राइमरी स्कूल, सिल्वर क्वीन इंग्लिश प्राइमरी स्कूल, ब्लू एंजल्स इंग्लिश स्कूल, संजारी इंग्लिश स्कूल, अंजुमन फलाह उल इस्लाम उर्दू प्राइमरी स्कूल, ब्लॉसम इंग्लिश स्कूल, अंजुमन तक्वियातुल इमान उर्दू प्राइमरी स्कूल, गोल्ड फील्ड इंग्लिश स्कूल, अंजुमन इकरा उर्दू प्राइमरी स्कूल, श्री शिवाजीराव साल्वे प्राइमरी स्कूल, महात्मा गांधी स्कूल, हुदा इंग्लिश स्कूल, सना उर्दू प्राइमरी स्कूल

सतर्क रहें, जागरूक बनें

भारत सरकार द्वारा जारी यह 11 अंकों का यूनिक कोड ही किसी स्कूल के असली होने की गारंटी है। बिना यूडीआईएसई कोड वाले फर्जी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को आगे चलकर बोर्ड परीक्षा, सरकारी स्कॉलरशिप और ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) मिलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए सतर्क रहे, जागरूक बनें और केवल मान्यता प्राप्त स्कूल ही चुनें।

अवैध स्कूलों पर लगेगा ताला

यह कार्रवाई अचानक नहीं हुई है। बीएमसी ने इन तथाकथित शिक्षा ठेकेदारों को सुधरने और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने का पूरा मौका दिया था। विभाग द्वारा इन्हें लगातार दो कड़े नोटिस जारी कर साफ चेतावनी दी गई थी कि, या तो 7 दिनों के भीतर आधिकारिक मान्यता पत्र पेश करें, या फिर स्कूल पर ताला लगा दें। शेष 129 स्कूलों पर भी दर्ज किया जाएगा मामला लेकिन भारी मुनाफे के लालच में अंधे हो चुके इन संचालकों ने कानून को ताक पर रखकर न तो कोई जवाब दिया और न ही दस्तावेज दिखाए। मासूम बच्चों के भविष्य को दाँव पर लगाकर ये फर्जी संस्थान चोरी-छिपे चलते रहे।

बीएमसी ने सभी 36 स्कूलों की ब्लैक लिस्ट और सबूत पुलिस को सौंप दिए हैं। जिसके बाद पुलिस इन जालसाजों के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी कर जल्द ही गिरफ्तारियां शुरू करने वाली है। बीएमसी ने साफ कर दिया है कि यह तो सिर्फ शुरूआत है, शिवाजी नगर के बाद, सूची में शामिल बाकी बचे 129 अवैध स्कूलों पर भी अगले कुछ दिनों में इसी तरह का कड़ा एक्शन लिया जाएगा।

इस बड़े संकट के बीच बीएमसी के शिक्षा विभाग ने अभिभावकों के लिए एक बेहद जरूरी 'पेरेंट्स अलर्ट' और गाइडलाइन जारी की है। विभाग ने अपील की है कि अपने बच्चे का एडमिशन कराने से पहले स्कूल की वैधता की जांच जरूर करें। इसका सबसे बड़ा और अचूक प्रमाण है स्कूल का यूडीआईएसई (यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इनफार्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन) कोड

मिसिंग लिंक पर श्रृंखलाबद्ध हादसा

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर तीन वाहन आपस में टकराए

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई-पुणे द्रुतगति मार्ग के बोरघाट क्षेत्र स्थित नव शुरू किए गए 'मिसिंग लिंक' मार्ग पर मंगलवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार, एक फॉर्च्युनर चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने के कारण पीछे आ रहे वाहनों का संतुलन बिगड़ गया और तीन वाहन आपस में टकरा गए। इस श्रृंखलाबद्ध दुर्घटना में कई वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा।

वाहनों को भारी क्षति

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कुछ वाहनों का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलते ही हाईवे पुलिस, आपातकालीन बचाव दल और एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गईं। घायलों को तत्काल चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई।

हिंदमाता एंकर: ऑपरेशन टाइगर: शिवसेना यूबीटी 6 सांसदों के बाद 16 विधायकों पर शिंदे गुट की नजर

अभी तो बस शुरुआत है, पिक्चर अभी बाकी है

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

एकनाथ शिंदे की शिवसेना द्वारा लोकसभा में किए गए 'ऑपरेशन टाइगर' ने महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल ला दिया है। ठाकरे गुट के 6 सांसदों के अलग होकर अपना स्वतंत्र गुट बनाने और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा इसे मान्यता दिए जाने के बाद, अब सियासत का केंद्र 'विधायकों' की ओर शिफ्ट हो गया है। शिंदे खेमे ने दावा किया है कि न केवल सांसद, बल्कि उद्धव गुट के 16 विधायक भी अब उनके सीधे संपर्क में हैं, जिससे उद्धव ठाकरे के सामने अपने अस्तित्व को बचाने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। ऑपरेशन टाइगर को लेकर कहा जा रहा है कि पिक्चर अभी बाकी है, सांसदों के बाद विधायकों और मुंबई के पार्षदों को भी शिंदे गुट अपने पाले में करने की फिराक में है। ऐसे में ये कहना गलत नहीं होगा कि ठाकरे गुट की शिवसेना का अस्तित्व ही खतरे में पड़ता दिख रहा है।

19 जून को शिंदे सेना में होगा विलय

बुधवार को एक बड़ा राजनीतिक उलटफेर हुआ जब ठाकरे गुट के 6 बागी सांसदों, संजय जाधव, संजय देशमुख, नागेश पाटिल अष्टिकर, ओमराजे निंबालकर, भाऊसाहेब वकचौरे और संजय दीना पाटिल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। स्पीकर ने इनके द्वारा बनाए गए स्वतंत्र समूह को मान्यता दे दी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ये सभी सांसद 19 जून को मुंबई में होने वाले शिवसेना (शिंदे गुट) के स्थापना दिवस समारोह के दौरान औपचारिक रूप से एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में पार्टी में विलय करेंगे।

नरेश म्हस्के की खुली चेतावनी

सांसदों के इस बड़े दलबदल के बाद शिंदे गुट के आक्रामक तेवर और तेज हो गए हैं। शिंदे खेमे के वरिष्ठ नेता नरेश म्हस्के ने उद्धव ठाकरे को खुली चुनौती देते हुए कहा, 'अभी तो बस शुरुआत है, पिक्चर अभी बाकी है। आप देख लें कि मुंबई में आपके साथ कितने पार्षद बचे हैं, क्या वे आपके साथ रहते हैं या नहीं।' यह बयान सीधे तौर पर उन पार्षदों को निशाना बना रहा है जो अभी भी ठाकरे खेमे के प्रति वफादार हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि शिंदे गुट मुंबई नगर निगम (BMC) के पार्षदों में सेंध लगाने में सफल होता है, तो उद्धव ठाकरे की राजनीतिक ताकत का मुख्य आधार पूरी तरह खत्म हो जाएगा।

ठाकरे गुट के उन 20 विधायकों की सूची, जिन पर टिकी हैं सबकी निगाहें

फिलहाल राजनीतिक गलियारों में चर्चा इस बात की है कि शिंदे गुट के दावे के मुताबिक वे कौन से 16 विधायक हैं जो 'संपर्क' में हैं। ठाकरे गुट के पास वर्तमान में जो प्रमुख विधायक बचे हैं, उनमें आदित्य ठाकरे (वर्ली), सुनील प्रभु (दिंडोशी), भास्कर जाधव (गुहागर) और वरुण सरदेसाई (बांद्रा पूर्व) जैसे नाम शामिल हैं। इन विधायकों की सूची इस प्रकार है:

सिद्धार्थ खरात, गजानन लावटे, नितिन देशमुख, संजय डेरकर, राहुल पाटिल मेहकर, सुनील राऊत, अनंत नार, सुनील प्रभु, हारुन खान, संजय पोटनिस, वरुण सरदेसाई, महेश सावंत, आदित्य ठाकरे, अजय चौधरी, मनोज जमसुतकर, बाबाजी काले, प्रवीण स्वामी, कैलास पाटिल, दिलीप सोपाल, भास्कर जाधव।

क्या उद्धव ठाकरे इन विधायकों को अपने खेमे में बचाए रखने में कामयाब होंगे, या फिर एकनाथ शिंदे का 'ऑपरेशन टाइगर' ठाकरे परिवार के बचे हुए गढ़ को भी ढहा देगा? अगले 48 घंटे महाराष्ट्र की सियासत के लिए बेहद निर्णायक होने वाले हैं।

आरटीओ कर्मचारियों की हड़ताल से कामकाज ठप

ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन हस्तांतरण सेवाएं प्रभावित

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

आरटीओ कर्मचारियों की बेमियादी हड़ताल ने संकट पैदा कर दिया है। हड़ताल के दूसरे दिन कामकाज रफ्तार थमी दिखाई दी। इसके चलते लाइसेंस नवीनीकरण, वाहन स्वामित्व हस्तांतरण, दस्तावेज सत्यापन समेत कई महत्वपूर्ण सेवाएं प्रभावित हुई हैं, जिससे आम नागरिकों की परेशानी बढ़ गई है। भर्ती नियमों को अंतिम रूप देने, लंबित पदोन्नतियों और सेवा संबंधी अन्य मांगों को लेकर कर्मचारी आंदोलन पर डटे हुए हैं। कर्मचारी संगठन का दावा है कि हड़ताल को पहले दिन राज्यभर में शत प्रतिशत समर्थन मिला, जबकि सरकार और कर्मचारियों के बीच हुई बातचीत भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। महाराष्ट्र राज्य आरटीओ कर्मचारी संघ के अनुसार राज्यभर के 63 आरटीओ कार्यालयों के करीब 1300 से 1400 कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल में शामिल हैं, जिनमें मुंबई के 300 से 350 कर्मचारी भी शामिल हैं। हड़ताल के कारण ड्राइविंग लाइसेंस नवीनीकरण, वाहन हस्तांतरण, दस्तावेज सत्यापन और अन्य आरटीओ सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि 2022 में नए संगठनात्मक ढांचे को मंजूरी मिलने के बावजूद भर्ती नियम अब तक तय नहीं किए गए हैं।

विचार प्रवाह

यह जरूरी है कि हम अपना दृष्टिकोण और हृदय जितना सभव हो अच्छा करें। इसी से हमारे और अन्य लोगों के जीवन में, अल्पकाल और दीर्घकाल दोनों में ही खुशियां आएंगी।

– दलाई लामा

संपादकीय

'चिट्टा' को चुनौती

हाल के दिनों में पंजाब के बाद, हिमाचल के लिए भी नशीले पदार्थों का तेजी से बढ़ता दुरुपयोग एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन गया है। नशे के बढ़ते सेवन की जो समस्या कभी सीमावर्ती राज्यों व सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित मानी जाती थी, अब दुर्भाग्य से वह इस पहाड़ी राज्य के गांवों तक पहुंच गई है। जिससे कई परिवारों का अस्तित्व, लोगों की आजीविका और युवा पीढ़ी का भविष्य भी खतरे में नजर आ रहा है। ऐसे हालात में राज्य सरकार का वह फैसला एक नई उम्मीद की किरण लेकर आया है, जिसमें नशीले पदार्थों से मुक्ति के अभियान 'चिट्टा-मुक्त गांव' में पंचायतों को शामिल करने का रणनीतिक निर्णय लिया गया है। सालों तक इस संकट को कानून व्यवस्था से जुड़ा प्रश्न माना जाता रहा है। नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए सप्लायरों व नशे की आदत का शिकार लोगों की गिरफ्तारी, नशीले पदार्थों की बरामदगी और पुलिस की कार्रवाई को प्राथमिकता बना लिया गया था। निस्संदेह, कानून के अनुपालन के बिना इस संकट का समाधान संभव भी नहीं था, लेकिन सिर्फ इन प्रयासों से सफलता कम ही मिली। नशीले पदार्थ बेचने वालों की गिरफ्तारी के बाद सप्लाई चेन तेजी से बदल जाती है। नशे के कारोबारी स्थानीय तंत्र की कमजोरी का लाभ उठाते और नए लोग नशे की लत की चपेट में आ जाते थे। इस संकट के बने रहने ने संकेत दिए कि यह समस्या सिर्फ कानूनी नहीं है बल्कि इसे एक सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े संकट के रूप में भी देखा जाना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी ग्रामीण समाज में पंचायतों की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पंचायतें ग्रामीण परिवेश में स्थानीय हालात को बेहतर ढंग से समझती हैं। वहीं दूसरी ओर उन्हें स्थानीय समुदायों का विश्वास भी हासिल होता है। वे गांव के लोगों के व्यवहार संबंधी बदलावों को आसानी से से पहचान सकती हैं। ऐसे बदलाव जिन्हें दूर बैठे प्रशासन व पुलिस के अधिकारी नहीं समझ सकते। इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि यदि पंचायतों को प्रभावी अधिकार और संसाधन उपलब्ध करा दिए जाएं तो वे जागरूकता अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। साथ ही ग्रामीण परिवारों को समय रहते मदद लेने को प्रोत्साहित कर सकती हैं। इतना ही नहीं, वे इस जागरूकता अभियान का दायरा बढ़ाने और बेहतर परिणाम हासिल करने के लिये स्कूल तथा स्वास्थ्य कर्मियों के साथ सार्थक तालमेल स्थापित कर सकती हैं। साथ ही बिना किसी भेदभाव के, संवेदनशील ढंग से पुनर्वास के प्रयासों में मदद कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर गांव स्तर पर निगरानी समितियां बनाकर पंचायतें नशे की आपूर्ति श्रृंखला पर नजर रख सकती हैं। वे समय रहते कानून के क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियों को भी सतर्क करने में मददगार साबित हो सकती हैं। इसके अलावा बेहतर परिणाम हासिल करने के लिये पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण, आर्थिक सहायता और काम को बेहतर ढंग से करने के लिये जरूरी दिशा-निर्देश भी दिये जा सकते हैं। यह भी हकीकत है कि पेशेवर अधिकारियों व कर्मचारियों की मदद के बिना गांवों की चुनी हुई संस्थाओं के द्वारा नशे की समस्या से पूरी तरह निपट पाना संभव नहीं है। इसके साथ ही सरकार को नशा-मुक्ति केंद्रों को सशक्त बनाने की भी जरूरत होगी। इसके अलावा नशे पर शिकंजा कसने के लिये जरूरी होगा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाए। वहीं दूसरी ओर नशीले पदार्थों के सेवन के खतरे का सामना कर रहे युवाओं के लिये रोजगार के अवसर बढ़ाने की भी जरूरत होगी। यह भी कि मानसिक तनाव से मुक्ति के लिये मनोरंजन के अवसर बढ़ाने पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की अवधारणा के क्रम में हिमाचल सरकार का यह प्रयोग एक महत्वपूर्ण सच को सामने लाता है कि स्थायी बदलाव सरकारी दफ्तरों से नहीं बल्कि हकीकत में गांव से ही शुरू हो सकता है। जहां ग्रामीणों की सामूहिक जिम्मेदारी नशे की लत दूर करने के लिये एक मजबूत इलाज बन सकती है। यदि पंचायतों को पर्याप्त संसाधन व मदद मिले तो पंचायतें भी बदलाव लाने और मौजूदा पीढ़ी के स्वास्थ्य की रक्षा करने वाली ताकत बन सकती हैं।

आज का इतिहास

- 1979 - अमेरिकी राष्ट्रपति जिम्मी कार्टर एवं सोवियत राष्ट्रपति ब्रेझनेव द्वारा 'साल्ट-द्वितीय' समझौते पर वियना में हस्ताक्षर।
- 1997 - कंबोडिया के खमेर रूज के नेता और 20 लाख से ज्यादा लोगों का हत्यारा माओवादी पोलपोट का आत्मसमर्पण।
- 1999 - 35 यूरोपीय देशों के बीच लंदन में पेयजल समझौते पर हस्ताक्षर, लातविया में वाइके फ्रेबरेमा को देश का नया राष्ट्रपति चुना गया।
- 2001 - पाकिस्तान के रक्षा बजट में कटौती, तालिबान ने संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के खिलाफ लादेन का फतवा रद्द किया।
- 2004 - चाड के सैनिकों ने 69 सूडानी मिलिशियाई को मार गिराया। दक्षिण कोरिया ने अगस्त माह में ईराक में सेना भेजने का निर्णय लिया।
- 2008 -केंद्र सरकार ने गुर्जरों को ओबीसी कोटे में 5% आरक्षण देने की घोषणा की। भारत यात्रा पर आए सीरिया के राष्ट्रपति बशहर अल असद और प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के मध्य तीन समझोते पर हस्ताक्षर हुए। फार्मा कंपनी रैनबैक्सी ने अमेरिका फार्मा कम्पनी फाइजर के साथ पेटेंट विवाद को एक समझौते के तहत समाप्त किया। वियतनाम ने विश्व बाजार में आपूर्ति की स्थिति में सुधार के लिए चावल के निर्यात पर लगी पाबंदी हटाई।
- 2017- आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2017 में पाकिस्तान ने भारत को हरा कर खिताब जीता।
- 1992 - गोड्डेति माधवी - भारतीय राज्य आंध्र प्रदेश की महिला राजनीतिज्ञों में से एक हैं।
- 1958 - होमी डैडी मोतीवाला - नौकायन में भारत के श्रेष्ठ खिलाड़ी रहे हैं।
- 1931 - के एस सुदर्शन - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पांचवें सरसंघचालक।
- 1899 - दादा धर्माधिकारी - प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, लेखक और गांधीवादी चिंतक।
- 1887 - अनुग्रह नारायण सिन्हा - भारत के स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षक, वकील, राजनीतिज्ञ तथा आधुनिक बिहार के निमार्ता।
- 1931 - फर्नांडो हेनरिक कार्डोसो - ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति।
- 1921 - पी. वेंकटसुब्बैया - बिहार और कर्नाटक के राज्यपाल रहे थे।
- 1852 - सी. विजय राघवा चारियर - प्रसिद्ध राष्ट्रीय नेता थे।
- 1817 - जंगबहादुर - नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री।
- 2002 - नसीम बानो - बॉलीवुड हिंदी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री थीं।

हिंदूफोबिया पर चिंता

अमेरिका सहित कई देशों में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती कट्टरता

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

बीते दिनों अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में हिंदुओं के प्रति घृणा अपराध से जुड़ा एक प्रस्ताव पेश किया गया। यह प्रस्ताव मिशिगन से डेमोक्रेट सांसद श्री थानेदार ने पेश किया था। इस प्रस्ताव का रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति और सुहास सुब्रमण्यम सहित 32 सांसद समर्थन कर चुके हैं। इससे पूर्व अमेरिका के मिनेसोटा प्रांत की सीनेट ने भी हिंदूफोबिया के खिलाफ एक प्रस्ताव पेश किया था।

कोहना की पहल

इस प्रस्ताव को यहां के 400 से अधिक कानून निर्माताओं ने अपने समर्थन से प्रस्तुत किया। इस कार्य के पीछे 'कोलिशन आफ हिंदूज आफ नार्थ अमेरिकन' (कोहना) नाम की एक संस्था का सफल प्रयास रहा।

भेदभाव रोकने का उद्देश्य

इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य अमेरिका में रहने वाले हिंदू अमेरिकी और हिंदू धर्म, रीति-रिवाज और संस्कृति के खिलाफ चलाए जा रहे सुनियोजित कट्टर अभियानों को रोकना और हिंदू समुदाय के साथ होने वाले भेदभावों को ध्यान में रखकर ऐसा कृत्य करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना है। यह प्रस्ताव हिंदू समुदाय के खिलाफ बढ़ती कट्टरता और हिंदू पूजा स्थलों को क्षति पहुंचाने की घटनाओं के कारण लाया गया था।

पहले भी उठ चुके कदम

अमेरिका में इस प्रकार का प्रस्ताव पहली बार नहीं लाया गया है। इससे पहले अमेरिका के जार्जिया प्रांत में भी अप्रैल 2023 में यहां की असेंबली ने एक प्रस्ताव पास किया था, जो हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती कट्टरता, घृणा और अत्याचार को रोकने के लिए एक औपचारिक मान्यता प्रदान करता है।

पश्चिमी देशों में बढ़ती घटनाएं

पिछले कई वर्षों में अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिम के अनेक देशों में रहने वाले हिंदू समुदाय के प्रति कट्टरता और हिंसा में बढ़ोतरी हुई है। वहां के हिंदू समुदाय के लोगों के साथ कार्यस्थलों पर भेदभाव की घटनाएं सामने आती हैं। सूचना क्रांति के इस युग में भिन्न-भिन्न प्लेटफार्म्स पर हिंदू परंपराओं और मान्यताओं के खिलाफ सुनियोजित ढंग से एक प्रोपेगंडा फैलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य हिंदू समुदाय को नीचा दिखाना तथा उनके प्रति नकारात्मक और अपमानजनक दृष्टिकोण रखकर उन्हें हतोत्साहित करना है।

हिंदूफोबिया शब्द की पृष्ठभूमि

'हिंदूफोबिया' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 1866 में सर एडवर्ड सुल्लीवन ने किया। उन्होंने हिंदूफोबिया की चर्चा करते हुए हिंदुओं के प्रति होने वाले पूर्वाग्रहों और उनके प्रति अपमानजनक दृष्टिकोण को पेश किया था। प्रसिद्ध लेखक राजीव मल्होत्रा ने भी अपनी बहुचर्चित पुस्तक 'स्नेक्स इन द गंगा: ब्रेकिंग इंडिया 2.0' में वैश्विक स्तर पर एक विशेष विचारधारा के लोगों द्वारा भारत की सनातन संस्कृति और विरासत के खिलाफ चलाए जा रहे वैचारिक षड्यंत्र की ओर ध्यान आकर्षित कराया।

स्काटलैंड की रिपोर्ट

हाल के वर्षों में कई पश्चिमी देशों में हिंदू धर्म के अनेक अनुयायियों को निशाना बनाया गया है। इसलिए कई देशों की संसद में इस विषय से जुड़ी चिंताओं को प्रकट किया है। पिछले वर्ष स्काटलैंड की संसद में 'हिंदूफोबिया इन स्काटलैंड' नामक एक रिपोर्ट को प्रस्तुत किया गया था। इस रिपोर्ट को गांधीयन पीस कमेटी द्वारा तैयार किया गया था। यह रिपोर्ट बताती है कि स्काटलैंड में रहने वाले हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और भेदभाव के मामले 2019 के बाद कई गुना बढ़ गए हैं। इस कारण यहां हिंदू समुदाय के लोग अपने परंपरागत परिधान पहनने से और अपनी पहचान सार्वजनिक करने से बचते हैं।

शिक्षा जगत में पूर्वाग्रह

हिंदू धर्म और संस्कृति के प्रति घृणा को मुख्यधारा के अकादमिक जगत में भी व्यापक रूप से देखा जाता है, जिसमें कई विश्वविद्यालयों में हिंदू धर्म और हिंदू समुदाय के लोगों को अपमानित किया जाता है। इस संदर्भ में ब्रिटेन स्थित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा रश्मि सामंत का कटु अनुभव उल्लेखनीय है। उन्होंने अपनी पुस्तक 'ए हिंदू इन ऑक्सफोर्ड' में लिखा कि इस विश्वविद्यालय में हिंदूफोबिया के कारण ही उन्हें छात्र संघ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा था। वह यह पद हासिल करने वाली पहली महिला भारतीय थीं। भारत का हिंदू दर्शन और चिंतन विश्व को एक परिवार के रूप में देखता है।

विदेशी विद्वानों की प्रशंसा

उन्नीसवीं सदी के महानतम लेखकों में से एक रूस के लियो टाल्स्टाय ने हिंदू धर्म और विचार की बड़ी प्रशंसा की। सुप्रसिद्ध नाटककार नोबेल पुरस्कार विजेता जार्ज बनार्ड शॉ ने हिंदू धर्म को विश्व के सबसे लचीले, सहिष्णु और समावेशी धर्म के रूप में देखा है। जर्मन मूल की प्रसिद्ध लेखिका मारिया विर्थ अपनी पुस्तक 'थैंक यू इंडिया: ए जर्मन वूमेंस जर्नी टू विजडम आफ योग' में भारत और इसकी सनातन संस्कृति का गुणगान करती हैं। विश्व के कई देशों में हिंदू समुदाय के असंख्य लोग शांतिप्रिय ढंग से रह रहे हैं और अपने ज्ञान, मेधा तथा मेहनत से उस देश की उन्नति में अपना मूल्यवान योगदान सुनिश्चित कर रहे हैं।

आंखनदेखी

चेन्नई की सड़कों पर बेघर बच्चे गहरी नींद में सोए हुए हैं, जबकि सुबह की ताजगी का आनंद लेने के लिए लोग जॉगिंग करते नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर एक ही शहर के भीतर मौजूद सामाजिक विषमता और जीवन की दो अलग-अलग वास्तविकताओं को मार्मिक ढंग से उजागर करती है।

अनिश्चित शांति

• अमेरिका-ईरान समझौते से राहत की उम्मीद, लेकिन कई सवाल अब भी बाकी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर सहमति बनने की घोषणा के बाद पूरी दुनिया ने राहत की सांस ली है। वित्तीय बाजारों में उत्साह दिखा तो कच्चे तेल की कीमतें नरम पड़ीं। हालांकि उम्मीद की इस किरण के पीछे कुछ आशंका भी है। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह कोई अंतिम शांति संधि नहीं है, बल्कि भविष्य की वार्ताओं के लिए एक रूपरेखा मात्र है। यह समझौता तत्काल संघर्ष को रोकने और अमेरिका तथा ईरान के संबंधों को नई दिशा देने का अवसर अवश्य प्रदान करता है, किंतु यह अभी भी नाजुक, विवादास्पद और अनिश्चितताओं से घिरा हुआ है। वैसे भी कागज पर हुई शांति हमेशा धरातल पर साकार रूप नहीं ले पाती।

युद्ध का खतरा

पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है।

ऊर्जा बाजार पर असर

इस जलमार्ग के अवरुद्ध होने से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी उथल-पुथल मच गई थी और दुनिया भर में महंगाई बढ़ने की आशंका पैदा हो गई थी। इस जलमार्ग का फिर से खुलना और अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी के हटने से न केवल सैन्य टकराव का खतरा घटा है, बल्कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के सामान्य होने की उम्मीद भी जगी है।

व्यापार जगत की चिंता

हालांकि प्रमुख शिपिंग कंपनियों ने संकेत दे दिया है कि होर्मुज से सामान्य आवाजाही बहाल होने में महीनों लग सकते हैं। समुद्री बीमा की लागत अब भी ऊंची है, बंदरगाहों और अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इस समझौते की स्थिरता को लेकर अभी भी भरोसा नहीं बन पाया है। बाजार सकारात्मक खबरों पर तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं, लेकिन व्यापार जगत केवल घोषणाओं पर नहीं, बल्कि स्थायी स्थिरता पर भरोसा करता है।

परमाणु कार्यक्रम का सवाल

इस समझौते की सबसे बड़ी चुनौती ईरान के परमाणु कार्यक्रम का मुद्दा है, जिसने दोनों देशों के संबंधों को दशकों से उलझाए रखा है। अमेरिकी प्रशासन का दावा है कि ईरान ने कभी परमाणु हथियार न बनाने पर सहमति व्यक्त की है। जबकि ईरान का कहना है कि वर्तमान समझौता केवल प्रारंभिक ढांचा है और परमाणु मुद्दे पर वास्तविक बात बाद में होगी, जब दूसरे पक्ष अपने शुरुआती दायित्वों को पूरा करेंगे।

विरोधाभासी दावे

दोनों पक्षों की यह विरोधाभासी व्याख्या किसी तकनीकी अंतर का प्रश्न नहीं है, बल्कि यही इस समझौते की कमजोरी का मूल कारण भी है। ईरान पर प्रतिबंधों का मुद्दा भी उतना ही विवादास्पद है। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि ईरान को उसकी जब्त संपत्तियों तक पहुंच मिल सकती है और तेल निर्यात पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी जा सकती है।

प्रतिबंधों की अस्पष्टता

अमेरिकी प्रशासन इन बातों से इन्कार करते हुए कहता है कि आर्थिक लाभ तभी मिलेंगे, जब ईरान अपने दायित्वों का पालन करेगा। यह अस्पष्टता फिलहाल दोनों सरकारों के लिए राजनीतिक रूप से उपयोगी हो सकती है, क्योंकि वे घरेलू स्तर पर इसे अपनी जीत के रूप में पेश कर सकती हैं, लेकिन भविष्य में यही अस्पष्टता गंभीर विवाद का कारण भी बन सकती है।

घरेलू राजनीति का प्रभाव

अमेरिका और ईरान दोनों की घरेलू राजनीति इस समझौते के भविष्य को प्रभावित करेगी। अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों दलों के सांसदों ने समझौते के बारे में अधिक जानकारी मांगी है। कई सांसद इससे असंतुष्ट हैं कि कांग्रेस को भरोसे में नहीं लिया गया। ट्रंप प्रशासन ने फिलहाल भले ही एक कूटनीतिक गुंजाइश बनाई हो, लेकिन इसे स्थायी समझौते में बदलने के लिए उसे गहरे राजनीतिक विभाजन से जूझना पड़ेगा।

ट्रंप को राजनीतिक लाभ

ट्रंप के लिए यह समझौता राजनीतिक दृष्टि से लाभकारी कहा जा सकता है। मध्यावधि चुनावों से पहले जारी युद्ध, तेल की ऊंची कीमतें और अनिश्चित परिणाम उनकी राजनीतिक संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकते थे। इसके विपरीत यह समझौता उन्हें एक निर्णायक और शांति स्थापित करने वाले नेता के रूप में प्रस्तुत करने का अवसर देता है। उनके समर्थक इसे सैन्य दबाव के परिणाम के रूप में देख सकते हैं, जबकि आलोचक यह सवाल उठाते रहेंगे कि क्या यह युद्ध कभी आवश्यक था भी या नहीं।

ईरान का पक्ष

ईरान का दावा है कि महीनों के संघर्ष के बावजूद उसकी सरकार कायम रही, उसके क्षेत्रीय सहयोगी सुरक्षित रहे और पश्चिम एशिया में उसका प्रभाव कम नहीं हुआ। ईरानी नेतृत्व का मानना है कि अमेरिका और इजरायल अपने व्यापक राजनीतिक उद्देश्यों को हासिल करने में असफल रहे। कोई भी पक्ष कमजोर दिखाई नहीं देना चाहता और यही कारण है कि आगे की वार्ताएं और कठिन हो सकती हैं। इजरायल की स्थिति इस समझौते को और अधिक जटिल बनाती है, क्योंकि उसके प्रधानमंत्री नेतन्याहू इस समझौते को लेकर उत्साहित नहीं दिखते। वे पहले ही संकेत दे चुके हैं कि इजरायली सैनिक दक्षिणी लेबनान में बने रहेंगे और यदि उन्हें किसी खतरे की आशंका होगी तो वे सैन्य कार्रवाई से हिचकेंगे नहीं।

अभी बाकी हैं सवाल

यह भी सच है कि कूटनीति अक्सर ऐसे ही नाजुक समझौतों से शुरू होती है। शांति की प्रक्रिया कभी एक झटके में पूरी न होकर छोटे-छोटे समझौतों, असफलताओं और नए प्रयासों के माध्यम से आगे बढ़ती है। यह समझौता शायद एक अस्थायी विराम हो, लेकिन यह भी संभव है कि यही पश्चिम एशिया की राजनीति को नई दिशा देने वाली एक स्थायी व्यवस्था की नींव बने। यह इस पर निर्भर करेगा कि वाशिंगटन, तेहरान और उनके क्षेत्रीय साझेदार कितनी दूरदर्शिता, संयम और राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय देते हैं। इस लिहाज से आने वाले दिनों में होने वाली वार्ताएं बहुत निर्णायक साबित होंगी।

प्रेरक प्रसंग

लौटता हुआ स्वर

ताला खोलकर कमरे में प्रवेश करते ही विभा का पैर एक हल्के नीले लिफाफे से टकराया। उसने बिना ध्यान दिए उसे वहीं छोड़ दिया और दिनभर की थकान लेकर चारपाई पर लेट गई। कॉलेज की जिम्मेदारियों और अकेलेपन ने उसके जीवन को इतना नीरस बना दिया था कि अब किसी पत्र में भी उसे उत्सुकता नहीं रहती थी। कुछ देर बाद पंखे की हवा से लिफाफा पलट गया। जैसे ही उसकी नजर उस पर पड़ी, वह चौंककर उठ बैठी। वह लिखावट, वह कहीं भी पहचान सकती थी-यह सौरभ का पत्र था। पूरे तीन वर्षों बाद! कांपते हाथों से उसने लिफाफा उठाया। पत्र अभी खोला भी नहीं था कि यादों का सैलाब उमड़ पड़ा। कॉलेज के वे दिन, जब सौरभ और वह साथ पढ़ते थे। विभा मन ही मन सौरभ से प्रेम करती थी और परीक्षा समाप्त होने के बाद उसने अपने पिता से भी उसके बारे में बात कर ली थी। परिवार सौरभ को पसंद कर चुका था और उसके उज्ज्वल भविष्य की उम्मीदें बांध ली गई थीं। लेकिन स्टेशन पर विदा होते समय सौरभ ने ऐसी बात कह दी थी जिसने विभा के सारे सपने तोड़ दिए। उसने स्वीकार किया था कि वह विवाह के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं है। बचपन की पारिवारिक परिस्थितियों, मां की अनुपस्थिति और बहन के बदलते व्यवहार ने उसके मन में रिश्तों को लेकर गहरा अविश्वास भर दिया था। विभा ने उसे समझाने की कोशिश की थी कि हर स्त्री कांटा नहीं होती, कोई फूल और उसकी सुगंध भी हो सकती है। फिर भी उसने सौरभ पर कोई दबाव नहीं डाला और केवल इतना कहा था—मैं प्रतीक्षा करूंगी, जब तक तुम स्वयं मुझे नहीं बुलाओगे।

- उसके बाद विभा ने कई शहर बदले, अध्यापिका की नौकरी की, लेकिन सौरभ की स्मृतियां कभी उसका पीछा नहीं छोड़ सकीं। प्रतीक्षा ही उसका जीवन बन गई। आज उसी प्रतीक्षा का उत्तर उसके हाथों में था। उसने पत्र खोला। सौरभ ने लिखा था-यदि तुम आज भी मेरी प्रतीक्षा कर रही हो तो मैं तुम्हें अपने जीवन में आमंत्रित करता हूं।
- अब समझ गया हूं कि अपने सुख-दुख के लिए स्वयं मैं जिम्मेदार हूं। जीवन के फूल हों या कांटे, उन्हें बांटने के लिए मुझे तुम्हारी जरूरत है। पत्र पढ़ते-पढ़ते विभा की आंखें भर आईं। उसके होंठों पर अनायास शब्द उभरे-मेरे लिए तुम तब भी जीवन थे, और आज भी हो, सौरभ। खुशी के दो बूंद आंसू पत्र पर गिर पड़े। तीन वर्षों की लंबी प्रतीक्षा आखिरकार एक मधुर स्वर बनकर लौट आई थी।

राशिफल

मेष– सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन बना रहेगा। सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी।

वृषभ–लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। परिवार में प्रसन्नता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी।

मिथुन– कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे। नकारात्मकता हावी रहेगी। शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क– कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी। नौकरी व निवेश में इच्छा पूरी होने की संभावना है। प्रतिद्वंद्विता कम होगी।

सिंह– आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट आदि से बड़ा फायदा हो सकता है। परिवार की चिंता बनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

कन्या– किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। झंझटों में न पड़ें। शारीरिक कष्ट संभव है।

तुला–प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं। फालतू बातों पर ध्यान न दें। लाभ में वृद्धि होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे।

वृश्चिक– प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि तथा सम्मान में वृद्धि होगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें।

धनु– दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें।

मकर– कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कुंभ– दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यश बढ़ेगा। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी।

मीन–व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार-व्यवसाय की गति बढ़ेगी। चिंता रह सकती है। थकान रहेगी। प्रमाद न करें।

Telegram के बाद अगला नंबर क्या WhatsApp का है? : राहुल गांधी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश में 21 जून को NEET री-एग्जाम होने वाला है। इस परीक्षा से पहले टेलीग्राम पर अस्थायी रोक लगाई गई थी। इस रोक को लेकर राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। इस फैसले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सरकार के इस कदम को पेपर लीक रोकने का 'दिखावा' करार देते हुए सवाल उठाया कि टेलीग्राम के बाद क्या अब व्हाट्सएप को भी प्रतिबंधित किया जाएगा?

राहुल गांधी बोले- टेलीग्राम बैन समाधान नहीं

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बात रखते हुए कहा कि देश के लाखों छात्र सालों से टेलीग्राम का उपयोग अपनी पढ़ाई, नोट्स शेयर करने, टेस्ट सीरीज और चर्चाओं के लिए करते आ रहे हैं। उनसे यह सुविधा छीनना किसी भी तरह से पेपर लीक का इलाज नहीं है। नेता ने ट्वीट करते हुए लिखा कि "यह प्रतिबंध कोई फूलप्रूफ समाधान नहीं है, और यह बात देश का हर छात्र और पेपर लीक माफिया अच्छी तरह जानता है। परीक्षा के दिन छात्रों की जेबें कैंची से काटी जाएंगी, प्रश्नपत्र वायुसेना के जरिए भेजे जाएंगे—दिखावे में कोई कमी नहीं होगी। लेकिन बीमारी की असली जड़ पर कोई वार नहीं किया जा रहा, क्योंकि पेपर लीक माफिया इसी व्यवस्था की देखरेख में फल-फूल रहा है।" राहुल ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को दिखावा छोड़कर छात्रों के बजाय माफियाओं पर कड़ा प्रहार करना चाहिए।

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ दो FIR दर्ज

550 करोड़ रुपए के कथित भ्रष्टाचार का आरोप

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ 550 करोड़ रुपए के कथित भ्रष्टाचार से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। भाजपा नेता अभिजीत दास (बाबी) की शिकायत पर दक्षिण 24 परगना जिले के थानों में दर्ज इन मामलों में 300 करोड़ रुपए की कथित अवैध मिट्टी कटाई तथा चक्रवात अम्फान के दौरान राहत सामग्री वितरण में 250 करोड़ रुपए के कथित भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं।

■ पहली एफआइआर कालीतला आशुती थाने में दर्ज कराई गई है। इसमें अभिषेक बनर्जी, उनके निजी सचिव सुमित राय, विष्णुपुर के तृणमूल विधायक दिलीप मंडल समेत कुल 23 लोगों को आरोपित बनाया गया है। शिकायत के अनुसार, वर्ष 2017 से एक संगठित गिरोह के जरिए लगभग 163 बीघा कृषि भूमि की उपजाऊ मिट्टी अवैध रूप से काटकर विभिन्न व्यावसायिक कार्यों के लिए बेची गई।

■ आरोप है कि यह कारोबार 2022 और 2023 में और तेज हुआ तथा इससे 300 करोड़ रुपए से अधिक का अवैध आर्थिक लाभ अर्जित किया गया। शिकायतकर्ता ने अपने आरोपों के समर्थन में पुलिस को कई सैटेलाइट चित्र और अन्य दस्तावेज भी सौंपे हैं। उनका दावा है कि इन तस्वीरों से बड़े पैमाने पर मिट्टी कटाई और भू-आकृति में हुए बदलाव स्पष्ट दिखाई देते हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इस अवैध गतिविधि से पर्यावरण और कृषि भूमि को गंभीर क्षति पहुंची तथा स्थानीय लोगों की शिकायतों के बावजूद प्रशासन ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की।

■ दूसरी एफआईआर विष्णुपुर थाने में चक्रवात अम्फान के दौरान राहत सामग्री वितरण में कथित 250 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार को लेकर दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आपदा पीड़ितों के लिए भेजी गई तिरपाल और अन्य राहत सामग्री के वितरण में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गईं और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग हुआ। दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता की कई गैर-जमानती धाराएं लगाई गई हैं। हाल के दिनों में विभिन्न मामलों में केंद्रीय जांच एजेंसियों की पूछताछ का सामना कर रहे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ इन नई एफआईआर से राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। हालांकि, इन आरोपों पर अभिषेक बनर्जी या तृणमूल कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

सांसद गहलोत की पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात

विकास, सुशासन और निवेश के मुद्दों पर विस्तृत संवाद

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने अपने कोलकाता प्रवास के दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुख्यमंत्री आवास पर शिष्टाचार एवं आत्मीय भेंट की। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच पश्चिम बंगाल के विकास, सुशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं, निवेश संवर्धन, औद्योगिक विस्तार, रोजगार सृजन तथा समसामयिक राष्ट्रीय विषयों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हुई। राज्यसभा की संसदीय समिति की अवलोकन यात्रा के दौरान सांसद गहलोत ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के बढ़ते जनाधार और राज्य में राजनीतिक बदलाव की संभावनाओं को लेकर सकारात्मक विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल लंबे समय से राजनीतिक परिवर्तन की प्रतीक्षा कर रहा है और भाजपा के नेतृत्व में राज्य विकास एवं सुशासन की नई दिशा की ओर अग्रसर हो सकता है। सांसद गहलोत ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनका प्रशासनिक अनुभव, जनसरोकारों के प्रति संवेदनशीलता तथा विकासोन्मुखी दृष्टिकोण राज्य के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में पश्चिम बंगाल निवेश, उद्योग, आधारभूत संरचना और रोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त करेगा।

■ मुख्यमंत्री से इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने केंद्र एवं राज्यों के समन्वय, सहकारी संघवाद, कृषि, शिक्षा, पर्यटन तथा युवा सशक्तिकरण जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया। सांसद गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तीव्र गति से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और राज्यों की सक्रिय भागीदारी इस यात्रा को और अधिक प्रभावी बना रही है। राज्यसभा की संसदीय समिति के कई अन्य सांसद भी इस मुलाकात में उपस्थित थे। गहलोत ने कहा कि पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार का गठन राज्य की राजनीति में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का प्रतीक सिद्ध होगा। इससे विकास, पारदर्शिता और जनसेवा के नए मानदंड स्थापित होंगे तथा राज्य की जनता को सुशासन का लाभ मिलेगा। मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई और गहलोत सहित अन्य सांसदों ने भविष्य में भी विभिन्न राष्ट्रीय एवं जनहित के विषयों पर निरंतर संवाद बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा ट्रंप के साथ उठाएं प्रधानमंत्रीः प्रियंका गांधी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ तीन भारतीय नाविकों की मौत का विषय उठाना चाहिए। प्रधानमंत्री फ्रांस और स्लोवाकिया की एक हफ्ते की यात्रा पर हैं। वह फ्रांस में जी-7 सम्मेलन के संपर्क सत्र में हिस्सा लेंगे। उनका जी-7 सम्मेलन के दौरान कई देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने का कार्यक्रम है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ भी मुलाकात हो सकती है। इस बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''मुझे लगता है कि उन्हें निश्चित रूप से यह मुद्दा (अमेरिकी हमले में मारे गए तीन भारतीय नाविकों का मामला) उठाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''यह हैरानी की बात है कि जो हो रहा है, उस पर हमने (सरकार) खुलकर कोई बात नहीं की है।'' अमेरिका ने बीते 10 जून को पलाऊ के ही ध्वज वाले जहाज 'सेटेबेलो' पर हमला किया था, जिसपर सवार 24 भारतीय नाविकों में से तीन की मौत हो गई थी।

'राम विरोधी आज शुभचिंतक न बनें': रवि किशन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेरफेर का मामला अब पूरी तरह से सियासी दंगल में तब्दील हो चुका है। विपक्ष के तीखे हमलों के बीच अब सत्तापक्ष भी फ्रंटफुट पर आकर जवाब दे रहा है। गोरखपुर से BJP सांसद और अभिनेता रवि किशन ने इस पूरे विवाद पर समाजवादी पार्टी को आड़े हाथों लिया है, तो वहीं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार को घेरते हुए सीधे न्यायिक जांच की मांग की है।

उत्तर प्रदेश में मोदी-योगी की सरकार है, यहाँ न्याय होकर रहेगा

बलिया के नगरा में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे BJP सांसद रवि किशन ने मीडिया से बातचीत में साफ कहा कि इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जिसने भी पाप किया है, उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। विपक्ष और खासकर समाजवादी पार्टी को इस बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है। जो लोग हमेशा राम मंदिर के विरोधी रहे, वो आज अचानक शुभचिंतक बनने का नाटक न करें। उत्तर प्रदेश में मोदी-योगी की सरकार है, यहाँ न्याय होकर रहेगा।"

'चढ़ावे से चंदे और जमीन तक पहुंची बात' : अखिलेश यादव

इससे पहले सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने इस कथित गड़बड़ी को लेकर सरकार और मंदिर ट्रस्ट पर बड़ा हमला बोला। अखिलेश यादव ने मांग की कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में बने हर कॉरिडोर और चौड़ीकरण की योजना की बहुसदस्यीय न्यायिक जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इतने बड़े घोटाले बिना मिलीभगत के नहीं होते। इस जांच के दायरे में ट्रस्टी, कमेटी के सदस्य और प्रशासनिक अधिकारी सभी आने चाहिए। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए लिखा कि आगे-आगे देखिए होता है क्या? बात चढ़ावे से शुरू हुई थी, जो चंदे और जमीन से होते हुए अब अरबों रुपए की श्रीराम शिलाओं के गायब होने तक पहुंच गई है। पिछले कुछ सालों में जो भी लोग इन कामों से जुड़े रहे हैं, उनकी गैरकानूनी तरीके से कमाई गई काली संपत्ति की जांच होनी चाहिए।

'BJP राजनीतिक दल नहीं, गैंग है'

सपा मुखिया ने सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए बेहद कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बजट की लूट तो चल ही रही थी, अब राम मंदिर के चढ़ावे को भी नहीं छोड़ा गया। उन्होंने कहा कि भाजपा कोई राजनीतिक दल नहीं बल्कि एक गैंग की तरह काम कर रही है, जो संगठित तरीके से घपले कर रहा है। इनका काम सिर्फ झूठ बोलना और जनता से फरेब करना है, लेकिन जनता अब इनकी असलियत समझ चुकी है और 2027 के विधानसभा चुनाव में इन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएगी। फिलहाल, अयोध्या में चल रही एसआईटी की जांच के बीच इस सियासी बयानबाजी ने उत्तर प्रदेश का सियासी पारा गरमा दिया है। एक तरफ जहां विपक्ष इसे भ्रष्टाचार का बड़ा मुद्दा बनाने में जुटा है, वहीं सरकार और भाजपा इसे राम मंदिर की छवि खराब करने की साजिश बता रहे हैं।

लखनऊ मेट्रो में अब एक कार्ड से पूरे देश में सफर

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

अब कोच्चि सहित दूसरे शहरों की मेट्रो में सफर के लिए वहां टिकट की लाइन लगने की जरूरत नहीं होगी। लखनऊ सहित देश भर की इन मेट्रो में सफर एक ही कार्ड पर हो सकेगा। कानपुर और आगरा के बाद लखनऊ में भी नेशनल कामन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) की सुविधा शुरू करने की तैयारी है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने एनसीएमसी की सुविधा शुरू करने के लिए ट्रायल पूरा कर लिया है। एक सप्ताह के भीतर यह सुविधा लांच हो जाएगी।

■ हालांकि एनसीएमसी कार्ड लांच होने के तीन माह के बाद मौजूदा गो स्मार्ट कार्ड को बंद किया जाएगा। ऐसे में यात्रियों को एनएसीएमसी लांच होने के तीन माह के भीतर गो स्मार्ट कार्ड के बैलेंस को समाप्त करना होगा। इस कार्ड का बैलेंस एनसीएमसी में ट्रांसफर नहीं होगा। यात्रा के किराए में 10 प्रतिशत छूट देने की मौजूदा कार्ड की व्यवस्था एनसीएमसी में भी जारी रहेगी। लखनऊ मेट्रो ने लगभग डेढ़ लाख गो स्मार्ट कार्ड जारी किए हैं। प्रतिदिन लगभग 90 हजार यात्री मेट्रो में सफर करते हैं। इसमें 45 हजार यात्री नकद राशि देकर टोकन, क्यूआर कोड से सफर करते हैं। वहीं, डेढ़ लाख स्मार्ट कार्ड के बाद भी केवल 45 हजार लोग गो स्मार्ट कार्ड से सफर करते हैं।

■ लखनऊ मेट्रो ने जिस एयरटेल पेमेंट बैंक से एनसीएमसी जारी करने का करार किया है, वह पुराने कार्ड के बदले नए कार्ड जारी करने पर जमा होने वाली 100 रुपए की सुरक्षा राशि नहीं लेगी। मौजूदा कार्ड की सुरक्षा राशि के बदले ही नया कार्ड जारी हो जाएगा। इसके लिए कानपुर व आगरा की तरह केवाइसी की जरूरत नहीं होगी। यात्री को अपना मोबाइल नंबर पंजीकृत कराना होगा उसपर ही एक ओटीपी आने के साथ एनसीएमसी जारी हो जाएगा। यह कार्ड देश के कई बैंक भी जारी करते हैं। ऐसे में यात्री अपने बैंक से ही नए कार्ड जारी करवा सकते हैं। एनसीएमसी से यात्री ट्रेन में सीधे प्रवेश कर सकेंगे और यात्रा का किराया कार्ड से स्वतः कट जाएगा। इससे यात्री शापिंग करने के साथ एटीएम से नकदी भी निकाल सकेंगे। इससे पार्किंग का भुगतान भी किया जा सकेगा। भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड ने एनसीएमसी का आटोमेटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम तैयार किया है। अब तक केवल टोकन प्रणाली और गो स्मार्ट कार्ड से सफर हो पा रहा था। फरवरी माह में ही मेट्रो प्रशासन ने क्यूआर कोड वाले टिकट की प्रणाली लागू की थी।

फिरोजाबाद में दौड़ती ट्रेन में लगी भीषण आग, चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

हिंदमाता नेटवर्क @ फिरोजाबाद

उत्तर प्रदेश के फिरोजा बाद जिले में उस समय हड़कंप मच गया जब डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर दौड़ती ट्रेन मालगाड़ी में बुधवार शाम चार बजे रूपसपुर के निकट भीषण आग लग गई। चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए बोगी को ट्रेन से अलग कर दिया। देखते ही देखते पूरी बोगी से आग की लपटें निकलने लगीं। हालांकि इस हादसे में किसी हादसे में एक व्यक्ति के मारे की खबर सामने आई है, लेकिन इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मौके पर पर फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं। रेलवे के साथ ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी घटना पर पहुंच गए हैं। एक व्यक्ति की जलने से मृत्यु की बात कही जा रही है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। इस घटना के कारण कॉरिडोर पर ट्रेनों का आवागमन बंद है।

खरगे के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

पीएम पर अपमानजनक टिप्पणी का मामला; समिति करेगी जांच

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर की गई टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के छह सांसदों ने मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस दिया है। भाजपा सांसदों का आरोप है कि मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री के बारे में सदन में 'अपमानजनक' और 'असम्मानजनक' टिप्पणी की, जिससे सदन की गरिमा और संसदीय परंपराओं का उल्लंघन हुआ है। इसी आधार पर उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दाखिल किया गया।

राज्यसभा के सभापति ने जांच के लिए विशेषाधिकार समिति को भेजा

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इस नोटिस पर संज्ञान लेते हुए इसे आगे की जांच और परीक्षण के लिए विशेषाधिकार समिति को भेज दिया है। समिति मामले की जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट सभापति को सौंपेगी। अब विशेषाधिकार समिति यह तय करेगी कि मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी संसदीय विशेषाधिकारों का उल्लंघन करती है या नहीं। समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। इस घटनाक्रम से संसद के मानसून सत्र से पहले राजनीतिक माहौल गरमा गया है। भाजपा और कांग्रेस के बीच इस मुद्दे को लेकर तीखी बयानबाजी देखने को मिल सकती है।

इमरती देवी ने दिग्विजय सिंह को दिया बीजेपी ज्वाइन करने का न्योता

हिंदमाता नेटवर्क @ भोपाल

राज्यसभा चुनाव में तीसरी सीट गंवाने के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस में सब ठीक ठाक नहीं चल रहा है। ये हम नहीं भाजपा कह रही है। हाल ही में सार्वजनिक मंच पर कांग्रेस नेताओं के दो वीडियो सामने आने के बाद भाजपा ने इसे पार्टी की अंदरूनी कलह बताया। लगातार पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह की अनदेखी के आरोप लग रहे हैं। इसी बीच ज्योतिरादित्य सिंधिया की कट्टर समर्थक और भाजपा नेत्री इमरती देवी ने दिग्विजय सिंह को भाजपा ज्वाइंन करने का ऑफर दिया है। इस बयान के बाद कांग्रेस की हलचल बढ़ा दी है।

कुर्सी विवाद से बढ़ी हलचल

पूरा मामला हाल ही में कांग्रेस की प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पीसीसी चीफ जीतू पटवारी द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को दूसरी कुर्सी पर शिफ्ट होने का इशारा वाले वीडियो के बाद शुरू हुआ। इस वीडियो को कांग्रेस में अंदरुनी खींचतान से जोड़कर देखा जा रहा है। आरोप है कि कांग्रेस पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह को साइडलाइन करना चाहती है।

भाजपा ने लपका मामला

वीडियो वायरल होते ही भाजपा को बैठे बिठाए मुद्दा मिल गया। इमरती देवी से लेकर, मंत्री राकेश शुक्ला और युवा मोर्चा अध्यक्ष श्याम टेलर ने भी कांग्रेस में गुटबाजी के मामले को लपक लिया। कांग्रेस की स्थिति बहुत ज्यादा खराब है।

कांग्रेस का जोरदार पलटवार

भाजपा नेताओं के बयान पर कांग्रेस नेताओं ने जोरदार पलटवार किया है। जीतू पटवारी से लेकर पूर्व मंत्री पीसी और कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह का भी तीखा बयान सामने आया है। सभी नेताओं ने इमरती देवी के बयान का खंडन करते हुए आड़ों हाथों लिया है।

पीसी शर्मा बोले- दिग्विजय सिंह दुनिया के आखिरी इंसान हो तब भी यह संभव नहीं

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने तंज कसते हुए कहा- इमरती देवी भाजपा में खुद की और ज्योतिरादित्य सिंधिया की स्थिति स्थिति देख ले फिर किसी को आमंत्रित करें। दिग्विजय सिंह इस दुनिया के आखिरी व्यक्ति होंगे अगर पूरी दुनिया खत्म हो जाएगी। तब भी वो सिर्फ सोचेंगे, लेकिन जाएंगे नहीं।

इमरती देवी ने राजनीतिक आत्महत्या की- जयवर्धन

वहीं दिग्विजय सिंह के बेटे व कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने इमतरी देवी पर पलटवार करते हुए कहा कि इमरती देवी के लिए अर्ज करना चाहता हूं कि उनका जो भी कारण रहा हो, इमरती देवी ने खुद ही राजनीतिक आत्महत्या की है।

देशभर के ठगों को बैंक खाते सप्लाई करने वाले मेगा सिंडिकेट का भंडाफोड़

दिल्ली पुलिस ने 10 आरोपियों को दबोचा

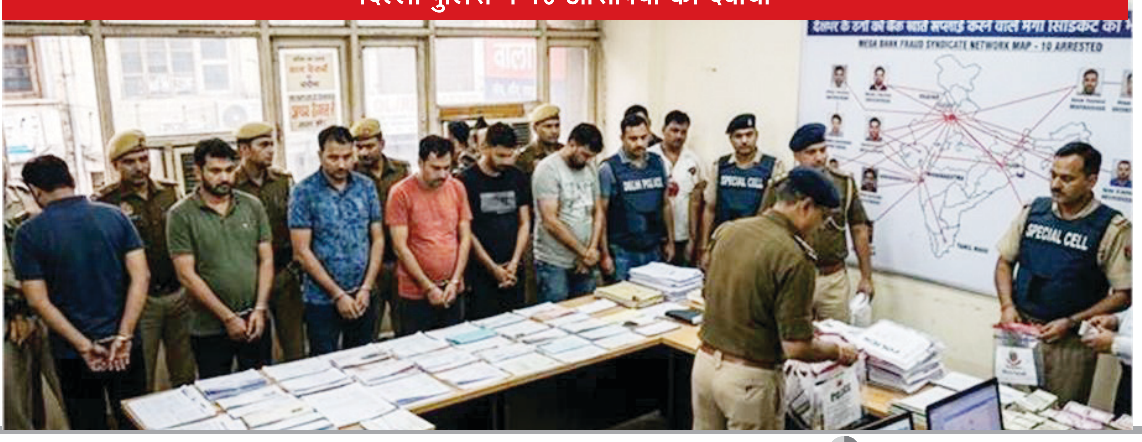

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने देश भर में साइबर अपराधियों को 'म्यूल' (कमीशन पर मिलने वाले) बैंक खाते उपलब्ध करने में शामिल एक बड़े संगठित गिरोह का भंडाफोड़ कर 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजीव कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई केरल की रहने वाली एक महिला से हुई दो लाख रुपए की साइबर धोखाधड़ी की शिकायत की जांच के दौरान की गई।

■ उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि धोखाधड़ी की रकम एंक खाते में जमा की गई थी जिसका इस्तेमाल ऑनलाइन ठगी के पैसों के लेनदेन के लिए हो रहा था। कुमार ने बताया कि इस गिरोह को पकड़ने के लिए एक टीम का गठन किया गया जिसने वित्तीय और तकनीकी विश्लेषण के जरिये इस पूरे गिरोह का पदार्फाश किया।

■ पुलिस के अनुसार आरोपी बेरोजगार और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को नौकरी का झांसा देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाते थे। इसके बाद आरोपी उनके एटीएम कार्ड, चेक बुक, पंजीकृत मोबाइल नंबर और इंटरनेट बैंकिंग संबंधी जानकारी अपने कब्जे में ले लेते थे और इन्हें साइबर अपराधियों को दे देते थे। डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विजय कुमार, प्रदीप कुमार, यतेंद्र कुमार, मुकेश, विनेश, गुरबाज सिंह, अमन, सूरज यादव, गौरव नाहर और लक्ष्मण के रूप में हुई है। कुमार ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से 11 पीओएस मशीनें, विभिन्न बैंकों की 27 चेक बुक, 17 एटीएम कार्ड और 12 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार इस मामले में शामिल अन्य साइबर अपराधियों और लाभार्थियों की पहचान के लिए आगे की जांच जारी है।

अखिलेश ने चला ब्राह्मण कार्ड तो मायावती को याद आया 2007

चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। सभी पार्टी अपने-अपने तरीके से लोगों को एकजुट करने के तरीके में लग गए हैं। एक तरफ पूर्व मुख्यमंत्री मायावती प्रदेश में ओबीसी नेताओं के साथ बैठक की। वहीं, दूसरी तरफ सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ब्राह्मण नेताओं के साथ मीटिंग कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव से पहले ब्राह्मणों के साथ बैठक करके अखिलेश यादव ने बड़ा संदेश दिया है। मिशन 2027 को और पुख्ता करने के लिए अखिलेश ने ब्राह्मण कार्ड खेला है। इस बैठक में वर्तमान विधायकों-सांसदों के साथ-साथ कई पूर्व विधायक और सांसदों को भी बुलाया गया है।

अखिलेश ने ब्राह्मण कार्ड

विधानसभा चुनाव से पहले सपा का ब्राह्मणों के साथ बैठक करना एक रणनीति का हिस्सा है। भाजपा सरकार में सीएम योगी के कार्यकाल के दौरान राज्य में ब्राह्मण वोटरों की नाराजगी खबरों ने काफी सुर्खियां बटोरी। इसके बाद से ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव लगातार ब्राह्मणों को अपने पाले में लाने की कवायद में जुट गए हैं और बैठकों के जरिए खुद को ब्राह्मणों का सबसे बड़ा हिमायती दिखाना चाहते हैं।

ओबीसी वोटर्स पर मायावती की नजर

सपा ब्राह्मण कार्ड खेल रही है तो बसपा प्रमुख मायावती ओबीसी को अपने पाले में लाने की कोशिशों में जुटी हैं। मंगलवार को मायावती ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे 2027 विधानसभा चुनावों से पहले प्रदेश में ओबीसी का समर्थन जुटाने की कोशिश करें। ओबीसी को अपने पाले में करके मायवती 2007 के चुनावी नतीजे दोहराने की तैयारी करती दिख रही हैं।

याद दिलाया 2007 का परिणाम

अपने एक्स हैंडल पर प्रेस विज्ञप्ति साझा करते हुए मायावती ने इसकी जानकारी दी। विज्ञप्ति के अनुसार, बीएसपी प्रमुख बहन कु मायावती द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी समाज) को सन 2007 में यूपी में बीएसपी की पहली पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में उनके ऐतिहासिक योगदान को एक बार फिर सन 2027 के विधानसभा आमचुनाव में दोहराने के प्रयास में बैठकों में पिछले दिशा-निर्देशानुसार उनकी जमीनी तैयारियों व जनाधार को बढ़ाने सम्बंधी उनके कार्यकलापों आदि की गहन समीक्षा तथा चुनाव सम्बंधी विशेष निर्देश यहां जारी।

मंत्री ओमप्रकाश राजभर का बड़ा दावा

कभी भी टूट सकती है अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की सियासत में एक बार फिर बयानों के तीर चलने शुरू हो गए हैं। यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बोला है। राजभर ने दावा किया है कि अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ताश के पत्तों की तरह कभी भी बिखर सकती है और उसमें एक बहुत बड़ी टूट होने वाली है।

सोशल मीडिया पर खोला चिट्ठी का राज

ओपी राजभर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा कि सपा में जल्द ही बड़ी बगावत दिखेगी। उन्होंने एक अंदरूनी बात का दावा करते हुए कहा कि सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने देश के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है और उन्हें एक बेहद अहम चिट्ठी सौंपी है। राजभर के इस दावे के बाद से राजनीतिक गलियारों में कयासों का दौर शुरू हो गया है।

महाराष्ट्र छोड़िए, अब उत्तर प्रदेश की बारी है

पत्रकारों से बातचीत के दौरान सुभासपा प्रमुख ने देश के बाकी राज्यों के सियासी हालात का जिक्र करते हुए कहा कि अब लोगों को सिर्फ महाराष्ट्र या पश्चिम बंगाल की राजनीति पर ही ध्यान नहीं देना चाहिए, क्योंकि अब असली बारी उत्तर प्रदेश की आ चुकी है। राजभर ने तंज कसते हुए कहा कि किसी भी नेता को तभी खरीदा जा सकता है, जब वह खुद बिकने के लिए बाजार में तैयार बैठा हो।

घोटालों के शिकंजे से परेशान है सपा नेतृत्व

भ्रष्टाचार के पुराने मुद्दों पर अखिलेश यादव को घेरते हुए राजभर ने कहा कि पूरा उत्तर प्रदेश अच्छी तरह जानता है कि राज्य के बहुचर्चित खनन घोटाले और गोमती रिवर फ्रंट घोटाले का असली मास्टरमाइंड कौन है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन के मामले में जांच एजेंसियां पहले ही अखिलेश यादव का नाम दर्ज कर चुकी हैं। अब जब जांच का शिकंजा कसने लगा है, तो पूरी समाजवादी पार्टी अंदर से बुरी तरह परेशान हो उठी है।

शॉर्ट स्टोरी

लग्जरी कार में भर लीं 7 बकरियां, फिर गाड़ी छोड़कर भागे चोर

हिंदमाता नेटवर्क @ रोहतास

बकरी चोरी की खबरें आपने पहले भी सुनी होंगी। लेकिन क्या कभी सुना है कि चोर बकरियां चुराने के लिए लग्जरी कार लेकर पहुंचे हों? बिहार के रोहतास से आई यह कहानी कुछ ऐसी ही है। यहां चोरों ने पहले गांव से बकरियां चुराईं, फिर उन्हें कार में भरकर निकल पड़े। शायद उन्हें लगा होगा कि लग्जरी गाड़ी देखकर किसी को शक नहीं होगा। लेकिन पुलिस को भनक लग गई और फिर शुरू हुआ पीछा। आखिर में चोर तो भाग निकले, लेकिन उनकी सफारी कार और उसमें सातों बकरियां पुलिस के हाथ लग गईं। मामला अकोढ़ीगोला थाना क्षेत्र का है। पुलिस का कहना है कि चिरैयाडीह गांव से पांच और बाघाखोह गांव से दो बकरियां चोरी की गई थीं। बकरी मालिक लाल बिहारी यादव ने पुलिस को सूचना दी कि कुछ लोग उनकी बकरियां लेकर भाग गए हैं। चोर किसी पिकअप या ट्रक में नहीं, बल्कि एक लग्जरी सफारी कार में सवार थे। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई। आसपास के इलाकों में नाकेबंदी कर दी गई और संदिग्ध गाड़ी की तलाश शुरू हो गई। कुछ ही देर में पुलिस को सफारी कार का सुराग मिल गया। इसके बाद पुलिस ने पीछा शुरू कर दिया। पुलिस की गाड़ियां पीछे थीं और सामने बकरियों से भरी सफारी कार, लेकिन जैसे-जैसे पुलिस करीब पहुंची, चोरों की मुश्किल बढ़ती गई। आखिरकार तेतराढ़ के पास आरोपियों ने गाड़ी को नहर किनारे गड्ढे में छोड़ दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो गाड़ी के अंदर सात बकरियां मौजूद थीं। पुलिस ने सभी बकरियों को सुरक्षित बाहर निकाला और कब्जे में ले लिया।

बिहार में बजाया 'डबल मीनिंग' गाना तो खाएंगे जेल की हवा

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार सरकार ने सार्वजनिक स्थानों और कार्यक्रमों में अश्लील, द्विअर्थी (डबल मीनिंग) तथा जातीय भावनाएं भड़काने वाले गानों के प्रसारण पर सख्त रुख अपनाया है। सरकार ने ऐसे गीत बजाने या गाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव प्रणव कुमार ने गृह विभाग को पत्र लिखकर इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। इस पत्र की प्रतिलिपि राज्य के सभी जिलाधिकारियों, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों (एसएसपी), पुलिस अधीक्षकों (एसपी) और अन्य संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई है। पत्र में कहा गया है कि राज्य के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों, बाजारों, वाहनों, विवाह समारोहों और अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अश्लील, द्विअर्थी और जातिवादी भावनाओं को बढ़ावा देने वाले गीत खुलेआम बजाए जा रहे हैं। इससे समाज में भाईचारे और सौहार्द की भावना मजबूत होने के बजाय अश्लीलता, आपसी वैमनस्य, कटुता और तनाव बढ़ रहा है। कला एवं संस्कृति मंत्री प्रमोद कुमार ने कहा कि ऐसे गीत आम लोगों, खासकर महिलाओं और बच्चों के लिए असहज माहौल पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और लोक भाषाओं की गरिमा बनाए रखना आवश्यक है। अश्लील और डबल मीनिंग गीत न केवल सामाजिक मूल्यों के खिलाफ हैं, बल्कि कानून-व्यवस्था की दृष्टि से भी अनुचित हैं। मंत्री ने कहा कि यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुकी है, जिसका नकारात्मक प्रभाव महिलाओं, बच्चों और पूरे समाज पर पड़ रहा है। इसलिए ऐसे गीतों के प्रसारण और प्रदर्शन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जाने जरूरी हैं।

बिहार चुनाव: पार्टियों को 281 करोड़ रुपए चंदा, खर्च कितना?

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार में पिछले साल (2025) में विधानसभा चुनाव हुए थे। जिसमें तमाम राजनीतिक पार्टियों ने भाग लिया था। क्या आप जानते हैं कि इस दौरान इन पार्टियों ने कितना चंदा जुटाया था और सबसे ज्यादा पैसा कहां खर्च किया गया। चलिए आपको बताते हैं। राजनीतिक दलों ने कुल 281.32 करोड़ रुपए का चंदा इकट्ठा किया था और 193.47 करोड़ रुपए खर्च किए। जिसमें सबसे ज्यादा नेताओं के चुनाव प्रचार पर खर्च हुआ।एसोसिएशन फोर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। दरअसल पांच राष्ट्रीय पार्टियों और पांच क्षेत्रीय पार्टियों द्वारा दाखिल खर्च के ब्योरों का विश्लेषण किया गया। राष्ट्रीय पार्टियों बीजेपी, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) वहीं क्षेत्रीय पार्टियों जिनमें राष्ट्रीय जनता दल (राजद), जनता दल यूनाइटेड (जदयू), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), एआईएमआईएम और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) शामिल थीं। रिपोर्ट के मुताबिक 10 पार्टियों ने मिलकर चंदा के तौर पर 281.323 करोड़ रुपए जुटाए, जबकि उनका कुल खर्च 193.466 करोड़ रुपए रहाय इस तरह जमा किए गए फंड और बताए गए खर्च के बीच करीब 88 करोड़ रुपए का अंतर रहा। राजनीतिक दलों के कुल खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा चुनाव प्रचार पर गया। पार्टियों ने प्रचार में 100.429 करोड़ रुपए खर्च किए जो कुल खर्च का 36.68 प्रतिशत है। पार्टियों ने नेताओं की यात्रा पर 79.539 करोड़ रुपए खर्च किए। वहीं उम्मीदवारों को एकमुश्त रकम के तौर पर 62.07 करोड़ रुपए बांटे गए। सोशल मीडिया मंच और दूसरे डिजिटल माध्यमों से वर्चुअल प्रचार पर 13.074 करोड़ रुपए खर्च हुए, जबकि पार्टियों ने चुनाव आयोग के निर्देशानुसार उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने पर 3.886 करोड़ रुपए खर्च किए।

बाप- बेटे और गर्लफ्रेंड की तिकड़ी ने मचाई थी 4 करोड़ की लूट

तनिष्क शोरूम कांड का खुलासा

हिंदमाता नेटवर्क @ गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद शहर के चर्चित तनिष्क शोरूम में हुई चार करोड़ रुपए से अधिक की चोरी के मामले में पुलिस जांच ने रिश्तों और लालच की ऐसी कहानी उजागर की है जिसने सभी को चौंका दिया है। इस सनसनीखेज वारदात का मास्टरमाइंड शोरूम का ही कर्मचारी निकला, जिसने अपनी प्रेमिका और पिता के साथ मिलकर करोड़ों रुपए के आभूषण उड़ाने की साजिश रची। थाना कविनगर पुलिस और नगर जोन स्वाट टीम ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की बड़ी वारदात का खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार तनिष्क शोरूम में कार्यरत नितिन वर्मा की नजर लंबे समय से शोरूम में रखे करोड़ों रुपए के सोने के आभूषणों पर थी। ऐशो-आराम और जल्दी अमीर बनने की चाहत में उसने अपनी प्रेमिका काजल और पिता संजय वर्मा को योजना में शामिल किया। इसके बाद तीनों ने मिलकर शोरूम से जेवरात चोरी करने की विस्तृत रणनीति तैयार की। साजिश के तहत नितिन ने पहले शोरूम के कर्मचारियों का भरोसा जीता और फिर अपनी शादी तय होने की खुशी का बहाना बनाकर पार्टी आयोजित की। इसी दौरान कैशियर को नशे की हालत में पहुंचाकर उसकी चाबियां चोरी कर ली गईं। अगले दिन सुबह शोरूम का ताला खोलकर करोड़ों रुपए के आभूषण निकाल लिए गए और उन्हें अलग-अलग स्थानों पर छिपा दिया गया। जांच में सामने आया कि चोरी के बाद आभूषणों का बंटवारा किया गया था।

नितिन की प्रेमिका काजल भी इस पूरी साजिश में सक्रिय रूप से शामिल थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उसके हिस्से में आए जेवरात भी बरामद कर लिए गए हैं। पूछताछ में काजल ने स्वीकार किया कि उसे चोरी की योजना की पूरी जानकारी थी और वह शुरुआत से ही इसमें शामिल थी। यही वजह रही कि पुलिस ने उसे भी मुख्य आरोपियों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि यह केवल चोरी नहीं बल्कि विश्वासघात का मामला भी है। शोरूम का कर्मचारी होने के नाते उस पर करोड़ों रुपए के आभूषणों की सुरक्षा का भरोसा था, उसी ने अपने सबसे करीबी रिश्तों के साथ मिलकर शोरूम को निशाना बना लिया। मामले में गिरफ्तार पिता-पुत्र और प्रेमिका की तिकड़ी ने पुलिस पूछताछ में चोरी की साजिश की पुष्टि की है। कविनगर पुलिस और स्वाट टीम ने आरोपियों के कब्जे से करीब दो किलोग्राम सोने के आभूषण, 6.5 लाख रुपए नकद, एक अवैध तमंचा और छह कारतूस बरामद किए हैं।

आगरा-धौलपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा

तीन की मौत; 11 घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ आगरा

आगरा-धौलपुर हाईवे पर बुधवार को एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा थाना सैंया क्षेत्र के तेहरा गांव के पास हुआ, जहां नेक्सॉन और अर्टिगा कार के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

टायर फटने से हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार नेक्सॉन कार का टायर अचानक फट गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। अनियंत्रित होकर कार दूसरी लेन में पहुंच गई और सामने से आ रही अर्टिगा से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर की आवाज दूर तक सुनाई दी और दोनों वाहनों में सवार लोग बुरी तरह फंस गए। हादसे में धौलपुर निवासी रिंकू और दतिया निवासी विवेक मीना समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 11 अन्य लोग घायल हो गए, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गईं। राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए घायलों को बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

तेंदुए से आधे घंटे तक लड़ा युवक, कुछ देर बाद हो गई तेंदुए की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ श्रावस्ती

उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में इंसान और तेंदुए के आमने-सामने आने की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। सिरसिया थाना क्षेत्र के विभूति नाथ मंदिर इलाके में मंगलवार को एक तेंदुए ने किशोर पर हमला कर दिया। जान बचाने की जद्दोजहद में किशोर ने करीब आधे घंटे तक तेंदुए का मुकाबला किया। इस संघर्ष में किशोर और तेंदुआ दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में तेंदुए की मौत हो गई, जबकि किशोर का अस्पताल में उपचार चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, घटना उस समय हुई जब क्षेत्र में अचानक तेंदुआ पहुंच गया। बताया जा रहा है कि भीषण गर्मी और पानी की कमी के कारण वह जंगल से निकलकर रिहायशी इलाके की ओर आ गया था। इसी दौरान उसकी किशोर से मुठभेड़ हो गई और उसने हमला कर दिया। मौजूद लोगों ने बताया कि तेंदुए के हमले के बाद किशोर ने हिम्मत नहीं हारी और खुद को बचाने के लिए लगातार संघर्ष करता रहा। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके की ओर दौड़े। लोगों की भीड़ बढ़ती देख तेंदुआ किशोर को छोड़कर पास के एक खेत में जाकर बैठ गया। तब तक दोनों गंभीर रूप से घायल हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही किशोर के परिजन मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे भिनगा भेजा गया, जहां से डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे बहराइच रेफर कर दिया। फिलहाल उसका उपचार जारी है।

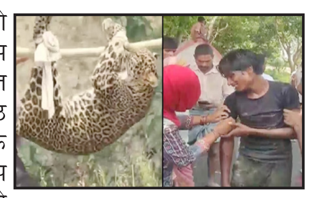

हैवान बना पति, पहले पत्नी के साथ पी शराब, फिर चुन्नी से गला घोंटकर ले ली जान

हिंदमाता नेटवर्क @ ग्रेटर नोएडा

ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते को शर्मसार करने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक युवक ने विवाद के बाद अपनी पत्नी की उसी की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

9 साल पहले किया था प्रेम विवाह

पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान कविता के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कविता ने करीब 9 वर्ष पहले आरोपी मोहित से प्रेम विवाह किया था। मोहित मूल रूप से दादरी थाना क्षेत्र के चिटहेरा गांव का रहने वाला बताया जा रहा है और वर्तमान में वह पत्नी के साथ दादरी क्षेत्र के जारचा रोड पर रह रहा था। दोनों के एक बेटा और एक बेटी हैं। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि पति-पत्नी दोनों शराब पीने के आदी थे। घटना से पहले भी दोनों ने शराब पी थी, जिसके बाद किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया।

आरोपी की तलाश

दादरी थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका कविता के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्राथमिक जांच में पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद हत्या की बात सामने आई है। वहीं, उसका पति मोहित घटना के बाद मौके से फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई है।

चुन्नी से घोंट दिया गला

थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि पुलिस को डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली थी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। पड़ोसियों ने बताया कि रात करीब 3 बजे के आसपास दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो रही थी, जिसके बाद उन्हें शांत करा दिया गया और वे अपने कमरे में सोने चले गए। लेकिन जब सुबह काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला, तो पड़ोसियों ने दरवाजा खोलकर देखा। अंदर पत्नी मृत अवस्था में पड़ी हुई मिली। वारदात के बाद आरोपी पति मौके से फरार है।

बदायूं में भीषण सड़क हादसा

ई-रिक्शा और ट्रैक्टर की टक्कर में 6 महिलाओं की मौत, 3 घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ बदायूं

उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 6 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हो गए। हादसा उझानी कोतवाली क्षेत्र में बरेली-मथुरा हाईवे पर उस समय हुआ जब शादी समारोह के लिए भात मांगने जा रही महिलाओं से भरे ई-रिक्शा की ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार ई-रिक्शा में कुल 9 लोग सवार थे। हादसे में 6 महिलाओं की मौके पर और उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि 2 महिलाओं तथा ई-रिक्शा चालक का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। मृतकों में प्रेमा (32) पत्नी रामचंद्र, गंगाश्री उर्फ सरला (32) पत्नी वीरपाल, राजुकुमारी (50) पत्नी डाल सिंह, रेवती (80) पत्नी रामचंद्र, नारायणी (30) पत्नी जितेंद्र तथा आरती (30) पत्नी वीरपाल शामिल हैं। आरती ने मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। जिलाधिकारी अवनीश राय और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए।

जिलाधिकारी अवनीश राय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ई-रिक्शा चालक एक ट्रैक्टर को बचाने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान सामने से तेज गति से आ रहे दूसरे ट्रैक्टर से उसकी टक्कर हो गई, जिसके बाद यह भीषण हादसा हुआ। डीएम ने बताया कि दुर्घटना में शामिल दोनों ट्रैक्टर चालकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने सभी मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा आगे की विधिक कार्रवाई जारी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। जिस परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है।

हिंदमाता एंकर: पार्टी का मानना है कि इन सम्मेलनों की सफलता ही चुनाव में उनके टिकट के दावों को पुख्ता और मजबूत करेगी

मिशन 2027 के लिए मायावती का बड़ा दांव, जुलाई के अंत तक घोषित करेगी 100 से ज्यादा उम्मीदवार

हिंदमाता संवाददाता @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी ने अपनी कमर पूरी तरह कस ली है। बसपा अध्यक्ष मायावती के कड़े निर्देशों के बाद पार्टी ने अब अपने उम्मीदवारों के चयन की रफ्तार को काफी तेज कर दिया है। बसपा की योजना जुलाई महीने के अंत तक 100 से अधिक प्रत्याशियों के नामों की घोषणा करने की है। बसपा राजनीतिक गलियारे में एकमात्र ऐसी पार्टी बनकर उभरी है, जिसने चुनाव से करीब 10 महीने पहले ही अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अब तक करीब 10 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम सहमति भी बन चुकी है। इस रणनीति का मुख्य मकसद जनता के बीच उम्मीदवारों की पकड़ मजबूत करना है।

जिलों में शुरू होंगे बड़े कार्यकर्ता सम्मेलन

मायावती के निर्देश पर अब सभी जिलों में संभावित उम्मीदवारों की मदद और जमीनी पकड़ मजबूत करने के लिए कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों में बसपा के वरिष्ठ पदाधिकारी हिस्सा लेंगे, ताकि कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ाया जा सके। पार्टी का मानना है कि इन सम्मेलनों की सफलता ही चुनाव में उनके टिकट के दावों को पुख्ता और मजबूत करेगी।

अयोध्या और अकबरपुर से जनसभाओं की शुरुआत

पार्टी ने लोगों के बीच उम्मीदवारों पर भरोसा कायम करने के लिए कई बड़े जिलों में जनसभाओं का पूरा कार्यक्रम तय कर लिया है। इन जनसभाओं की शुरुआत उत्तर प्रदेश के बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्रों अयोध्या और अकबरपुर से होने जा रही है। इन दोनों ही बड़ी जनसभाओं को बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल समेत पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी संबोधित करेंगे।

असंतोष का फायदा उठाने की करेंगी कोशिश

इस बार बसपा की नजर भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के असंतुष्ट नेताओं पर टिकी है। मायावती खुद रोजाना कई बड़े नेताओं से मुलाकात कर उन्हें बसपा में शामिल कर रही हैं। इन नेताओं को चुनाव में उनकी उम्मीदवारी तय करने का पूरा आश्वासन दिया जा रहा है। इसके अलावा, बसपा छोटे दलों को खुद में विलय करने के बजाय उनके प्रमुख नेताओं को सीधे पार्टी की सदस्यता दिलाकर अपने पाले में ला रही है।

ओबीसी समाज से बोलीं- सत्ता की चाबी हाथ में लें

चुनाव की तैयारियों के बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को एक बड़ा लिखित बयान जारी करते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज को सीधी नसीहत दी है। मायावती ने कहा कि ओबीसी समाज को अगर अपनी मौजूदा हालत में सुधार करना है, तो उन्हें अपनी किस्मत पर रोना बंद करना होगा। इस समाज के लिए रोना कोई समाधान नहीं है, बल्कि उन्हें सत्ता की मास्टर चाबी सीधे अपने हाथों में लेनी होगी।

विरोधियों को बताया जातिवादी

मायावती ने अपने बयान में विरोधी राजनीतिक दलों को आड़े हाथों लेते हुए उन्हें पूरी तरह जातिवादी और संकीर्ण मानसिकता वाला बताया। उन्होंने दावा किया कि विरोधी पार्टियों का रवैया हमेशा से ओबीसी समाज के प्रति बेहद खराब रहा है। इन पार्टियों ने राजनीतिक और चुनावी स्वार्थ के कारण ही कभी किसी ओबीसी वर्ग के व्यक्ति को आगे बढ़ाया है, जबकि ओबीसी समाज का असली हित और सुरक्षा सिर्फ और सिर्फ बसपा के साथ ही संभव है।

कनाडा में लॉरेंस गैंग पर बड़ी कार्रवाई, शूटर किंगरा को डिपोर्ट करेगी पुलिस

एक साथ 400 केस भी खोले

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कनाडा में भारत के कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गैंग से जुड़े एक शूटर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हुई है। कनाडा के इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी बोर्ड ने बिश्नोई गैंग के लिए गोली चलाने वाले भारतीय नागरिक अबजीत किंगरा को देश से बाहर निकालने यानी डिपोर्ट करने का आदेश दिया है। अबजीत किंगरा साल 2018 में स्टडी परमिट पर कनाडा पहुंचा था। आरोप है कि कनाडा पहुंचने के बाद वह धीरे-धीरे बिश्नोई गैंग के संपर्क में आया और गैंग के लिए काम करने लगा। जांच एजेंसियों के मुताबिक, उसने ब्रिटिश कोलंबिया के कोलवुड इलाके में एक घर पर बिश्नोई गैंग के इशारे पर फायरिंग की थी। सितंबर 2024 में हुई इस वारदात में किंगरा ने कथित तौर पर पीड़ित के घर पर करीब 14 गोलियां चलाई, जबकि उसके साथी ने घर के बाहर खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी थी। यह हमला पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के घर पर हुआ था। घटना के बाद बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया था, जिसमें फायरिंग की जिम्मेदारी लेने की कोशिश की गई थी।

बिश्नोई गैंग में कैसे शामिल हुआ था किंगरा?

कनाडाई जांच एजेंसियों के मुताबिक, किंगरा को एक मूविंग कंपनी में काम करने के दौरान गैंग के लोगों ने अपने साथ जोड़ा। किंगरा ने सुनवाई के दौरान दावा किया कि उसे सिर्फ पैसे का लालच देकर इस वारदात में शामिल किया गया था और उसे नहीं पता था कि वह बिश्नोई गैंग के लिए काम कर रहा है। उसने कहा कि वह अपने माता-पिता को पैसे भेजना चाहता था और इसी वजह से वह इस अपराध में शामिल हो गया। हालांकि कनाडा बॉर्डर सर्विस एजेंसी (CBSA) ने कहा कि संगठित गैंग अपने सदस्यों को इस तरह इस्तेमाल करते हैं कि छोटे स्तर के लोग केवल अपने ऊपर वाले व्यक्ति को जानते हैं।

एक साथ 400 से ज्यादा मामलों की जांच शुरू

कनाडाई एजेंसियों के अनुसार, बिश्नोई गैंग ने वहां भारतीय मूल के कारोबारियों, सिंगर्स और अन्य लोगों को निशाना बनाकर धमकी भरे कॉल, मैसेज और सोशल मीडिया के जरिए पैसे की मांग की। पीड़ितों को हिंसा और संपत्ति नुकसान की धमकियां दी गईं। कनाडा बॉर्डर सर्विस एजेंसी ने बताया कि एक्सटॉर्शन और गैंग हिंसा से जुड़े 400 से ज्यादा मामलों की जांच शुरू हो गई है और कई संदिग्धों को देश से बाहर किया जा चुका है।

किंगरा के दोस्त विक्रम को खोज रही पुलिस

किंगरा फिलहाल छह साल की सजा काट रहा है। उसके खिलाफ दूसरे हमले से जुड़ा मामला भी चल रहा है। डिपोर्टेशन आदेश के खिलाफ किंगरा अपील करने की तैयारी में है। उसने दावा किया है कि अगर उसे भारत भेजा गया तो बिश्नोई गैंग उसे नुकसान पहुंचा सकता है। हालांकि इमिग्रेशन बोर्ड ने कहा कि उसने अपने इस दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया।

बांग्लादेश में राम की मूर्ति के निर्माण पर रोक से बड़ा बवाल

तस्लीमा नसरीन भी भड़कीं

हिंदमाता नेटवर्क @ ढाका

बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी में स्थित श्री श्री राधा गोविंद और काली मंदिर में भगवान राम की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा बनाने का काम रोक दिया गया है। इस भव्य प्रोजेक्ट के तहत भगवान राम की 81 फीट, भगवान कृष्ण की लगभग 50 फीट और शिव जी की 30 फीट ऊंची मूर्ति बनाई जा रही थी। इस्लामी कट्टरपंथी समूहों के भारी दबाव और लगातार विरोध के कारण मंदिर समिति को अचानक यह बड़ा निर्माण कार्य रोकना पड़ा है। इससे अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय में अपनी सुरक्षा और धार्मिक आजादी को लेकर गहरी चिंता और भारी आक्रोश पैदा हो गया है। हिंदू समुदाय के लिए एक बड़ा केंद्र बनाने के इस अहम प्रोजेक्ट में करीब 22 करोड़ बांग्लादेशी टका की भारी लागत लगनी थी। लेकिन अब इस पवित्र निर्माण के रुकने से पूरे देश में एक नया विवाद और बहुत बड़ा बवाल खड़ा हो गया है। निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन ने भी इस पूरी घटना पर चिंता जताते हुए अल्पसंख्यकों की धार्मिक आजादी पर कई बड़े सवाल खड़े किए हैं। वहीं कूटनीतिक मोर्चे पर तारिक रहमान ने नेपाल को 1,750 किलो आम भेजे हैं लेकिन दिल्ली के साथ उनका तनाव अभी भी जारी है।

ढाका में विरोध प्रदर्शन

मूर्ति निर्माण रुकने और भगवान राम के अपमान के विरोध में ढाका यूनिवर्सिटी के हिंदू छात्रों ने एक विशाल विरोध रैली निकाली। गुस्साए छात्रों ने शाहबाग चौराहे पर पहुंचकर सड़क जाम कर दी और अपना कड़ा विरोध जताते हुए आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। छात्र नेता राम प्रसाद साहा ने अपने संबोधन में स्पष्ट कहा कि कुछ चरमपंथी समूह जानबूझकर अफवाहें फैलाकर धार्मिक तनाव भड़काने की साजिश कर रहे हैं।

मंदिर समिति और लेखिका तस्लीमा नसरीन का बयान

मंदिर के सलाहकार श्यामलाल कुमार महंता ने बताया कि देश की कानून-व्यवस्था और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने के लिए फिलहाल यह फैसला लिया गया है। समिति अपनी तरफ से किसी भी तरह के धार्मिक विवाद का हिस्सा बिल्कुल नहीं बनना चाहती और न ही किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना चाहती है। हालांकि सनातन धर्म के लोगों का सीधा आरोप है कि कट्टरपंथी समूह शुरुआत से ही इस निर्माण कार्य में लगातार कई तरह की रुकावटें डाल रहे थे।

बिजनेस वर्ल्ड

लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग का 88.51 करोड़ रुपए के एसएमई आईपीओ

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बेंगलुरु स्थित इंजीनियरिंग ठेकेदार लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड शेयर बाजार में प्रवेश करने जा रही है। कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 17 से 19 जून 2026 तक का समय निर्धारित किया है। यह इश्यू बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लॉन्च होगा और शेयरों का मूल्य बैंड 21 रुपए से 23 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से कुल 88.51 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। इसमें से 79.60 करोड़ रुपए की राशि 3.46 करोड़ नए इक्विटी शेयरों के फ्रेश इश्यू से प्राप्त होगी, जबकि 8.91 करोड़ रुपए की राशि मौजूदा शेयरधारकों द्वारा ऑफर फॉर सेल के माध्यम से आएगी। सूचीबद्ध होने के बाद प्रमोटरों की हिस्सेदारी 67 प्रतिशत से अधिक रहेगी। फ्रेश इश्यू से प्राप्त राशि का बड़ा हिस्सा कंपनी के विस्तार कार्यक्रम में लगाया जाएगा। लगभग 27 करोड़ रुपए बेंगलुरु के येलेनहल्ली क्षेत्र में एक नई असेंबली सुविधा स्थापित करने पर खर्च किए जाएंगे, जबकि 36 करोड़ रुपए कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपयोग किए जाएंगे। शेष राशि का उपयोग इश्यू से संबंधित खर्चों और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। यह नई फैक्ट्री केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए ही नहीं, बल्कि पैनल असेंबली कार्य के लिए बाहरी विक्रेताओं पर कंपनी की निर्भरता कम करने के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। बढ़ते निर्यात ऑर्डरों के बीच यह निर्भरता अब तक कंपनी के लिए एक संरचनात्मक चुनौती रही है। वर्ष 2005 में स्थापित लीपफ्रॉग ने अपनी शुरुआत एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग सेवा प्रदाता के रूप में की थी। आज कंपनी इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंटेशन, ऑटोमेशन और कंट्रोल सिस्टम्स में विशेषज्ञता रखने वाली बहुआयामी इंजीनियरिंग समाधान प्रदाता बन चुकी है। पिछले दो दशकों में कंपनी ने भारत के साथ-साथ कुवैत, अमेरिका, जर्मनी, नाइजीरिया और कनाडा सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सफलतापूर्वक परियोजनाएं पूरी की हैं।

मुंबई पोर्ट अथॉरिटी द्वारा स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया सम्मानित, ऑटोमोबाइल: टॉप एक्सपोर्टर घोषित किया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को मुंबई पोर्ट अथॉरिटी द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ऑटोमोबाइल: टॉप एक्सपोर्टर सम्मान से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि ग्रुप के उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन और भारत की वैश्विक ऑटोमोबाइल हब के रूप में भूमिका को मजबूत करने में योगदान को मान्यता देती है। एसएवीडब्ल्यूआईपीएल ने वित्त वर्ष 2025-26 में मुंबई पोर्ट के माध्यम से 40,000 से अधिक वाहनों का निर्यात कर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार बिजनेस कॉन्क्लेव विद पार्टनर्स में प्रदान किया गया। ग्रुप का मेक इन इंडिया, फॉर इंडिया एंड द वर्ल्ड विजन भारत को कार निर्माण और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाने में लगातार उत्प्रेरक साबित हो रहा है। एसएवीडब्ल्यूआईपीएल की ओर से ऑटोमोबाइल: टॉप एक्सपोर्टर अवॉर्ड अमित मदान, वाइस प्रेसिडेंट - लॉजिस्टिक्स रीजन इंडिया ने प्राप्त किया। यह सम्मान डॉ। एम। अंगमुथु, चेयरपर्सन, मुंबई पोर्ट अथॉरिटी (आईएएस) और श्री आदेश तितरमारे, डिप्टी चेयरपर्सन, मुंबई पोर्ट अथॉरिटी (आईएएस) द्वारा कॉन्क्लेव में प्रदान किया गया। मुंबई पोर्ट एसएवीडब्ल्यूआईपीएल के निर्यात संचालन के लिए एक रणनीतिक गेटवे बना हुआ है, जो दुनिया के अनेक बाजारों तक कुशल पहुँच सुनिश्चित करता है और ग्रुप की अंतरराष्ट्रीय रणनीति में भारत की भूमिका को और मजबूत करता है। यह सम्मान एसएवीडब्ल्यूआईपीएल को पहले वित्त वर्ष 2023-24 में मुंबई पोर्ट अथॉरिटी द्वारा टॉप एक्सपोर्टर के रूप में मिली पहचान के बाद आया है, जो भारत में निर्मित और इंजीनियर किए गए वाहनों के अग्रणी निर्यातक के रूप में ग्रुप की निरंतर वृद्धि को रेखांकित करता है। पिछले वर्षों में एसएवीडब्ल्यूआईपीएल ने अपने निर्यात विस्तार को लगातार बढ़ाया है और अब तक एशिया, अफ्रीका, मध्य पूर्व और उत्तरी अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में 7,25,000 से अधिक मेड-इन-इंडिया वाहनों की शिपमेंट की है। यह उपलब्धि भारत सरकार के मेक इन इंडिया विजन के प्रति कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, पियूष अरोड़ा, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, मुंबई पोर्ट अथॉरिटी द्वारा एक बार फिर से सम्मानित होना एसएवीडब्ल्यूआईपीएल के लिए गर्व का क्षण है। यह पुरस्कार हमारे मजबूत निर्यात प्रदर्शन और हमारी टीमों के गुणवत्ता, विश्वसनीयता और वैल्यू चेन में ऑपरेशनल एक्सीलेंस पर लगातार ध्यान का प्रमाण है।

कमाल का आईपीओ, 80 रुपए जीएमपी! 8 दिन बाद खुलेगा ज्वेलरी कंपनी का पब्लिक इश्यू

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

जयपुर की ज्वेलरी कंपनी 'अद्वित ज्वेल्स' ने अपने आने वाले आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का एलान कर दिया है। इसका आईपीओ अगले हफ्ते प्राइमरी मार्केट में आएगा। अद्वित ज्वेल्स IPO का प्राइस बैंड 130 रुपए से 138 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। ये मेनबोर्ड का पब्लिक इश्यू है, जो सब्सक्रिप्शन के लिए 23 जून को खुलेगा और 25 जून को बंद होगा। निवेशक 100 इक्विटी शेयरों के लॉट में आईपीओ के लिए अप्लाई कर सकते हैं। अद्वित ज्वेल्स आईपीओ पूरी तरह से 1.19 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू है, जिसमें ऑफर-फॉर-सेल का कोई हिस्सा नहीं है। इसका मतलब है कि शेयर की बिक्री से मिलने वाली पूरी रकम कंपनी को मिलेगी। कंपनी प्राइस बैंड के ऊपरी स्तर पर 165 करोड़ जुटाने की योजना बना रही है। अद्वित ज्वेल्स फ्रेश इश्यू से मिलने वाले 65 करोड़ रुपए का इस्तेमाल अपनी बढ़ती वर्किंग कैपिटल जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी और 65 करोड़ रुपए का इस्तेमाल कुछ बकाया कर्जों को पूरी तरह या आंशिक रूप से चुकाने (रीपेमेंट/प्री-पेमेंट) और सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए करेगी। इस आईपीओ में, 50% से अधिक हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए, 15% से कम हिस्सा नॉन-इन्स्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए और कम से कम 35% हिस्सा रिटेल इंडिविजुअल बिडर्स के लिए रिजर्व किया गया है। अद्वित ज्वेल्स के शेयरों की अनऑफिशियल मार्केट में अच्छी डिमांड है। इसका संकेत चल रहे आईपीओ के ग्रे मार्केट प्रीमियम से भी मिल रहा है। आज इंवेस्टरगेन के अनुसार अद्वित ज्वेल्स आईपीओ का जीएमपी 80 रुपए है। इसका मतलब है कि अद्वित ज्वेल्स के शेयर प्राइस बैंड के ऊपरी स्तर से 80 रुपए अधिक, यानी 218 रुपए प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहा है। मौजूदा जीएमपी के हिसाब से, अद्वित ज्वेल्स आईपीओ का शेयर 58% प्रीमियम पर लिस्ट हो सकता है। अद्वित ज्वेल्स आईपीओ के लिए सबसे अधिक जीएमपी 91 रुपए रहा है। अद्वित ज्वेल्स पारंपरिक और आधुनिक हाथ से बनी फाइन ज्वेलरी बनाती और बेचती है, जिसमें कुंदन, पोल्की, डायमंड और जड़े हुए (स्टडेड) पीस शामिल हैं। यह अपनी ज्वेलरी रामभजो ब्रांड नाम से बेचती है। कंपनी के प्रोडक्ट्स में नेकलेस, इयररिंग्स, अंगूठियां, चूड़ियां और कस्टमाइज्ड ज्वेलरी पीस शामिल हैं।

उधार के पैसों से खड़ा हुआ पिज्जा अंपायर, बनी 25 हजार करोड़ की कंपनी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दुनिया की सबसे मशहूर पिज्जा चेन में शामिल पिज्जा हट की शुरुआत बेहद साधारण तरीके से हुई थी। साल 1958 में अमेरिका के कंसास राज्य में रहने वाले दो भाइयों, फ्रैंक और डैन कार्नी ने अपनी मां से 600 डॉलर उधार लेकर एक छोटा सा पिज्जा रेस्टोरेंट खोला था। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह छोटा कारोबार आगे चलकर दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में फैल जाएगा। रेस्टोरेंट के बाहर लगे बोर्ड पर केवल आठ अक्षरों की जगह थी, इसलिए इसका नाम पिज्जा हट रखा गया। शुरुआत में दोनों भाइयों ने मुफ्त पिज्जा स्लाइस बांटकर और छात्रों को आकर्षित करके ग्राहकों की संख्या बढ़ाई। उनका यह प्रयोग सफल रहा और जल्द ही कंपनी ने फ्रेंचाइजी मॉडल के जरिए विस्तार शुरू कर दिया। पिज्जा की बढ़ती लोकप्रियता के साथ पिज्जा हट ने तेजी से विस्तार किया। 1971 तक यह बिक्री के आधार पर दुनिया की सबसे बड़ी पिज्जा चेन बन चुकी थी। 1969 में शुरू किए गए लाल छत वाले इसके रेस्टोरेंट ब्रांड की पहचान बन गए। 1977 में पेप्सिको ने 30 करोड़ डॉलर से ज्यादा में कंपनी का अधिग्रहण कर लिया। बाद में यह कारोबार यम ब्रांड्स के तहत आ गया, जिसके पास केएफसी और टैको बेल जैसे बड़े ब्रांड भी हैं। अपने सुनहरे दौर में पिज्जा हट फैमिली डाइनिंग, बुफे लंच और बड़े रेस्टोरेंट्स के लिए जाना जाता था। दुनिया भर में इसके करीब 20,000 आउटलेट्स तक पहुंच गए। समय के साथ ग्राहकों की पसंद बदलने लगी। 1980 के दशक में डोमिनोज ने होम डिलीवरी मॉडल पर जोर दिया और तेजी से बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाई। दूसरी तरफ पिज्जा हट बड़े डाइन-इन रेस्टोरेंट्स पर निर्भर रहा। स्मार्टफोन और फूड डिलीवरी ऐप्स के दौर में यह चुनौती और बढ़ गई। ग्राहकों ने घर बैठे खाना मंगाना शुरू कर दिया, जिससे पिज्जा हट का पारंपरिक बिजनेस मॉडल कमजोर पड़ने लगा। बढ़ती लागत, महंगाई और बदलती खान-पान की आदतों ने भी कंपनी की मुश्किलें बढ़ाईं।

'मोदी शांत, संयमित और जबरदस्त.. मैं उनके जैसा नहीं'

पीएम की तारीफ में बोले डोनाल्ड ट्रंप

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

फ्रांस के एवियन-ले-बैंस में आयोजित जी7 समिट के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। विश्व नेताओं के साथ वर्किंग लंच के दौरान ट्रंप ने पीएम मोदी को 'शांत, संयमित और जबरदस्त' नेता बताया। हल्के-फुल्के अंदाज में ट्रंप ने खुद की तुलना मोदी से करते हुए कहा, 'मैं प्रधानमंत्री मोदी की तरह शांत, संयमित और जबरदस्त नहीं हूं.. जरा उन्हें देखिए।' कुछ ही देर में पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की द्विपक्षीय मुलाकात होगी। इससे पहले आज दिन में जी7 समिट में शिरकत करने वाले सभी विश्व नेताओं के ग्रुप फोटो सेशन और बैठक के दौरान दोनों नेताओं की संक्षिप्त मुलाकात हुई। ट्रंप और मोदी 16 महीनों से अधिक समय बाद एक दूसरे से मिले। दोनों ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का हैंडशेक करके अभिवादन किया। दोनों के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान माना जा रहा है कि बातचीत के एजेंडे में व्यापार, ऊर्जा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे अहम मुद्दे शामिल होंगे। भारत-अमेरिका संबंधों के लिहाज से यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों देश टैरिफ और ट्रेड डील से जुड़े मतभेदों और होर्मुज में भारतीय नाविकों पर हुए हमलों जैसे तनावपूर्ण मुद्दों से भी जूझ रहे हैं।

अमेरिकी हमले में मारे गए दो नाविकों के शव लाए गए भारत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ओमान की खाड़ी में मर्चेंट जहाज एमटी सेटेबेलो पर हुए अमेरिकी हमले में मारे गए दो भारतीय नाविकों के शव भारत वापस लाए गए हैं। बता दें, अलग-अलग अमेरिकी हमलों में 3 भारतीयों की मौत हुई है। जिसने राजनयिक चिंताएं बढ़ा दी हैं और संघर्ष वाले इलाकों में आम नागरिक जहाजों की सुरक्षा पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। बुधवार को इस ओमान में भारतीय दूतावास ने कहा, एमटी सेटेबेलो पर हुए हमले में दुखद रूप से जान गंवाने वाले आदित्य शर्मा और शिवानंद चौरसिया के शव भारत वापस लाए गए हैं। इस मुश्किल समय में हमारी गहरी संवेदनाएं उनके परिवारों के साथ हैं।

परिवारों की अनिश्चितता हुई खत्म

मरने वाले नाविकों के शवों को वापस लाए जाने से उनके परिवारों की हफ्तों से चली आ रही अनिश्चितता और दुख का दौर खत्म हो गया है। इनमें हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के 23 साल डेक कैडेट आदित्य शर्मा का परिवार भी शामिल है, जिन्होंने अंतिम संस्कार के लिए आदित्य का शव घर लाने में मदद की सार्वजनिक अपील की थी।

मेरे बिना इजरायल नहीं होता, जी7 मंच से बेंजामिन नेतन्याहू पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

फ्रांस के एवियन में चल रहे जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर जमकर बरसे। ट्रंप ने खुले मंच से नेतन्याहू को काफी खरी खोटी सुनाई और दावा किया कि अगर अमेरिका उनके साथ न होता तो इजरायल का कोई अस्तित्व नहीं होता। ट्रंप ने नेतन्याहू को क्रेजी तक कह दिया है जो रिश्तों में भारी तनाव को साफ दिखाता है। यह पूरा मामला अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक बड़ा और बहुत ही अहम मोड़ ला सकता है। दोनों विश्व नेताओं के बीच किसी समय बहुत ही गहरी और मजबूत दोस्ती हुआ करती थी लेकिन अब हालात पूरी तरह से बदल गए हैं। ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने नेतन्याहू को बता दिया है कि लेबनान में उनके हालिया हमलों से अमेरिका खुश नहीं है। ये खतरनाक हमले वाशिंगटन और तेहरान के बीच होने वाली एक अहम शांति डील को भारी खतरे में डाल रहे हैं। यह महत्वपूर्ण शांति डील इसी शुक्रवार को जिनेवा में साइन होने वाली है जिस पर सबकी नजरें हैं। नेतन्याहू पर ट्रंप की नाराजगी के पीछे अमेरिका की घरेलू राजनीति भी एक बहुत बड़ी और मुख्य वजह मानी जा रही है।

यूएई को होर्मुज की जरूरत नहीं, इन 4 तरीकों से भारत-चीन को तेल बेचेगा अबू धाबी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

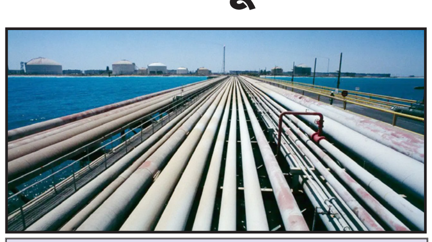

संयुक्त अरब अमीरात ने होर्मुज पर अपनी निर्भरता खत्म करने की तैयारी शुरू कर दी है। यूएई के विदेश व्यापार मंत्री थानी अल जेयूदी का कहना है कि भविष्य में होर्मुज खुला रहे या बंद, इससे उनके देश पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। यूएई का लक्ष्य होर्मुज पर अपनी निर्भरता को शून्य करना है। इसके लिए वह चार मोर्चों पर काम कर रहा है। अबू धाबी की तैयारी 2027 तक होर्मुज पर निर्भरता को लगभग समाप्त करने की है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, हालिया ईरान-इजराइल संघर्ष के दौरान होर्मुज में पैदा हुई अनिश्चितता से यूएई को काफी नुकसान उठाना पड़ा। समुद्री यातायात प्रभावित होने से तेल और व्यापारिक गतिविधियों पर असर पड़ा। यही वजह है कि यूएई अब होर्मुज पर अपनी निर्भरता खत्म करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, भारत और चीन यूएई के सबसे बड़े तेल खरीदारों में शामिल हैं। जून 2026 में भारतीय कंपनियों ने यूएई से लगभग 60 लाख बैरल तेल खरीदा था। वहीं, चीनी कंपनियों ने भी करीब 60 लाख बैरल तेल की खरीदारी की थी।

होर्मुज पर निर्भरता खत्म करने का प्लान

1. यूएई की कोशिश ओमान की खाड़ी से सटे दिब्बा, फुजैराह और खोर फक्कन के पूर्वी बंदरगाहों का व्यापक विस्तार करना है। हालिया जंग के दौरान यूएई ने इन बंदरगाहों के जरिए तेल की सप्लाई की है।
2. यूएई के विदेश व्यापार मंत्री का कहना है कि दिब्बा, फुजैराह के पास ही एक नया बंदरगाह बनाया जाएगा। यह बंदरगाह ओमान सीमा के समीप होगा, जहां पर ईरान आसानी से हमला नहीं कर सकता है।
3. संयुक्त अरब अमीरात तेल क्षेत्रों को इन बंदरगाहों से जोड़ने के लिए पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार कर रहा है। परियोजना के दूसरे चरण का निर्माण 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है।

अमेरिका ईरान वार के बाद ईरान को मिला होर्मुज का कंट्रोल

अमेरिका की खुफिया रिपोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

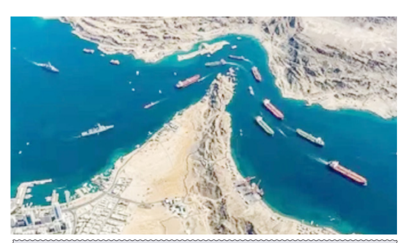

अमेरिका और ईरान के बीच हुए हालिया विवाद ने पूरी दुनिया के सामने एक नई हकीकत पेश कर दी है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने अपनी एक ताजा रिपोर्ट में यह स्वीकार किया है कि ईरान को अब एक ऐसा ब्रह्मास्त्र मिल गया है जिसकी ताकत का अंदाजा खुद उसे भी पहले नहीं था। यह खतरनाक हथियार कोई परमाणु बम नहीं बल्कि होर्मुज स्ट्रेट का पूरा और असली नियंत्रण है। इस अहम समुद्री रास्ते से पूरी दुनिया के कुल तेल कारोबार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा सुरक्षित गुजरता है। युद्ध के बाद ईरान यह समझ गया है कि वह वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचाने की एक नई और बहुत शक्तिशाली क्षमता हासिल कर चुका है। इसी बीच अमेरिका और ईरान के बीच एक अहम डील भी पूरी हो गई है जिस पर इसी शुक्रवार को हस्ताक्षर किए जाएंगे।

परमाणु हथियार से भी बड़ी ताकत

अमेरिकी खुफिया आकलन से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि अमेरिका ने अब होर्मुज पर असली कंट्रोल ईरान को दे दिया है। सूत्र के मुताबिक ईरान के हाथ में यह नियंत्रण किसी भी खतरनाक परमाणु हथियार से ज्यादा बड़ी और अहम ताकत है। इस भयानक युद्ध ने भविष्य में ऐसे कूटनीतिक तरीकों का इस्तेमाल करने को लेकर तेहरान की सोच को पूरी तरह बदल दिया है। होर्मुज को फिर से खोलने के लिए अमेरिका को ईरान से लंबी और गहन बातचीत करनी पड़ी।

डील और परमाणु वार्ता

इस नए फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर आधिकारिक मुहर लगने से पहले ही होर्मुज का रास्ता खोल दिया गया है। इस डील के लागू होने के 60 दिनों के अंदर दोनों देशों के बीच अहम परमाणु वार्ता शुरू हो जाएगी। हालांकि मौजूदा संकट फिलहाल टल गया है लेकिन ईरान ने दिखा दिया है कि वह होर्मुज का रास्ता कभी भी बंद कर सकता है। अमेरिकी खुफिया आकलन बताते हैं कि भविष्य में भी ऐसा दोबारा हो सकता है।

हिंदमाता एंकर भारत में हाल के चुनावों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जो लोकतांत्रिक भागीदारी का बड़ा उदाहरण है

'नरसंहार के आठवें स्टेज पर भारत', अमेरिकी सांसद इल्हान उमर ने फिर उगला जहर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका की डेमोक्रेटिक सांसद इल्हान उमर ने भारत को लेकर एक बार फिर विवादित बयान दिया है। इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल के एक कार्यक्रम में उन्होंने दावा किया कि भारत नरसंहार के आठवें स्टेज पर पहुंच चुका है। उनका यह बयान अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और इसे लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। यह कार्यक्रम 7 जून को आयोजित हुआ था, लेकिन इसके वीडियो अब सामने आए हैं। कार्यक्रम का आयोजन आईएएमसी ने किया था, जो लंबे समय से भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सवाल उठाता रहा है। सोमालियाई मूल की अमेरिकी सांसद इल्हान उमर को पाकिस्तान का हमदर्द माना जाता है। वे पहले भी कई बार कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की नाकाम कोशिशें कर चुकी हैं। एक तरफ जहां इल्हान भारत के खिलाफ दुष्प्रचार करने में जुटी हैं, वहीं खुद अमेरिका में वे और सोमालियाई प्रवासी समुदाय डोनाल्ड ट्रंप और मागा समर्थकों के निशाने पर रहते हैं। ट्रंप गुट द्वारा अक्सर उनके समुदाय को संदिग्ध बताया जाता है और खुद उमर पर भी अवैध अप्रवासी होने के आरोप लगते रहे हैं।

क्या बोलीं इल्हान उमर?

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इल्हान उमर ने कहा कि भारत से आने वाली रिपोर्टें यह संकेत देती हैं कि देश नरसंहार के आठवें चरण में है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रक्रिया अब व्यवस्थित और सामाजिक स्तर तक फैल चुकी है। उमर का यह बयान अमेरिकी विधिवेत्ता ग्रेगरी एच। स्टैंटन के '10 स्टेज ऑफ जेनोसाइड' मॉडल के संदर्भ में था। इस मॉडल में आठवें चरण को 'परसीक्यूशन' यानी उत्पीड़न बताया गया है, जिसमें किसी समुदाय के खिलाफ राज्य समर्थित दमन, अधिकारों का हनन, जबरन विस्थापन, संपत्ति जब्त करना और अन्य प्रकार के व्यवस्थित उत्पीड़न शामिल हैं।

भारत सरकार ने पहले ही किया था खंडन

केंद्र सरकार पहले भी भारत में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के आरोपों को खारिज कर चुकी है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने हाल ही में कहा था कि भारत दुनिया के सबसे सुरक्षित और समावेशी देशों में से एक है, जहां अल्पसंख्यक समुदाय सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा था कि भारत के पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों को धार्मिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है और वे शरण के लिए भारत का रुख करते हैं। रिजिजू ने यह भी कहा था कि पिछले 12 वर्षों में देश में अल्पसंख्यकों के जीवन स्तर और अवसरों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है तथा किसी व्यक्ति को धार्मिक पहचान के कारण देश छोड़ने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ा।

विदेश मंत्रालय ने भी दिया था जवाब

मई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे यात्रा के दौरान भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर पूछे गए सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के सचिव सिबी जॉर्ज ने कहा था कि भारत में हाल के चुनावों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जो लोकतांत्रिक भागीदारी का बड़ा उदाहरण है। उन्होंने यह भी कहा था कि स्वतंत्रता के समय भारत में अल्पसंख्यकों की आबादी करीब 11 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 20 प्रतिशत से अधिक हो गई है। उनके मुताबिक यह भारत की समावेशी व्यवस्था का प्रमाण है।

शुभमन गिल ने बतौर कप्तान ठोका पहला वनडे शतक

शुभमन गिल ने बुधवार को अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार कप्तान पारी खेली। उन्होंने लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 110 गेंदों में 154 रन बनाए, जिसमें 22 चौके और दो छक्के शामिल हैं। उन्होंने 77 गेंदों में शतक कंप्लीट किया था। यह उनका बतौर कप्तान वनडे क्रिकेट में पहला शतक है। वह वनडे करियर में कुल 9 सेंचुरी जमा चुके हैं। 26 वर्षीय गिल ने एक धाकड़ लिस्ट में राहुल द्रविड़ को पछाड़ दिया है। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले कप्तानों की लिस्ट में आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं। गिल कप्तान के रूप में अब तक सात शतक मार चुके हैं। वह टेस्ट टीम के कप्तान भी हैं। द्रविड़ ने कुल छह शतक ठोके थे। फेहरिस्त में विराट कोहली (41) शीर्ष पर काबिज हैं। गिल ने वनडे में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय कप्तानों की सूची में सातवें पायदान पर आ गए। उन्होंने मोहम्मद मोहम्मद (नाबाद 153 बनाम जिम्बाब्वे) को पछाड़ा। यहां टॉप पर वीरेंद्र सहवाग (219 बनाम वेस्टइंडीज) हैं।

गिल की रोहित शर्मा के क्लब में एंट्री

शुभमन गिल ने रोहित शर्मा के क्लब में एंट्री मारी है। वह अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे तेज वनडे सेंचुरी जड़ने वाले भारतीय कप्तानों की फेहरिस्त में पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। रोहित ने अफगानिस्तान के सामने 2025 में 76 जबकि 2023 में 63 गेंदों में शतक लगाया था। गिल अफगानिस्तान के विरुद्ध सबसे तेज वनडे शतक जमाने वालों की लिस्ट में भी पांचवें नंबर पर आ गए हैं। उनसे आगे ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल (76 गेंद) हैं। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन 71 गेंदों में शतक जमाकर तीसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने लखनऊ वनडे में 79 गेंदों में 125 रन बटोरे। उनके बल्ले से 14 चौके और 7 सिक्स निकले। ईशान और गिल ने तीसरे विकेट के लिए 224 रनों की दमदार साझेदारी की।

भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले कप्तान

- 41 – विराट कोहली
- 16 – सौरव गांगुली
- 13 – मोहम्मद अजहरुद्दीन
- 13 – सचिन तेंदुलकर
- 12 – रोहित शर्मा
- 11 – एमएस धोनी
- 11 – सुनील गावस्कर
- 7 – शुभमन गिल
- 6 – राहुल द्रविड़

ODI में भारतीय कप्तानों की सबसे बड़ी पारी

- 219 – वीरेंद्र सहवाग बनाम वेस्टइंडीज
- 208* – रोहित शर्मा बनाम श्रीलंका
- 186* – सचिन तेंदुलकर बनाम न्यूजीलैंड
- 175* – कपिल देव बनाम जिम्बाब्वे
- 160* – विराट कोहली बनाम साउथ अफ्रीका
- 157* – विराट कोहली बनाम वेस्टइंडीज
- 154 – शुभभमन गिल बनाम अफगानिस्तान
- 153* – मोहम्मद अजहरुद्दीन बनाम जिम्बाब्वे

अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे तेज वनडे शतक

- 57– इयोन मोर्गन, मैनचेस्टर 2019
- 63– रोहित शर्मा, दिल्ली 2023
- 71–ईशान किशन, लखनऊ 2026
- 76–ग्लेन मैक्सवेल, मुंबई 2023
- 77– शुभमन गिल, लखनऊ 2026

भारतीय कप्तानों द्वारा सबसे तेज वनडे शतक

- 63– रोहित शर्मा बनाम अफगानिस्तान, दिल्ली 2023
- 69– वीरेंद्र सहवाग बनाम वेस्टइंडीज, इंदौर 2011
- 76– विराट कोहली बनाम श्रीलंका, कोलंबो 2017
- 76– रोहित शर्मा बनाम इंग्लैंड, कटक 2025
- 77– शुभमन गिल बनाम अफगानिस्तान, लखनऊ 2026

रिलीज हुआ 'कॉकटेल 2' का नया गाना

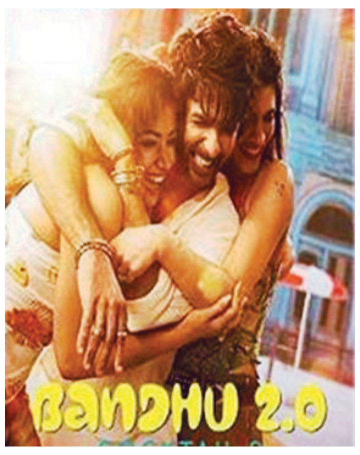

कुछ गाने ऐसे होते हैं जो समय के साथ पुराने नहीं पड़ते, बल्कि हर पीढ़ी के दिलों में अपनी खास जगह बना लेते हैं। 'तुम ही हो बंधु' ऐसा ही एक गीत रहा है, जिसने दोस्ती की खूबसूरती को बखूबी बयां किया। अब फिल्म 'कॉकटेल 2' के साथ इस एहसास की वापसी हुई है 'बंधु 2.0' के रूप में। यह नया गाना दोस्ती की गर्माहट, यादों और उन रिश्तों का जश्न मनाता है जो जीवन के हर पड़ाव पर साथ बने रहते हैं।

गाने में जोड़ा गया मजेदार ट्विस्ट

निर्माताओं ने इस गीत में एक दिलचस्प और मजेदार तत्व भी शामिल किया है। गाने में कलाकार खुद यह कहते नजर आते हैं कि गाना रिलीज होने के बाद उन्हें ट्रोल किया जाएगा। यह हल्का-फुल्का अंदाज गीत को और भी मनोरंजक बनाता है और दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान ले आता है।

प्रीतम का संगीत, कविता सेठ और नीरज श्रीधर की आवाज का जादू

हालांकि 'बंधु 2.0' का संगीत आधुनिक अंदाज में पेश किया गया है, लेकिन इसकी आत्मा वही पुरानी दोस्ती और अपनापन बनाए रखती है। प्रीतम के संगीत से सजे इस गीत को कविता सेठ और नीरज श्रीधर ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। यह गाना पुराने एहसासों और नए संगीत का खूबसूरत संगम है, जो नई पीढ़ी के लिए दोस्ती का नया एंथम बनने की क्षमता रखता है।

19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी 'कॉकटेल 2'

होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी 'कॉकटेल 2' को दिनेश विजान, लव रंजन और अंकुर गर्ग ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी और पटकथा तरुण जैन और लव रंजन ने लिखी है। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 19 जून को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है, जबकि बंधु 2.0 गाना दर्शकों के बीच दोस्ती की नई लहर पैदा कर रहा है।

'अल्फा' का ट्रेलर रिलीज

यशराज फिल्म्स ने आलिया भट्ट और शरवरी स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म 'अल्फा' का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो दो खतरनाक और साहसी लड़कियों की रोमांचक ओरिजिन स्टोरी को एक जबरदस्त पॉपकॉर्न एंटरटेनर के रूप में पेश करता है। ट्रेलर में बॉबी देओल के किरदार की भी अधिक झलक दिखाई गई है, जो आलिया भट्ट के किरदार का निर्दयी मेंटर है।

■ फिल्म में आलिया एक ऐसी असैसिन की भूमिका निभा रही हैं, जिसे बचपन से ही मारने के लिए तैयार किया गया है और जो आगे चलकर अपने ही मेंटर से आमने-सामने की लड़ाई लड़ती है। ट्रेलर में अनिल कपूर की भी झलक दिखाई गई है, जिनका संबंध रहस्यमयी 'अल्फा प्रोग्राम' से होने का संकेत दिया गया है। हाई-ऑक्टेन एक्शन, शानदार विजुअल्स और रोमांच से भरपूर सफर का वादा करने वाला 'अल्फा' खुद को एक सच्चे मनोरंजन पैकेज के रूप में स्थापित करता है, जो आलिया और शर्वरी के निडर ऐल्फा एटीट्यूड का जश्न मनाता है।

■ फिल्म में शरवरी के किरदार को जानबूझकर रहस्य में रखा गया है क्योंकि उनकी भूमिका कहानी में बेहद महत्वपूर्ण है। हालांकि ट्रेलर यह संकेत देता है कि वह बॉबी देओल को किसी भी कीमत पर रोकने के मिशन में आलिया का साथ देती नजर आएंगी। 'अल्फा' के स्टाइलिश और कूल विजुअल्स को और भी प्रभावशाली बनाता है इसका दमदार बैकग्राउंड स्कोर। दुनिया के लोकप्रिय डीजे ह्यूगल (HUGEL) के वैश्विक चार्टबस्टर ट्रैक जमैकन बाम बाम को ट्रेलर में शामिल किया गया है, जो इसमें जबरदस्त ऊर्जा भरता है। यह उसी एड्रेनालिन रश का प्रतीक है जिसे 'अल्फा' सिनेमाघरों में दर्शकों को महसूस कराना चाहती है। फिल्म की पटकथा को बॉलीवुड के मशहूर लेखक श्रीधर राघवन और सौमिल शुक्ला ने लिखा है। फिल्म का निर्देशन 'द रेलवे मेन' फेम शिव रवैल ने किया है। 'अल्फा' 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

'बंटवारा 1947' के कैरेक्टर पोस्टर्स रिलीज

दमदार और भावनात्मक मोशन पोस्टर के बाद अब 'बंटवारा 1947' के मेकर्स ने फिल्म के कैरेक्टर पोस्टर्स जारी कर दिए हैं, जो ताकत, मासूमियत और अटूट जज्बे को दर्शाते हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी यह फिल्म मातृभूमि के प्रति साहस और दृढ़ संकल्प की भावनाओं से जुड़ी एक कहानी पेश करने का वादा करती है। फिल्म को लेकर बढ़ते उत्साह के बीच मेकर्स ने उन किरदारों से पर्दा उठाया है, जो उस दौर में साहस और उम्मीद के प्रतीक बनकर उभरे थे, जब उनके आसपास की दुनिया बिखर रही थी। फिल्म की दुनिया को और करीब से दिखाते हुए बंटवारा 1947 के कैरेक्टर पोस्टर्स सामने आए हैं।

■ इनमें शबाना आजमी दुर्गावती देवी (माई) के रूप में, सनी देओल सिकंदर मिर्जा के रूप में, प्रीति जी. जिंटा हमीदा बेगम के रूप में, करण देओल जावेद मिर्जा के रूप में, अली फजल हबीब अनवर के रूप में और अभिमन्यु सिंह याकूब खान के रूप में नजर आ रहे हैं। ये पोस्टर्स उन लोगों की कहानी बयां करते हैं जिन्होंने बंटवारे के कठिन दौर में भी हार नहीं मानी और अपने साहस व धैर्य से मिसाल कायम की। मेकर्स द्वारा जारी किया गया किशन का पोस्टर खास तौर पर बेहद आकर्षक और प्रभावशाली नजर आता है।

■ यह दर्शाता है कि फिल्म की ताकत केवल उसके किरदारों में ही नहीं, बल्कि उसके समर्पण और भावनात्मक आत्मा में भी निहित है। हर चेहरा अपने भावों और उपस्थिति के जरिए बहुत कुछ कहता है, जिसने इस दिलचस्प कहानी को बड़े पर्दे पर देखने की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित बंटवारा 1947 लगभग तीन दशक बाद राजकुमार संतोषी और सनी देओल की बहुप्रतीक्षित वापसी को भी चिन्हित करती है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी बंटवारा 1947 का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने तैयार किया है, जबकि गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म का निर्माण आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने किया है। यह फिल्म 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सोनाली बेंद्रे का 'राख' में इमोशनल रोल

कुछ किरदार इस बात से नहीं पहचाने जाते कि वे क्या कहते हैं, बल्कि उससे पहचाने जाते हैं जो वे खामोशी में समेटे रहते हैं। अपनी रिलीज के बाद से ही, प्राइम ओरिजिनल सीरीज 'राख' अपनी गहराई से भरी इमोशनल कहानी और दमदार परफॉर्मेंस के लिए दर्शकों के दिलों को छू रही है। सीरीज में सोनाली बेंद्रे द्वारा निभाया गया 'मोना अरोड़ा' का किरदार शो के सबसे बेहतरीन एलिमेंट्स में से एक बनकर उभरा है, जिसे अपनी गहराई, संवेदनशीलता और इमोशनल ईमानदारी के लिए हर तरफ से तारीफें मिल रही हैं। एक्ट्रेस ने खुलकर बात की कि किस वजह से वे इस रोल की तरफ अट्रैक्ट हुई और कैसे इस एक्सपीरियंस ने उन कहानियों को देखने का उनका नजरिया बदल दिया जिन्हें वे आगे एक्सप्लोर करना चाहती हैं।

कंगना शर्मा का कातिलाना अंदाज

अपनी बोल्डनेस और बेहतरीन स्टाइल स्टेटमेंट के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कंगना शर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें साझा की हैं, जिन्हें देखकर फैंस के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं।

■ तस्वीरों में कंगना शर्मा चमकीले लाल रंग का एक शानदार वेलवेट गाउन पहने नजर आ रही हैं। यह एक थाई-हाई स्लिट गाउन है, जो उनके टोंड लेग्स को पूरी तरह फ्लॉन्ट कर रहा है। गाउन का डीप स्वीटहार्ट नेकलाइन डिजाइन कंगना के लुक को और भी ज्यादा बोल्ड और सिजलिंग बना रहा है। इस फुल-स्लीव्स आउटफिट के साथ उन्होंने मैचिंग रेड कलर का स्लिंग बैग कैरी किया हुआ है, जो उनके ओवरऑल अपीयरेंस को कॉम्प्लीमेंट कर रहा है।

■ कंगना ने अपने इस लुक को पूरा करने के लिए बोल्ड रेड लिपस्टिक लगाई है, जो उनके चेहरे पर काफी निखर कर आ रही है। स्मोकी आइज और परफेक्ट ब्लश के साथ उनका फेशियल ग्लो देखते ही बनता है। बालों की बात करें तो उन्होंने अपने वेवी हेयर्स को साइड-पार्टिंग के साथ खुला रखा है, जो उनके कंधों पर बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। गले में पहना हुआ हैवी स्टेटमेंट सिल्वर नेकपीस उनके नेकलाइन को एक रॉयल टच दे रहा है। खुले आसमान के नीचे रात के वक्त क्लिक की गई इन तस्वीरों में कंगना का कॉन्फिडेंस साफ नजर आ रहा है। कंगना एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। रेड हील्स पहने हुए उनके ये कातिलाना पोज इंटरनेट का तापमान बढ़ाने के लिए काफी हैं।

इंडिया-ए ने फाइनल में बनाई जगह

बल्लेबाजों के संयुक्त प्रदर्शन के बाद गेंदबाजों के दम पर इंडिया-ए ने बुधवार को अफगानिस्तान-ए को 101 रनों से मात देकर ट्राई सीरीज के फाइनल में पहुंचने की उम्मीद कायम रखी है। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया-ए ने 50 ओवरों में नौ विकेट खोकर 319 रन बनाए थे। वहीं अफगानिस्तान-ए की टीम 36.5 ओवरों में 218 रनों पर ही ढेर हो गई। भारत को फाइनल में जाने के लिए अफगानिस्तान को 236 रनों पर रोकने की जरूरत थी और उसने 218 रनों पर ही रोक लिया।

शुरुआत रही बेकार

अफगानिस्तान-ए के सामने चुनौती कम नहीं थी और इस 320 रनों के टारगेट को हासिल करने के लिए उसे अच्छी शुरुआत की जरूरत थी जो उसे मिली नहीं हसन इसाखी को यश ठाकुर ने तीसरे ओवर की चौथी गेंद पर आउट कर दिया। वह 14 रन ही बना सके। यहां से अफगानिस्तान की टीम लगातार विकेट खोती रही। उसने 70 रनों पर ही अपने तीन विकेट खो दिए थे। फिर फैसल शिनजोदा बारिस शाह ने कुछ देर तक मैदान पर पैर टिकाए। 157 के कुल स्कोर पर अनुकूल रॉय ने शिनजोदा को आउट कर साझेदारी को तोड़ दिया। उन्होंने 56 गेंदों पर 46 रनों की पारी खेली। उनके आउट होने के कुछ देर बाद बारिस शाह भी आउट हो गए। उन्होंने 52 गेंदों पर 57 रन बनाए। निशांत सिंधू ने 37वें ओवर की पांचवीं गेंद पर आखिरी विकेट भी गिरा दिया।

19 जून को हैदराबाद में होगा 'नागबंधम' के भव्य ट्रेलर का अनावरण

निर्देशक अभिषेक नामा की बहुप्रतीक्षित पौराणिक फैंटेसी फिल्म नागबंधम को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। विराट कर्ण, नाभा नटेश, जगपति बाबू और ऋषभ साहनी अभिनीत यह फिल्म 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म के टीजर को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी और अब मेकर्स इसके भव्य ट्रेलर लॉन्च की तैयारी में जुट गए हैं।

19 जून को हैदराबाद में होगा ट्रेलर लॉन्च

फिल्म के निर्माताओं ने आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया है कि नागबंधम का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर 19 जून को Prasads PCX में लॉन्च किया जाएगा। सोशल मीडिया पर साझा किए गए पोस्ट में मेकर्स ने इसे सबसे बड़े कैनवास पर एक भव्य कृति का अनावरण बताया है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट शाम 4 बजे से शुरू होगा, जहां फिल्म की पूरी टीम मौजूद रहने की संभावना है। इस घोषणा के बाद फिल्म प्रेमियों और फैंस के बीच उत्सुकता और बढ़ गई है।

टीजर और गानों को मिला शानदार प्यार

फिल्म के प्रचार अभियान को अब तक दर्शकों का शानदार समर्थन मिला है। हाल ही में रिलीज हुए टीजर ने अपने भव्य विजुअल्स, रहस्यमयी कथानक और दमदार बैकग्राउंड स्कोर से दर्शकों को प्रभावित किया। वहीं फिल्म के गानों को भी भरपूर सराहना मिली है। गीत नमो रे को यूट्यूब पर 1.1 करोड़ से अधिक व्यूज मिल चुके हैं, जबकि शादी के माहौल पर आधारित Sura Sura 50 लाख से ज्यादा व्यूज हासिल कर चुका है। फिल्म के पोस्टर्स भी इसकी विशाल और रहस्यमयी दुनिया की झलक दिखाकर दर्शकों की जिज्ञासा बढ़ाने में सफल रहे हैं।

पौराणिकता और रोमांच का अनूठा संगम

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और कम चर्चित पौराणिक कथाओं से प्रेरित नागबंधम फैंटेसी, मिथक, रोमांच और भावनाओं का अनोखा मिश्रण पेश करने का दावा करती है। फिल्म की कहानी, पटकथा और निर्देशन स्वयं अभिषेक नामा ने किया है, जबकि निर्माण की जिम्मेदारी Kishore Annapureddy और Nishitha Nagireddy ने संभाली है। भव्य प्रस्तुति और नए सिनेमाई विजन के साथ यह फिल्म 3 जुलाई 2026 को पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज होगी और दर्शकों को एक यादगार अनुभव देने का प्रयास करेगी।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित। दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप